खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम :30°C
न्यूनतम: 25°C

देहरादून, शनिवार 6 सितम्बर 2025 देहरादून संस्करण: वर्ष 25 अंक 29 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com | भाद्रपद शुक्ल पक्ष 12 विक्रमी सम्वत् 2082 | 13 रबी उल अव्वल 1447 हिजरी | नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

शिक्षकों को विश्व के सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों के रूप में मान्यता मिले: राष्ट्रपति मुर्मू पेज 2

भारतीय जर्सी को स्पॉन्सर करना अब और महंगा खेल टाइम्स

सरकारी स्कूलों को जिंदा रहने दें 'प्लीज' सम्पादकीय

रूस-यूक्रेन युद्ध पर भारत की यूएन में दो टूक राजनयिक प्रयासों का समर्थन करने को तैयार पेज 2

मां नंदा-सुनंदा की विदाई को उमड़ा आस्था का सागर

अफजल 'फौजी'

नैनीताल। मां नंदा सुनंदा महोत्सव के अंतिम दिन शुक्रवार को मां नैना देवी मंदिर से डोला तय समय के अनुसार धार्मिक ध्वज के साथ 12:00 बजे निकाला गया।

इस दौरान मंदिर परिसर व क्षेत्र मां के जयकारों से गूंज उठा, वहीं हजारों की संख्या में भक्तों ने मां को विदा करने को लेकर डोले में शामिल हुए और डोला नैना देवी मंदिर से प्रारंभ होकर आर्य समाज में पूजा-अर्चना के बाद मल्लीताल बाजार से पंत पार्क, लोअर माल रोड से तल्लीताल बाजार वैष्णव देवी मंदिर में पूजा के बाद नया बाजार पिछाड़ी बाजार होते हुए वापस बड़ा बाजार चीना बाबा मंदिर होते हुए ठंडी सड़क में विसर्जन किया गया। भक्त मां को नाच गाकर और मां के जयकारों के साथ विदा कर रहे थे। डोला भ्रमण

बैंडों के बेहतरीन गीतों की शानदार प्रस्तुति दी

मां नंदा देवी महोत्सव में नगर के अलावा विभिन्न क्षेत्रों से बैंड द्वारा बेहतरीन गीतों की शानदार प्रस्तुति दी गई, भक्त झूमते नजर आए एवं करतब दिखाया गया। वही मां नंदा देवी महोत्सव का सीधा प्रसारण ताल चैनल व यूट्यूब के माध्यम से दिखाया गया।

अलग-अलग शहरों से आए बैंड बाजों व छोला नृत्य के ग्रुप ने भजनों की प्रस्तुति देकर समां बांध दिया और पूरा शहर मां के जयकारों से गूंज रहा था। प्रातः से ही मां के भक्त मंदिर में पहुंच रहे थे और पूरा मंदिर परिसर मेला क्षेत्र में भक्तों का जनसैलाब उमड़ा हुआ था। मां को विदा करने नैनीताल के अलावा -शेष पृष्ठ दो पर

चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे

एसपी क्राइम डा. जगदीश चंद्रा ने बताया मां नंदा देवी महोत्सव के दौरान नगर के चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। पुलिस बल की तैनाती हर प्रमुख स्थल पर की गई ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। फायर व पुलिस के वाहन भी भीड़ के साथ ही चल रहें है। नैनी झील में सुरक्षा को लेकर एसडीआरएफ की टीम तैनात की हुई है। पूरे मेले को पुलिस अपने संचालन में नियंत्रण कर रही है। ड्रोन के माध्यम से भी नजर रखी जा रही है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए करीब डेढ़ सौ पुलिसकर्मी लगाए गए हैं।

मां नंदा-सुनंदा के डोले का भव्य स्वागत

नंदा देवी महोत्सव के तहत तल्लीताल टोल टैक्स पर मां नंदा-सुनंदा के डोले का भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर पारंपरिक ढोल-दमाऊं की थाप पर जयकारों के साथ स्वागत किया। नगर का माहौल धार्मिक उत्साह और आस्था से सराबोर हो उठा।

उमड़ी भीड़ से बसों में सफर करना हुआ मुश्किल

नंदा देवी महोत्सव के दौरान दूर दराज से नैनीताल मां के दर्शन करने आए भक्तों को वापस जाने के लिए बसों में सफर करना मुश्किल हुआ। बसों में बैठने के लोग खिड़कियों से चढ़ने लगे।

सीडीएस चौहान ने बताया ऑपरेशन सिंदूर का सीक्रेट

गोरखपुर, वार्ता

■ कहा: बालाकोट एयरस्ट्राइक के बाद भारत और पाकिस्तान ने अलग-अलग सबक सीखे

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने गोरखपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि बालाकोट एयरस्ट्राइक के बाद भारत और पाकिस्तान ने अलग-अलग सबक सीखे।

भारत ने जहां लंबी दूरी तक मार करने वाले प्रिंसिजन हथियार और हमले के बाद नुकसान का आकलन करने की क्षमता पर ध्यान दिया, वहीं पाकिस्तान ने संभवतः अपनी एयर डिफेंस प्रणाली को मजबूत करने पर फोकस किया। जनरल चौहान ने याद दिलाया कि 2016 में उरी हमले के बाद भारतीय सेना ने जमीनी रास्ते से पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों के कैंप तबाह किए। 2019 पुलवामा हमले के बाद भारतीय वायुसेना ने खैबर पख्तूनख्वा में एयरस्ट्राइक की थी। हाल ही में पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के पास पहले से ही और बेहतर प्रिंसिजन स्ट्राइक क्षमता मौजूद थी।जब राजनीतिक नेतृत्व से चर्चा हुई तो यह साफ हो गया कि सिर्फ ड्रोन और लोटरिंग म्यूनिशन से लक्ष्य हासिल नहीं होगा। बहावलपुर और मुरीदके में आतंकी ठिकाने तबाह करने के लिए एयर पावर का इस्तेमाल जरूरी था। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सरकार ने सेना को साफ निर्देश दिए थे कि आतंकी ठिकाने नष्ट करने हैं।

नौ लाख शिक्षकों को योगी का तोहफा, मिलेगी कैशलेस इलाज की सुविधा

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। लोकभवन में इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने परिषदीय विद्यालयों के 66 व माध्यमिक शिक्षा विभाग के 15 शिक्षकों को राज्य अध्यापक पुरस्कार देकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व मॉनिटरिंग के लिए टैबलेट, विद्यालयों में स्मार्ट क्लास की स्थापना के लिए प्रधानाचार्यों को टैबलेट व प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। इस अवसर पर सीएम योगी ने कहा कि बेसिक शिक्षा ने बाल वाटिका का एक नया रूप लाया है। इस सत्र में पांच हजार से अधिक बाल वाटिकाएं शुरू हो चुकी हैं।

मुंबई में अनंत चतुर्दशी से पहले ब्लास्ट की धमकी

मुंबई। मुंबई पुलिस को गुरुवार देर रात व्हाट्सएप पर धमकी भरा मैसेज मिला, जिसमें दावा किया गया है कि लश्कर-ए-जिहादी के 14 आतंकी शहर में आ चुके हैं। आतंकी 400 किलो आरडीएक्स 34 गाड़ियों में लगाकर बड़ा ब्लास्ट करने वाले हैं। धमकी मिलते ही मुंबई पुलिस ने शहर भर में हाई अलर्ट घोषित कर दिया। क्राइम ब्रांच ने जांच शुरू कर दी है। एंटी-टेररिज्म स्क्वाड (एटीएस) व अन्य सुरक्षा एजेंसियों को भी सतर्क कर दिया गया है। शनिवार को गणेशोत्सव का अंतिम दिन (अनंत चतुर्दशी) है।

भारत-अमेरिका से लेगा 5वीं जनरेशन के विमान इंजन

नई दिल्ली। टैरिफ वॉर की तल्खी के बीच भारत की विमान निर्माता कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) और अमेरिकी कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक (जीई) के बीच जेट इंजन को लेकर कई रक्षा सौदे फाइनल स्टेज में हैं। एचएएल सूत्रों के मुताबिक सबसे बड़ा सौदा जेट जीई 414 इंजन का होने जा रहा है। यह इंजन भारत के 5वीं पीढ़ी के स्वदेशी लड़ाकू विमान एम्का में लगेगा।

मोदी की कूटनीतिक चाल से ट्रम्प हैरान, परेशान

अमेरिकी राष्ट्रपति ने मानी गलती: भारत-रूस को चीन के हाथों खोया

वाशिंगटन, वार्ता

■ टैरिफ वॉर: एससीओ समिट के बाद नरम पड़े ट्रम्प
■ ट्रम्प ने पोस्ट में लिखा- ईश्वर करे कि उनका भविष्य लंबा और समृद्ध हो, एक तस्वीर भी शेयर की

अमेरिका की तरफ भारत पर लगाए गए टैरिफ के बाद दोनों देशों के बीच तनाव देखने को मिल रहा है। इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प लगातार भारत पर निशाना साधते नजर आ रहे थे, लेकिन चीन में हाल ही में संपन्न हुए एससीओ सम्मेलन के बाद अब ट्रम्प के तेवर नरम पड़ते दिख रहे हैं। ट्रम्प ने सोशल मीडिया ट्रुथ सोशल पर लिखा कि लगता है हमने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को सोशल मीडिया ट्रुथ पर पोस्ट में एक तस्वीर भी शेयर की है। इस तस्वीर में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग नजर आ रहे हैं। इस पोस्ट में डोनाल्ड ट्रम्प ने लिखा कि लगता है कि हमने भारत और रूस को गहरे, अंधकारमय चीन के हाथों खो दिया है। ईश्वर करे कि उनका भविष्य लंबा और समृद्ध हो। ट्रम्प की यह टिप्पणी पर उस समय आई है जब पिछले दिनों चीन के तियानजिन में आयोजित एससीओ शिखर सम्मेलन पीएम मोदी, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की नजदीकियों ने विश्व का ध्यान खींचा था। भारत-अमेरिका संबंधों में खटास तब और गहरी हो गई जब ट्रम्प प्रशासन ने भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ दोगुना कर 50 प्रतिशत कर दिया और साथ ही रूस से कच्चा तेल खरीदने पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क भी लगा दिया। वहीं अपने साप्ताहिक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के इस पोस्ट को लेकर सवाल पूछे जाने पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि इस समय इस पोस्ट पर मेरी कोई टिप्पणी नहीं है। इससे पहले तमाम पूर्व अमेरिकी अधिकारियों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को भारत के साथ संबंध सुधारने की नसीहत दी थी। इस कड़ी में पूर्व अमेरिकी एनएसए जॉन बोल्टन ने कहा कि ट्रम्प प्रशासन ने अमेरिका-भारत संबंधों को दशकों पीछे धकेल दिया है, जिससे पीएम मोदी रूस और चीन के करीब चले गए हैं।

ट्रम्प के करीबी पीटर नवारो के बयान पर भारत का पलटवार

नई दिल्ली। भारत ने शुक्रवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के करीबी और व्हाइट हाउस ट्रेड के सलाहकार पीटर नवारो के हालिया बयानों को सख्ती से खारिज कर दिया। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने साफ कहा कि नवारो के बयान न केवल गलत हैं, बल्कि भ्रामक भी हैं। प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि भारत और अमेरिका के रिश्ते गहरे हैं और इन्हें भ्रामक बयानों से प्रभावित नहीं किया जा सकता। साथ ही ब्लूमबर्ग की चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को गुप्त पत्र भेजने वाली रिपोर्ट को गलत बताया। इस दौरान ऑस्ट्रेलिया में हो रहे प्रदर्शन पर भी विदेश मंत्रालय ने अपनी बात कही। जायसवाल ने कहा कि भारत और अमेरिका व्यापक और वैश्विक रणनीतिक साझेदारी साझा करते हैं। यह साझेदारी साझा हितों, लोकतांत्रिक मूल्यों और लोगों के बीच मजबूत रिश्तों पर आधारित है।

मुसीबत में अनिल अंबानी

SBI, BOI के बाद BOB ने ऋण खाते को फ्रॉड घोषित किया

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ आरकॉम ने अनिल अंबानी के ऋण खाते को धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत करने की जानकारी दी

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक और बैंक ऑफ इंडिया के बाद अब बैंक ऑफ बड़ौदा ने भी दिवालिया रिलायंस कम्युनिकेशंस और अनिल अंबानी के ऋण खाते को फ्रॉड के रूप में वर्गीकृत कर दिया है।

एक नियामक फाइलिंग के अनुसार उनपर इस कार्रवाई के लिए एक दशक से पहले दिए गए ऋणों के कथित दुरुपयोग का हवाला दिया गया है। आरकॉम ने कहा कि उसे बैंक ऑफ बड़ौदा से 2 सितम्बर को एक पत्र मिला है जिसमें कंपनी और उसके प्रवर्तक अनिल अंबानी के ऋण खाते को धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत करने के निर्णय की जानकारी दी गई है। बैंक ऑफ बड़ौदा ने कंपनी को 1,600 करोड़ रुपये और 862.50 करोड़ रुपये की ऋण सुविधा स्वीकृत की थी। आरकॉम की ओर से नियामकीय फाइलिंग में जारी बैंकों के पत्र के अनुसार, कुल 2,462.50 करोड़ रुपये में से 28 अगस्त तक 1,656.07 करोड़ रुपये बकाया थे। पत्र में कहा गया है, इस खाते को 5 जून 2017 से गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) के रूप में वर्गीकृत किया गया है। आरकॉम नियंत्रण और अपनी देनदारियों को चुकाने के लिए कॉर्पोरेट दिवाला समाधान कार्यवाही से गुजर रही है। हालांकि, बैंक ऑफ बड़ौदा ने पत्र में कहा है कि वर्तमान में एनसीएलटी की ओर से अनुमोदित कोई सक्रिय समाधान योजना अस्तित्व में नहीं है।

दंतेवाड़ा में मुठभेड़, छह माओवादी ढेर!

दंतेवाड़ा। मानसून ब्रेक के बाद बस्तर में नक्सलियों के खात्मे को लेकर फिर ऑपरेशन तेज हो गए हैं। नारायणपुर और दंतेवाड़ा के बॉर्डर इलाके में जवानों की नक्सलियों से मुठभेड़ चल रही है, जिसमें छह नक्सलियों के मारे जाने की जानकारी मिल रही है। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के पास सूचना थी कि नक्सलियों की एक बड़ी टीम अबूझमाड़ के एक इलाके में जमा है और किसी बड़ी बैठक की तैयारी चल रही है।

देश में बरसाती आफत का कहर जारी

दिल्ली समेत राजस्थान व पंजाब के हालत बदतर

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ एनसीआर में बाढ़, नोएडा के कई सेक्टर डूबे, अजमेर में बोराज तालाब टूटा, 1000 घरों में भरा पानी
■ पंजाब में 43 मौतें, पाकिस्तान का पानी भारत में घुसा

नई दिल्ली। बारिश से पहाड़ी राज्यों से लेकर मैदानी इलाकों तक तबाही आ गई है। दिल्ली-एनसीआर में लगातार बारिश के कारण यमुना नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। इससे कई इलाकों में बाढ़ आ गई है।

नोएडा में सेक्टर-135 और सेक्टर-151 डूब गए हैं। कई इलाके में 3 से 4 फीट पानी भरा है। पाकिस्तान से आने वाले बाढ़ के पानी से भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर कई किलोमीटर लंबा बाड़ डूब गया है। पंजाब के फिरोजपुर में शुक्रवार को लोगों ने रेत से भरी बोरियां रखकर बांध बनाया। मध्य प्रदेश के राजगढ़ में शुक्रवार को एक कार पुल से कालीसिंध नदी में गिर गई। इसमें स्थानीय भाजपा नेता महेश सोनी के 26 साल का बेटा सवार था, जिसके नदी में बह जाने की आशंका है। दिल्ली में सिविल लाइंस स्थित मॉनेस्ट्री मार्केट और वासुदेव घाट -शेष पृष्ठ दो पर

देश के 47 प्रतिशत मंत्रियों पर आपराधिक केस दर्ज

653 मंत्रियों में से 174 पर मर्डर, रेप जैसे गंभीर आरोप

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ आरोपियों में भाजपा के 136, कांग्रेस के 45 मंत्री, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, नागालैंड व उत्तराखंड के किसी मंत्री पर कोई आपराधिक केस दर्ज नहीं

नई दिल्ली। देशभर के 302 मंत्री (करीब 47प्रतिशत) खुद पर आपराधिक केस होने की बात स्वीकार कर चुके हैं। इनमें 174 मंत्री ऐसे हैं, जिन पर हत्या, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर आरोप हैं।

वहीं, केंद्र सरकार के 72 मंत्रियों में से 29 (40प्रतिशत) ने आपराधिक केस होने की बात मानी है। यह जानकारी चुनाव सुधार संस्था 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफार्म्स' (एडीआर) की रिपोर्ट में सामने आई है। एडीआर ने 27 राज्यों, 3 केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्र सरकार के कुल 643 मंत्रियों के शपथ पत्रों (एफिडेविट) का विश्लेषण किया। एडीआर ने यह भी कहा कि जिन शपथ पत्रों के आधार पर रिपोर्ट तैयार की गई है, वे 2020 से 2025 के बीच चुनावों के दौरान दाखिल हुए थे। इन मामलों की स्थिति बदल भी सकती है। केंद्र सरकार ने हाल ही में एक प्रस्ताव रखा था, जिसमें प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और मंत्रियों को गंभीर आपराधिक मामलों में 30 दिन की गिरफ्तारी के बाद पद से हटाने की बात कही गई थी। भाजपा के 336 मंत्रियों में से 136 (40 प्रतिशत) पर आपराधिक केस हैं, वहीं 88 (26प्रतिशत) पर गंभीर आरोप हैं। कांग्रेस के 61 मंत्रियों में से 45 (74 प्रतिशत) पर केस हैं, 18 (30 प्रतिशत) पर गंभीर आरोप हैं। डीएमके के 31 में से 27 (87 प्रतिशत) मंत्री आरोपी हैं, 14 (45 प्रतिशत) पर गंभीर केस हैं। टीएमसी के 40 में से 13 (33 प्रतिशत) पर केस हैं, 8 (20 प्रतिशत) पर गंभीर आरोप हैं। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के 23 में से 22 (96 प्रतिशत) मंत्री आरोपी हैं, 13 (57प्रतिशत) पर गंभीर केस हैं। आम आदमी पार्टी के16 में से 11 (69प्रतिशत) मंत्री आरोपी हैं, 5 (31प्रतिशत) पर गंभीर आरोप हैं।

संक्षिप्त समाचार

खड़गे-राहुल ने शिक्षक दिवस पर बधाई दी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शिक्षक दिवस पर देशवासियों को बधाई दी है। खड़गे ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर एक संदेश में कहा कि शिक्षकों को सच्चा राष्ट्र-निर्माता माना जाता है। उन्होंने कहा कि इस शिक्षक दिवस पर, हम इन राष्ट्र-निर्माताओं के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। हम भारत के पूर्व राष्ट्रपति, एक दार्शनिक और राजनेता, डा. एस. राधाकृष्णन को भी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जिनका ज्ञान, समर्पण और योगदान पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। गांधी ने अपने बधाई संदेश में कहा कि भारत के पूर्व राष्ट्रपति, महान दार्शनिक डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी की जयंती पर उन्हें सादर नमन।

शिक्षण संस्थानों में आरक्षण समाप्त करने की साजिश

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि सरकार अनुसूचित जाति, जनजाति तथा पिछड़ा वर्ग के बच्चों के हक को भी चुरा रही है और सरकारी संस्थानों को रणनीति के तहत बंद कर शिक्षा व्यवस्था को निजी हाथों में सौंप कर आरक्षण को समाप्त करने की साजिश कर रही है। कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के प्रमुख राजेंद्र पाल गौतम, आदिवासी कांग्रेस के प्रमुख डा. विक्रांत भूरिया तथा कांग्रेस ओबीसी विभाग के प्रमुख डा. अनिल जयहिंद ने शुक्रवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कांग्रेस एससी, एसटी और पिछड़ा वर्ग के बच्चों के संवैधानिक अधिकारों का हनन कर रही है और उनके हित में जो फैसला न्यायालय से आया है उसको लागू नहीं किया जा रहा है।

दुष्टों का संहार करके ही सुरक्षित रहेगा राष्ट्र: योगी

सुरक्षा के माहौल में ही समृद्धि के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है: मुख्यमंत्री

गोरखपुर, वार्ता

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्य नाथ ने शुक्रवार कहा कि नागरिकों के संरक्षण और दुष्टों का संहार करके ही कोई राष्ट्र सुरक्षित रह सकता है और सुरक्षा के माहौल में ही समृद्धि के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

योगी शुक्रवार को लीन महंत दिग्विजयनाथ की 56वीं और राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की 11वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में समसामयिक विषयों पर संगोष्ठी श्रृंखला के पहले दिन भारत के समक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियां विषयक संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे थे। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि चीफ ऑफ डिफेंस स्टॉफअनिल चौहान का अभिनंदन करते हुए मुख्यमंत्री ने आचार्य चाणक्य के एक उद्धरण का उल्लेख करते हुए कहा कि कोई राष्ट्र वाह्य रूप से सुरक्षित हो और आंतिरक रूप से सुरक्षित न हो, तो उसे अराजक राष्ट्र माना जाता है। ऐसा अराजक राष्ट्र शीघ्र समाप्त होने के कगार पर होता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान इसी तरह के अराजक राष्ट्र का उदाहरण है। आंतरिक अराजकता से वह पूरी तरह खोखला हो चुका है। अराजकता किसी भी राष्ट्र को दुर्गति की ओर ले जाती है। दुर्गति से अस्तित्व पर संकट होता है। भारत प्राचीनकाल से ही इस पर सजग और सतर्क रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वैदिककाल से ही भारत में यह शिक्षा दी गई है कि धरती हमारी माता है और हम धरती के पुत्र हैं। कोई भी सुयोग्य पुत्र मां के साथ अराजकता बर्दाश्त नहीं कर सकता। भारत मां की आन, बान और शान के प्रति किसी ने दुस्साहस किया तो उसके खिलाफ हर भारतीय खड़ा होगा।

मुख्ययमंत्री योगी ने दी शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व राष्ट्रपति, महान शिक्षाविद, 'भारत रत्न' डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि एवं प्रदेश वासियों को 'शिक्षक दिवस' की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा है कि भारतीय संस्कृति एवं वेदांत दर्शन को वैश्विक पटल पर प्रतिष्ठित कर 'आधुनिक भारत-शिक्षित भारत' के निर्माण में उनका अतुलनीय योगदान हम सभी के लिए पाथेय है। मुख्यमंत्री योगी ने शुक्रवार को गोरखपुर में जनता दर्शन के दौरान लोगों की समस्याएं सुनी और अधिकारियों को उचित दिशा निर्देश जारी किए।

मनरेगा को कमजोर करना बड़ी रणनीति का हिस्सा: कांग्रेस

नई दिल्ली, वार्ता

■ मोदी सरकार ने योजना को पर्याप्त बजट का आवंटन नहीं किया: जयराम रमेश

कांग्रेस ने मनरेगा को ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की महत्वपूर्ण योजना बताते हुए कहा कि एक रणनीति के तहत दुनिया की इस सबसे बड़ी कल्याणकारी योजना को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने शुक्रवार को यहां एक बयान में इस बात पर चिता व्यक्त की है कि मोदी सरकार ने इस योजना को पर्याप्त बजट का आवंटन नहीं किया है। रमेश ने कहा कि आज महात्मागांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना-मनरेगा कानून बनने की 20वीं वर्षगांठ है। होना तो यह चाहिए था कि आज हम दुनिया की सबसे बड़ी सामाजिक कल्याण योजना की उपलब्धियों को याद करते, लेकिन इस सरकार में योजना के अनिश्चित भविष्य को लेकर चिता जतानी पड़ रही है।

उन्होंने कहा कि वित्त मंत्रालय के नियमों के अनुसार किसी भी सरकारी योजना को वित्तीय वर्ष की पहली छमाही में बजट का 60 प्रतिशत से अधिक खर्च करने की अनुमति नहीं है, लेकिन मंत्रालय ने सिर्फ पांच महीनों में ही 60 प्रतिशत बजट खत्म कर दिया है, जिससे देश की करोड़ों ग्रामीण परिवारों के भविष्य पर प्रश्नचिह्न खड़ा हो गया है। रमेश ने कहा कि यह संकट कोई अपवाद नहीं, बल्कि मोदी सरकार द्वारा मनरेगा को कमजोर करने की एक बड़ी रणनीति का हिस्सा है। मनरेगा को पिछले 11 वर्षों से पर्याप्त बजट नहीं मिला है। उच्च महंगाई के बावजूद पिछले तीन सालों से बजट लगभग स्थिर है। इससे योजना की मांग-आधारित दृष्टि का मजाक बन गया है और करोड़ों श्रमिकों को जरूरत पड़ने पर काम नहीं मिल पाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि मनरेगा मजदूरों को वेतन भुगतान 15 दिनों की वैधानिक समयसीमा के बाद भी देर से मिलता है और मुआवजा भी नहीं दिया जाता।

पशिचमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में अलर्ट

शाह टाइम्स बयूरो

■ यमुना नदी में बढ़ते जलस्तर को देखते हुए राहत और बचाव कार्य तेजी पर

लखनऊ। पहाड़ों पर हो रही लगातार बारिश का असर मैदानी इलाकों में भी देखने को मिल रहा है। यही कारण है कि उत्तर प्रदेश में बाढ़ प्रभावित जिलों की संख्या बढ़कर 28 हो गई है। इनमें से ज्‍़डादातर जिले यमुना नदी के किनारे हैं, जिसका जलस्तर पिछले चार दिनों से लगातार बढ़ रहा है। इन क्षेत्रों में खासकर राज्य के पश्चिमी हिस्सों में राहत और बचाव दल को हाई अलर्ट पर रखा गया है। अभी तक जिन 28 जिलों में बाढ़ की सूचना मिली थी, उनमें आगरा, अलीगढ़, बलिया, बारा. बंकी, बदायूं, बस्ती, चंदौली, फर्रुखाबाद, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर, गोंडा, गोरखपुर, हरदोई, कासगंज, कानपुर देहात, कन्नौज, लखीमपुर खीरी, मेरठ, मथुरा, मिर्जापुर, मुजफ्फरनगर, पीलीभीत, सहारनपुर, शाहज. हांपुर, संत कबीर नगर, सीतापुर और उन्नाव शामिल थे। इनमें से आगरा, अलीगढ़, बाराबंकी, बस्ती, गौतमबुद्ध नगर, गोरखपुर, हरदोई, कन्नौज, मथुरा, पीलीभीत, सहारनपुर, संत कबीर नगर और सीतापुर में लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। अधिकारियों की मानें तो 889 गांव बाढ़ से प्रभावित हैं। राज्य 319 बाढ़ आश्रय स्थलों का संचालन कर रहा था जहां 5,453 लोगों को स्थानांतरित किया गया था।

योगी सरकार और पुलिस पर जमकर बरसे सपा प्रमुख

अखिलेश की गाड़ी का 8 लाख का चालान

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ कहा: भाजपा के लोग पूरा सिस्टम चला रहे, सरकार जनता से वसूली कर रही

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव अपनी गाड़ी का आठ लाख का चालान होने के बाद शुक्रवार को सरकार और पुलिस पर जमकर बरसे। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी के लोग पूरा सिस्टम चला रहे हैं।

सरकार जनता से वसूली कर रही है। सुविधाएं नहीं दे रही है, लेकिन जमकर टैक्स वसूला जा रहा है। उन्होंने कहा कि मेरी गाड़ी का आगरा एक्सप्रेस वे पर ओवर स्पीडिंग के कारण आठ लाख रुपये का चालान कर दिया। सरकार की तरफ से जो गाड़ी हमें दी गई है, वो चलने की हालत में नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में समाजवादी सरकार बनने पर वो भी गाड़ी ढूढेंगे और विपक्षियों को देंगे। शिक्षक दिवस पर शुक्रवार को पार्टी कार्यालय पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए यादव ने डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को याद करते हुए कहा कि उन्होंने शिक्षक जगत में जो पहचान बनाई है, उसको हम नमन करते हैं। आने वाले दिनों में समा. जवादी सरकार बनने पर क्वालिटी ऑफ एजुकेशन और रोजगार पर फोकस करेंगे। यह सरकार समाज, शिक्षक, शिक्षा को बर्बाद कर रही है। सरकार लोगों को पढ़ने नहीं देना चाहती है। समाज पढ़ेगा तो तर्क करेगा। शिक्षा से आत्मबल बढ़ता है। सपा प्रमुख ने कहा कि नौकरी भाजपा के एजेंडे में नहीं है। ऐसा नहीं रहता, तो 69000 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों को आंदोलन नहीं करना पढ़ता। स्कूल बंद नहीं करने पड़ते। प्रतापगढ़ में डीफार्मा का फर्जी कोर्स चलाने वाले को जेल में डाल दिया गया, जबकि वो बीजेपी का करीबी है। उन्होंने ने कहा कि सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। आज से महज 493 दिन बचे हैं। इस बार वो वोट नही बघ्ने देंगे। इनके पास चुनावी तिकघे है। जुगाघ आयोग के जरिये यह सारा काम करते हैं। उन्होंने जीएसटी की दरों में बदलाव पर कहा कि ये सब चुनाव को देखकर किया गया है। मुनाफाखोरी कम नहीं हो रही है। ट्रंप के टैरिफ ने भाजपा के लोगों के मुंह पर ताला लगा दिया है।

चीन का सामान वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट को पूरी तरह खत्म कर देगा

चीन का सामान वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट को पूरी तरह खत्म कर देगामेक इन इंडिया की बात करने वाले लोग हमारे बाजारों में चीन का माल भर दे रहे हैं। । आज पूरा बाजार चीन के माल से भरा पड़ा है। इस दौरान भाजपा विधायक केतकी सिंह के टोटी चोर वाले बयान पर उन्होंने कहा कि मेरे ऊपर टोटी चोर होने का आरोप लगाया गया, मेरे घर को गंगाजल से धुलवाया गया। भाजपा भले इस बात को भूल जाए, लेकिन मैं नहीं भूल सकता। उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी को जिम्मेदार ठहराया और कहा स्टिंग ऑपरेशन कराया गया, मैं इसे कभी नहीं भूलूंगा।

सेंसेक्स 8145667
निफ्टी 24950.50

सोना रु. 105751
प्रति 10 ग्रा. 24 कैरेट

अर्थ व्यापार

चांदी रु. 122900
प्रति किलो

शुरुआती तेजी के बाद सपाट बंद हुए शेयर

मुंबई, वार्ता

घरेलू शेयर बाजारों में शुक्रवार को शुरुआती तेजी और उसके बाद बड़ी गिरावट से गुजरते हुये प्रमुख सूचकांक अंत में सपाट बंद हुए।

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 7.25 अंक टूटकर 80,710.76 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक 6.70 अंक की मजबूती के साथ कारोबार की समाप्ति पर 24,741 अंक पर पहुंच गया। एफएमसीजी, आईटी और रियलिटी सेक्टरों पर काफी दबाव रहा। वहीं ऑटो, धातु और बैंकिंग सेक्टरों में तेजी रही। ऑटो कंपनियों में लिवाली से सेंसेक्स में महिंद्रा एंड महिंद्रा का शेयर 2.34 प्रतिशत और मारुति सुजुकी का 1.70 फीसदी की बढ़त में रहा। पावर ग्रिड (1.21 प्रतिशत) और रिलायंस इंडस्ट्रीज (1.11 प्रतिशत) में भी एक फीसदी से अधिक की तेजी रही। एफएमसीजी और आईटी पर दबाव के कारण आईटीसी का शेयर 2.01 प्रतिशत टूट गया, जबकि एचसीएल टेक्नोलॉजीज और टीसीएस में क्रमश: 1.55 फीसदी और 1.53 फीसदी की गिरावट रही। विदेशों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच सेंसेक्स 294.41 अंक की तेजी के साथ 81,012.42 अंक पर खुला और 81,036.56 अंक तक मजबूत हुआ, लेकिन एक घंटे के भीतर यह लाल निशान में चला गया। एक समय यह गत दिवस के मुकाबले करीब 400 अंक नीचे 80,321.19 अंक तक उतर गया था, लेकिन बाद में फिर सुधार देखा गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 84.55 अंक चढ़कर 24,818.85 अंक पर खुला। इसका ग्राफ भी कमोबेश सेंसेक्स जैसा ही रहा। यह ऊपर 24,832.35 अंक और नीचे 24,621.60 अंक तक गया। मझौली और छोटी कंपनियों में तेजी रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.14 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचक. ांक 0.19 प्रतिशत की बढ़त में बंद हुआ। बढ़त में रहने वाली अन्य कंपनियों में इटरनल, सनफार्मा, टाटा मोटर्स, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक और टाटा स्टील के शेयर भी हरे निशान में रहे। टेक महिंद्रा, इंफोसिस, हिंदुस्तान यूनीलिवर, एलएंडटी, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट और अडानी पोर्ट्स के शेयर लाल निशान में बंद हुये। एशियाई बाजारों में जापान की निक्केई 1.03 प्रतिशत, चीन का शंघाई कंपोजिट 1.24 प्रतिशत और हांगकांग का हैंगसेंग 1.43 प्रतिशत उछल गया। यूरोपीय बाजारों में शुरुआती कारोबार में जर्मनी का डैक्स 0.29 प्रतिशत और ब्रिटेन का एफटीएसई 0.27 फीसदी ऊपर कारोबार कर रहा था।

जीएसटी घटने से जूता कारोबारी खुश

आगरा। जीएसटी काउंसिल की बैठक में आगरा के फुटवियर कारोबार को काफी राहत मिली है। 2500 रुपए तक की कीमत के फुटवियर पर अब 12 फीसदी की बजाय सिर्फ पांच फीसदी जीएसटी लगेगी। आगरा में जूता कारोबारियों की ये मांग लंबे वक्त से मांग चली आ रही थी। आगरा के जूता कारोबारी इस कदम का स्वागत कर रहे हैं तो राज्य सभा सांसद रामजी लाल सुमन ने कहा है कि ये जनता के दबाव में हुआ है। शू फैक्टर फेडरेशन के अध्यक्ष विजय सामा ने सरकार के इस कदम का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि पिछले साल अगस्त से 12 से 5 फीसदी जीएसटी की मांग कर रहे थे। 2 सितम्बर 2024 में एक महासभा की थी, जिसमें 26 प्रांतों के कारोबारी शामिल हुए थे। महासभा में जीएसटी कम करने को लेकर चर्चा हुई थी। उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना से भी मुलाकात हुई थी उन्होंने जीएसटी कम करने का आश्वासन दिया था।

शिक्षकों को विश्व के सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों के रूप में मान्यता मिले: मुर्मू

नई दिल्ली, वार्ता

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को शिक्षक दिवस पर यहां एक समारोह में देश भर के शिक्षकों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किए। श्रीमती मुर्मू ने इस मौके पर कहा कि भोजन, वस्त्र और आवास की तरह शिक्षा भी व्यक्ति के सम्मान और सुरक्षा के लिए आवश्यक है। समझदार शिक्षक बच्चों में सम्मान और सुरक्षा की भावना पैदा करते हैं।

उन्होंने एक शिक्षक के रूप में अपने वक्त को याद किया और उस समय को अपने जीवन का एक बहुत ही सार्थक काल बताया। राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा व्यक्ति को सक्षम बनाती है। शिक्षा की शक्ति से गरीब से गरीब पृष्ठभूमि के बच्चे भी उन्नति के आसमान को छू सकते हैं। बच्चों की उड़ान को बल देने में स्नेही और समर्पित शिक्षक सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षकों का सबसे बड़ा पुरस्कार यही है कि उनके विद्यार्थी उन्हें जीवन भर याद रखें और परिवार, समाज और देश के लिए सराहनीय योगदान दें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों का चरित्र निर्माण एक शिक्षक का प्राथमिक कर्तव्य है। नैतिक आचरण का पालन करने वाले संवेदनशील, जिम्मेदार और समर्पित विद्यार्थी उन विद्यार्थियों से बेहतर होते हैं, जो केवल प्रतिस्पर्धा, किताबी ज्ञान और स्वार्थ में रुचि रखते हैं। एक अच्छे शिक्षक में भावनाएं और बुद्धि दोनों होती हैं।

प्रथम पृष्ठ के शेष...

मां-नंदा....

आसपास के ग्रामीण, हल्द्वानी, रामनगर काशीपुर, रुद्रपुर सहित अन्य शहरों से मां के भक्तों मां को विदा करने के लिए नैनीताल पहुंचे हुए हैं। और पूरा शहर मां नंदा सुनंदा के रंग में रंगा हुआ है। आयोजक श्री -राम सेवक सभा द्वारा भक्तों को प्रसाद वितरण किया जा रहा था। गाड़ियों में सवार मां के भक्तों द्वारा भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया। इस दौरान मां नंदा सुनंदा की शोभायात्रा में मेला अधिकारी एसडीएम केएन गोस्वामी, अधिशाषी अधिकारी रोहतांश शर्मा, विनोद जीना, एसपी क्राइम व यातायात डा. जगदीश चन्द्रा ने कंधा देकर आशीर्वाद लिया। इस दौरान महोत्सव राम सेवक सभा के अध्यक्ष मनोज साह, महासचिव जगदीश बवाड़ी, मुकेश जोशी मंटू,प्रो. ललित तिवारी, मिथिलेश पांडे, मोहित लाल साह, हरीश राणा, आयुष भंडारी, विक्रम राठौर विक्की, तेज सिंह नेगी समेत कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत, एडीएम विवेक राय, शैलेन्द्र नेगी, एसडीएम नवाजिश खालिक, मल्लीताल कोतवाल हरीश पंत, एसआई दीपक बिष्ट, तल्लीताल एसओ मनोज नयाल, समेत हजारों की तादाद में स्थानीय व दूर दराज से आए भक्त भी मौजूद रहे।

देश में बरसाती आफत...

इलाके यमुना नदी के पानी में डूब गए हैं। मॉनेस्ट्री मार्केट में दुकानों के सामने 2-2 फीट पानी भरा है। दुकानें बंद पड़ी हैं। हरियाणा के फरीदाबाद में बाढ़ का पानी आने से सड़क को जेस. ीबी मशीन से खोद दिया गया। ताकि पानी आसानी से दूसरी तरफ जा सके। हालांकि, सड़क खोदने से 13 गांव का रास्ता बंद हो गया है। हरियाणा के पंचकूला, हिसार, रोहतक और झज्जर में सभी स्कूल बंद हैं। फतेहाबाद, कुरुक्षेत्र, यमुनानगर और फरीदाबाद में भी कुछ स्कूल बंद कर दिए गए हैं। गुरुग्राम की सिग्नेचर ग्लोबल सलोरा सोसाइटी में गुरुवार को पानी भर गया। इससे महिलाएं और बच्चे घरों में कैद हो गए। राजस्थान के अजमेर में गुरुवार रात भारी बारिश के बाद बोराज तालाब की दीवार ढह गई।

इससे एक हजार से ज्यादा घरों में अचानक सैलाब आ गया। लोगों ने छतों पर जाकर जान बचाई। पानी का बहाव इतना तेज था कि कई गाड़ियां बह गईं। मकान क्षतिग्रस्त हो गए। देर रात तक लोगों को निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चला। पंजाब में बाढ़ में मरने वालों की संख्या गुरुवार को बढ़कर 43 हो गई। राज्य के 23 जिलों के 1,655 गांवों में 3.55 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। 1.71 लाख हेक्टेयर फसलें बर्बाद हो गई हैं। राज्य में अगले 5 दिन बारिश का कोई अलर्ट नहीं है। इससे बाढ़ से राहत मिल सकती है।

शाह टाइम्स क्लासीफाईड्स Sale

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

काम कोर्स उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहजमी जॉन्डिस, फैटी लीवर, एल्कोहलिक लिवर डिजीज आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहें फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

वैधानिक सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले पूरी जांच-पड़ताल कर लें तथा उचित सलाह ले लें। कोई भी अभिदाता जो इस अखबार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संदर्भ में कोई राशि भेजता है, किसी चिकित्सीय सलाह पर कोई कार्यवाही या खर्च करता है या कोई वचन देता है, तो ऐसा वह स्वविवेक, बुद्धि तथा जोखिम पर करेंगे। कम्पनी, प्रकाशक या उसका कोई कर्मचारी विज्ञापनदाता या उसके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देते तथा ऐसे विज्ञापनों विश्वास करके किसी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

राव नदीम एडवोकेट जिन्दाबाद
आवाम-ए-हिन्द पार्टी जिन्दाबाद
ऑल इण्डिया
आवाम-ए-हिन्द पार्टी
मिशन-2027
नया विजन-हमारा मिशन
हिन्दू-मुस्लिम साथ चलेगा,
एकता का राज चलेगा।

राव नदीम एड.
राष्ट्रीय अध्यक्ष
साथियों हक और इंसाफ के लिए अपनी आवाज बुलंद करने के लिए आवाम-ए-हिन्द पार्टी से जुड़कर राव नदीम एड. के हाथों को मजबूत करें।
Ph. 9027879829, 9411626066

हर शाखा में 5,000 नए खाते, 30 करोड़ डिपॉजिट अनिवार्य: डॉ. रावत

■ 1 अक्टूबर से शुरू होगा ऑनलाइन सदस्यता अभियान, सहकारिता मंत्री ने की विभाग की समीक्षा बैठक

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। उत्तराखंड के सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने लीड बैंक, उत्तराखंड राज्य सहकारी बैंक के अधिकारियों, प्रबंधकों, महाप्रबंधकों (जीएम), जिला प्रबंधकों (डीएम), और प्रबंध निदेशक (एमडी) के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। इस बैठक में बैंक की प्रगति, प्रदर्शन, और भविष्य की योजनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। देहरादून स्थित प्रादेशिक कोऑपरेटिव यूनियन के यूसीएफ भवन में डॉ. रावत ने सभी बैंक प्रबंधकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक शाखा में न्यूनतम 5,000 नए खाते खोलना अनिवार्य है। इसके साथ ही, प्रत्येक शाखा में कम से कम 30 करोड़ रुपये का डिपॉजिट सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि सभी शाखा प्रबंधक अपने निर्धारित लक्ष्यों को गंभीरता से लें और यदि कोई प्रबंधक इन लक्ष्यों को प्राप्त करने में असफल रहता है, तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सहकारिता मंत्री डॉ रावत ने घोषणा की कि 1 अक्टूबर 2025 से एक व्यापक ऑनलाइन सदस्यता अभियान शुरू किया जाएगा, जिसके तहत एक लाख नए सदस्यों को जोड़ा जाएगा। इस अभियान का उद्देश्य सहकारी बैंक की पहुंच को और व्यापक करना है। डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि उत्तराखंड राज्य सहकारी बैंक को और अधिक सशक्त और प्रभावी बनाने के लिए सभी स्तरों पर कड़ी मेहनत और समर्पण की आवश्यकता है।

उन्होंने सभी अधिकारियों और प्रबंधकों से एकजुट होकर कार्य करने और सहकारिता के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करने का आह्वान किया। सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि देहरादून में राज्य सहकारी बैंक की कॉर्पोरेट शाखा का नाम परिवर्तन किया जाए, क्योंकि वर्तमान में यह ष्कॉर्पोरेटष नाम के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है।

बैठक में जिला सहकारी बैंक टिहरी एवं हरिद्वार के पूर्व अध्यक्ष सुभाष रमोला एवं प्रदीप चौधरी,अपर निबंधक ईरा उप्रेती,प्रबंध निदेशक राज्य सहकारी बैंक प्रदीप मेहरोत्रा,जीएम आकांक्षा कंडारी एवं सुरेश नपच्याल,डीजीएम नाबार्ड भूपेंद्र कुमावत,तथा सभी जनपदों से आए शाखा प्रबंधक उपस्थित रहे।

नई शाखाओं के लिए कमेटी गठन का निर्देश

मंत्री डॉ. रावत ने उन शाखाओं, जो अनुपयुक्त स्थानों पर संचालित हो रही हैं, के स्थानांतरण के लिए एक कमेटी गठन करने का निर्देश दिया। यह कमेटी उपयुक्त स्थानों का चयन कर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी, जिसके आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

हानि में चल रही शाखाओं पर नाराजगी, सुधार के निर्देश

सहकारिता मंत्री ने हरिद्वार, गोपेश्वर, खटीमा, और बाजपुर की उन शाखाओं पर नाराजगी जताई, जो वर्तमान में हानि में चल रही हैं। उन्होंने इन शाखाओं को हर हाल में लाभ में लाने और इसके लिए एक ठोस कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अगली समीक्षा बैठक श्रीनगर में होगी, जिसमें सभी शाखाओं को अपनी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। कुल 15 ब्रांच हैं। चार के अलावा सभी ब्रांच प्रोफिट में हैं।

सामाजिक क्षेत्र में योगदान का आह्वान

डॉ. रावत ने उत्तराखंड राज्य सहकारी बैंक को सामाजिक दायित्व निभाने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि बैंक को स्कूल निर्माण जैसे सामाजिक कार्यों में सक्रिय योगदान देना चाहिए। उन्होंने सामाजिक क्षेत्र में रुचि लेकर कार्य करने और समाज के उत्थान में भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सभी शाखाओं को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सहकारी बैंक को अस्पतालों में एंबुलेंस के लिए भी काम करना चाहिए।

खर्च में कमी और एनपीए पर नियंत्रण के निर्देश

राज्य सहकारी बैंक के प्रबंध निदेशक श्री प्रदीप मेहरोत्रा ने सभी शाखाओं को खर्चों में कमी लाने, सुरक्षित ऋण प्रदान करने, डिपॉजिट बढ़ाने, और एनपीए को कम करने पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि एनपीए की वसूली और नियंत्रण पर विशेष कार्ययोजना बनाकर कार्य किया जाए।

उत्तरकाशी और काशीपुर शाखाओं की सराहना

बैठक में उत्तरकाशी शाखा के प्रबंधक इंद्रजीत सिंह ने बताया कि उनकी शाखा ने गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) की शत-प्रतिशत वसूली की है और वर्तमान में शाखा 36 लाख रुपये से अधिक के लाभ में है। इसी तरह, काशीपुर शाखा के प्रबंधक मनोज बिष्ट ने बताया कि उनकी शाखा ने इस वर्ष लाभ अर्जित किया है और बेहतर प्रदर्शन किया है।

करियर की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा कयाकिंग कोर्स: डॉ. विक्रम

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। राजकीय महाविद्यालय रुद्रप्रयाग के बैचलर ऑफ टूरिज्म मैनेजमेंट (बीटीएम) की छात्राओं ने टिहरी झील में आयोजित 14 दिवसीय महिला बेसिक व्हाइट वाटर कयाकिंग कोर्स में भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद की ओर से किया गया।

कोर्स में राज्य के विभिन्न जनपदों से कुल 20 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें से रुद्रप्रयाग महाविद्यालय की सात छात्राएं सम्मिलित थी। प्रतिभागियों में मेघा नेगी, अवंतिका, सानिया, प्राची बिष्ट, दीपिका बिष्ट, रिया और अंजली प्रमुख रहीं। पर्यटन विषय के सहायक प्राध्यापक एवं एडवेंचर विशेषज्ञ डॉ विक्रम वीर भारती ने बताया कि पर्यटन अध्ययन से जुड़े विद्यार्थियों के लिए इस प्रकार के साहसिक पाठ्यक्रम कौशल विकास को लेकर अत्यंत आवश्यक हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अशुतोष त्रिपाठी ने छात्राओं की उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण न केवल छात्राओं के आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं, बल्कि उनके उज्ज्वल करियर की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगे।

प्रशिक्षण के दौरान सभी प्रतिभागियों को भूपेंद्र सिंह, ऋषि राणा, प्रियंका राणा और आईटीबीपी अधिकारी जैसे जल क्रीड़ा विशेषज्ञों ने प्रशिक्षण प्रदान किया। समापन अवसर पर महिला प्रतिभागियों को जिलाधिकारी टिहरी गढ़वाल द्वारा भी उच्च प्रशंसा प्राप्त हुई। कयाकिंग कोर्स महाविद्यालय तथा रुद्रप्रयाग जिले के पर्यटन छात्रों के भविष्य को नई दिशा प्रदान करने वाला साबित होगा।

आपदा प्रभावित कृषकों को तुरंत राहत सरकार की पहली प्राथमिकता : जोशी

■ कृषि मंत्री ने की अतिवृष्टि के कारण किसानों की फसलों को हुए नुकसान की समीक्षा कहा - फसलों के नुकसान का नियमित रूप से सर्वेक्षण कर प्रतिदिन रिपोर्ट मंत्रालय को उपलब्ध कराई जाए

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। प्रदेश के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि फसलों के नुकसान का नियमित रूप से सर्वेक्षण कर प्रतिदिन रिपोर्ट मंत्रालय को उपलब्ध कराई जाए। कृषि मंत्री ने अधिकारियों से स्पष्ट कहा कि भारत सरकार के मानकों के अनुसार शीघ्र कागजी कार्यवाही पूरी कर किसानों को मुआवजा उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि आपदा से प्रभावित कृषकों को तुरंत राहत मिलना सरकार की पहली प्राथमिकता है।

प्रदेश के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने शुक्रवार को अपने कैंप कार्यालय में कृषि एवं उद्यान विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर अतिवृष्टि से किसानों की फसलों को हुए नुकसान की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने फसलों को हुए नुकसान की विस्तार से जानकारी ली।

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में अतिवृष्टि से औद्यानिक फसलों को 12,272.74 हेक्टेयर क्षेत्रफल में नुकसान हुआ है। इनमें से 33 प्रतिशत से अधिक क्षति श्रेणी में कुल क्षेत्रफल 4,797.49 हेक्टेयर दर्ज किया गया है, जिसमें सिंचित क्षेत्र 1,394.90 हेक्टेयर और असिंचित क्षेत्र 3,402.66 हेक्टेयर शामिल हैं। उत्तरकाशी जिले के भटवाड़ी विकासखंड के धराली ग्रामसभा में औद्यानिक फसलों की क्षति का क्षेत्रफल 6.10 हेक्टेयर दर्ज किया गया।इसी प्रकार कृषि फसलों को प्रदेश में 339.47 हेक्टेयर क्षेत्रफल में नुकसान हुआ है, जिनमें 33 प्रतिशत से अधिक क्षति की श्रेणी का क्षेत्रफल कुल 45 हेक्टेयर दर्ज किया गया। अधिकारियों ने बताया कि यह नुकसान भारत सरकार के आपदा मानकों के अनुसार 33 प्रतिशत से अधिक है और मुआवजा वितरण की श्रेणी में आता है। विभागीय अधिकारियों द्वारा यह भी बताया गया कि तराई क्षेत्र में जनपद हरिद्वार और उधमसिंह नगर के खटीमा में खेतों में जल भराव के कारण आंकलन नहीं हो पाया है जो शीघ्र ही किया जाएगा। कृषि मंत्री जोशी ने अधिकारियों को कहा कि प्रभावित किसानों को राहत पहुंचाने में किसी भी प्रकार की लाप. रवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार संकट की इस घड़ी में किसानों के साथ खड़ी है और शीघ्र ही मुआवजा वितरण की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

बैठक में कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक दिनेश कुमार और निदेशक बागवानी मिशन महेंद्र पाल उपस्थित रहे।

शैलेश मटियानी पुरस्कार के मानकों में परिवर्तन की जरूरत: सेमवाल

रुद्रप्रयाग। राजकीय शिक्षक संघ उत्तराखंड के पूर्व प्रान्तीय प्रवक्ता कालिका प्रसाद सेमवाल ने सरकार से मांग की कि शैलेश मटियानी पुरस्कार के वर्तमान मानकों में यथा शीघ्र परिवर्तन करें।उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में कुछ ऐसे शिक्षक भी यह पुरस्कार पा लेते हैं जो, मानक पूरा नहीं कर पा रहे हैं। सेमवाल ने स्पष्ट किया जब उन्होंने रुद्रप्रयाग जिले में सूचना अधिकार के तहत जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक से राज्यपाल व शैलेश मटियानी पुरस्कार के संबंध में सूचना मांगी तो उन्हें पहले सूचना ही नहीं दी गई तथा बाद में गलत सूचना दी गई। मजबूर होकर राज्य सूचना आयोग में अपील की। परिणाम स्वरूप राज्य सूचना आयोग ने उक्त अधिकारी पर पांच हजार रुपए का जुर्माना किया। शिक्षकों का पता लगाना चाहिए, जो शिक्षण में नवाचार व योग्य है

रेशम कीट बीज उत्पादन में आत्मनिर्भर बना उत्तराखण्ड : जोशी

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

■ कृषि मंत्री ने कहा - अब उत्तराखण्ड अन्य राज्यों को भी कीटबीज की आपूर्ति करने में सक्षम, राज्य अभितक कीट बीज उत्पादक के लिए भारत सरकार पर था निर्भर

देहरादून। कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि राज्य में रेशम कीट बीज उत्पादन कार्यों को गति देते हुए विभाग ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं।

गत वर्ष में विभाग द्वारा 312 मीट्रिक टन शहतूत कोया, 55,352 ओकटसर कोया तथा 10 हजार किग्रा एरी रेशम कोये का उत्पादन किया गया, जिससे लगभग 9 हजार कृषक परिवार लाभान्वित हुए।

उन्होंने बताया कि राज्य निर्माण से अब तक रेशम विभाग कीटबीज उत्पादन के लिए केन्द्रीय रेशम बोर्ड, भारत सरकार पर निर्भर था, जिस पर भारी धनराशि खर्च करनी पड़ती थी। लेकिन वर्तमान में विभाग ने बसंत फसल में ही 7 लाख डीएफएल्स का उत्पादन कर आत्मनिर्भरता प्राप्त कर ली है। अब उत्तराखण्ड अन्य राज्यों को भी कीटबीज की आपूर्ति करने में सक्षम है।

विभागीय मंत्री जोशी के निर्देशों पर विभाग द्वारा 13.91 करोड़ रुपये का प्रस्ताव केन्द्रीय रेशम बोर्ड को भेजा गया था। इस प्रस्ताव के अंतर्गत शहतूत एवं वन्या रेशम क्लस्टरों की स्थापना के मंजूरी मिल चुकी है।

अभी तक एक शहतूती और एक वन्या क्लस्टर के लिए 3 करोड़ रुपये का आवंटन प्राप्त हो चुका है, जबकि शेष 4 क्लस्टरों के लिए शीघ्र ही धनराशि उपलब्ध होगी। इन क्लस्टरों से प्रदेश के 450 परिवारों को रोजगार के अवसर मिलेंगे और किसानों की आय बढ़ेगी।

ग्रामीण उद्यम वेग वृद्धि परियोजना के अंतर्गत गत वर्ष 13 जनपदों में 300 महिला लाभार्थियों का चयन कर 90 हजार शहतूती पौधों का रोपण किया गया। इन लाभार्थियों को ककून क्राप्ट एवं रेशम धागाकरण का प्रशिक्षण देकर रेशम उत्पादन से जोड़ा जा रहा है।

जनपद पौड़ी के यमकेश्वर विकास खंड में देवभूमि रेशम किसान संगठन द्वारा 300 एकड़ भूमि पर शहतूत वृक्षारोपण किया गया है, जिससे 600 किसान रेशम कीटपालन से जुड़े हैं।

भविष्य में इस क्षेत्र में रेशम धागाकरण एवं वस्त्रोपादन कार्य भी प्रस्तावित है, जिससे स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर रोजगार मिलेगा।

उत्तराखण्ड को-ऑपरेटिव रेशम फेडरेशन के अंतर्गत ग्रोथ सेंटर सेलाकुई में तीन पावरलूम स्थापित कर प्रदेश में रेशमी साड़ियों का उत्पादन शुरू कर दिया गया है। वर्ष 2024-25 में 45 हजार मीटर वस्त्र का उत्पादन किया गया है। आगामी वर्ष 2025-26 में देहरादून में सिल्क मार्क ऑफ इंडिया के सहयोग से 'रेशम घर' की स्थापना प्रस्तावित है। साथ ही सितम्बर माह में देहरादून में सिल्क एक्सपो का आयोजन भी किया जाएगा।

भारत की विकास गाथा को आगे बढ़ाएगा जीएसटी का नया स्लैब : डॉ. गीता

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

■ फिक्की फ्लो उत्तराखंड चौप्टर चेयरपर्सन ने कहा -आम लोगों को मिलेगी बड़ी राहत, फिक्की फ्लो ने केंद्र सरकार के फैसलेपर खुशी जाहिर कर प्रधानमंत्री मोदी का आभार जताया

देहरादून। फिक्की फ्लो उत्तराखंड चौप्टर चेयरपर्सन डॉ गीता खन्ना ने कहा कि जिस तरह से केंद्र सरकार ने जीएसटी के लिए ऐतिहासिक कदम उठाया है ,इससे आम लोगों को काफी फायदा पहुंचाने जा रहा है। खासतौर से मिडिल क्लास के महिलाओं को भी इसका फायदा मिलेगा । केंद्र सरकार का फैसला ऐतिहासिक है ।आने वाले त्योहारों के सीजन में आम लोगों को इससे काफी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि जीएसटी में हालिया छूट से आम लोगों और उद्योगों दोनों को फायदा होने जा रहा है । उन्होंने कहा कि ये बदलाव 22 सितंबर 2025 से लागू होंगे।डॉ गीता खन्ना ने कहा कि आम लोगों को फायदा होगा। रोजमर्रा के सामान सस्ते हो जायेगे ।कई आवश्यक वस्तुओं पर जीएसटी दरें कम कर दी गई हैं, जिससे वे अधिक किफायती हो गई हैं।स्वास्थ्य सेवा में राहत मिलेगी। 33 जीवनरक्षक दवाएं और व्यक्तिगत स्वास्थ्य एवं जीवन बीमा अब जीएसटी मुक्त हो गए हैं। उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं पर जीएसटी दर 28 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी कर दी गई है, जो एक बड़ी राहत है।

चेयरपर्सन फिक्की फ्लो उत्तराखंड चौप्टर डॉ गीता खन्ना ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जिस तरह से आम लोगों को जीएसटी में छूट करके राहत पहुंचाने की निर्णय किया गया है यह सराहनीय है।त्योहारों से पहले राहत देने की कोशिश की गई है।ये कटौतियां त्योहारी सीजन से पहले उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देंगी। उन्होंने कहा कि

केंद्र सरकार द्वारा घोषित ऐतिहा. सिक जीएसटी सुधार का स्वागत किया है कर स्लैब को तर्कसंगत बनाने, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे आवश्यक क्षेत्रों को छूट देने तथा प्रमुख वस्तुओं और सेवाओं पर कर दरों को कम करने से यह सुधार सीधे तौर पर लोगों को लाभ पहुंचाएगाख्र घर-परिवार का खर्च घटेगा और जीवन व स्वास्थ्य बीमा और अधिक किफायती होगा।

उद्योगों के लिए, विशेषकर एमएसएमई और स्टार्टअप्स के लिए, सरल अनुपालन, तेज रिफंड और कम कर दरें परिचालन चुनौतियों को कम करेंगी, तरलता बढ़ाएँगी और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' का सशक्त माहौल तैयार करेंगी। महिलाओं के लिए यह सुधार विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैख्रसस्ती स्वास्थ्य सेवाएँ, शिक्षा, बीमा और रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुएँ उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाएँगी। साथ ही, महिला उद्यमियों और छोटे व्यवसायों को कर सरलीकरण और तरलता का लाभ मिलेगा, जिससे वे अपने व्यवसाय को और अधिक विस्तार दे सकेंगी। इस प्रकार जीएसटी 2.0 जन-हितैषी, उद्योग-हितैषी और महिला-हितैषी सुधार है जो उपभोक्ता विश्वास को मजबूत करेगा, महिलाओं और उद्यमियों को सशक्त बनाएगा और भारत की विकास गाथा को आगे बढ़ाएगा।

आपदा राहत अभियान से भी जुड़ेगा पीएम मोदी जन्म दिन सेवा पखवाड़ा

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून । भाजपा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन को सेवा पखवाड़ा कार्यक्रमों के साथ व्यापक स्वरूप में मनाने जा रही है। जिसमें पार्टी का प्रयास आपदा राहत अभियानों में सहयोगी बनने का होगा। कार्यक्रम मंडल स्तर पर स्वच्छता अभियान, विचार गोष्ठियां, जागरूकता रैलियां, स्वास्थ्य कैंप, प्रदर्शनी आदि कार्यक्रम जनसहभागिता के साथ आयोजित किए जाएंगे।

प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने जानकारी दी कि हर वर्ष की भांति प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन 17 सितम्बर को पार्टी सेवा पखवाड़े के माध्यम से मनाने जा रही है। जिसके अंतर्गत गांधी जयंती 2 अक्टूबर तक सेवा के विभिन्न कार्यक्रम जनसहभागिता से आयोजित किए जाएंगे। केंद्रीय नेतृत्व के निर्देशानुसार, राष्ट्रीय महामंत्री राधामोहन अग्रवाल के साथ वर्चुअल बैठक में कार्यक्रमों के स्वरूप को अंतिम रूप दे दिया गया है। जिसमें प्रदेशाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट और प्रदेश महामंत्री संगठन अजेय कुमार की उपस्थिति में कार्यक्रम प्रदेश टोली द्वारा सेवा पखवाड़े की योजना एवं रूपरेखा तैयार की गई।

बैठक में सभी सांसदगण, विधायकगण, प्रदेश पदाधिकारी, जिलाध्यक्ष, जिला प्रभारी, दायित्वधारी, मेयर, जिला पंचायत अध्यक्ष, प्रदेश मोर्चा अध्यक्ष व महामंत्री एवं सेवा पखवाड़ा की प्रदेश व जिला टोली के कार्यकर्ताओं ने शिरकत की । सेवा पखवाड़े के अंतर्गत, पीएम के जन्मदिन से स्वच्छता कार्यक्रम, चिकित्सा शि. विर, ब्लड डोनेशन कैंप, पीएम के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रदर्शनी, गोष्ठी, प्रबुद्ध सम्मेलन, खेल सांस्कृतिक सामाजिक आदि प्रतिभाओं का सम्मान, सांस्कृतिक कार्यक्रम, युवाओं से जुड़े इवेंट, विभिन्न समुदायों के सम्मेलन आदि कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

पीएम मोदी का जीवन और कृतित्व देश दुनिया को प्रेरणा देने वाला : भट्ट

इस संबंध में प्रदेशाध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा कि पीएम मोदी का जीवन और कृतित्व देश दुनिया को प्रेरणा देने वाला हैं। हमारा संगठन और कार्यकर्ता साल भर जनता के बीच सक्रिय रहते हैं। ऐसे में उनके जन्मदिन से आयोजित सेवा पखवाड़े के कार्यक्रम, हमें जनता के बीच अधिक सेवा करने का अवसर प्रदान करते हैं। वर्तमान समय में मानसून के चलते, राज्य में आपदा की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। लिहाजा हमारी कोशिश होगी कि संगठन द्वारा आयोजित पखवाड़े के सेवा कार्यक्रम, राहत अभियानों में सहयोगी बने। साथ ही केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं और कामों की जानकारी साझा की जाएगी।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाना ग्रामोत्थान का मुख्य उद्देश्य: भट्ट

रुद्रप्रयाग। ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना के अंतर्गत जिला परियोजना प्रबंधक ब्रह्मकांत भट्ट की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लक्ष्यों एवं अब तक की उपलब्धियों पर विस्तृत चर्चा की गई, जिसमें परियोजना से जुड़े ब्लॉक स्तरीय स्टाफ एवं क्लस्टर लेवल फेडरेशन के पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया। जिला परियोजना प्रबंधक ब्रह्मकांत भट्ट ने बताया कि ग्रामोत्थान परियोजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाना, महिलाओं को स्वावलंबी बनाना और आजीविका के नए अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने परियोजना के तहत चल रही विभिन्न गतिविधियों जैसे अल्ट्रा पुअर परिवारों के उत्थान, कृषि आधारित उद्यम, गैर-कृषि आधारित उद्यम, कलेक्शन सेंटर की स्थापना तथा शेयर होल्डर मॉडल पर विशेष जोर दिया।

यूपीइएस करा रहा राष्ट्रीय उद्यमिता प्रतियोगिता

■ विजेता टीम को मिलेगा एक लाख का नकद पुरस्कार कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों प्रतियोगिता में ले सकते है भाग

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। यूपीइएस ने अपने स्कूल ऑफ बिजनेस और रनवे इनक्यूबेटर के सहयोग से 'फ्यूचर फाउंडर्स चौलेंज 2025' की शुरुआत की है। यह एक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर की उद्यमिता प्रतियोगिता है, जिसका उद्देश्य कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों को नवाचार, समस्या-समाधान और उद्यमशील सोच के माध्यम से प्रेरित करना है। यह पहल यूपीइएस की 'यूनिवर्सिटी ऑफ टुमॉरो' की दृष्टि और 'स्टार्ट-अप यूनिवर्सिटी' के रूप में नवाचार-संस्कृति को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

साथ ही, यह 'स्टार्टअप इंडिया', 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' और 'अटल इनोवेशन मिशन' जैसे राष्ट्रीय अभियानों को भी समर्थन देती है। यूपीइएस ने पूरे भारत के स्कूलों से आह्वान किया है कि वे अपने सबसे रचनात्मक और नवाचारशील छात्रों को इस परिवर्तनकारी यात्रा के लिए नामित करें। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए कक्षा 9 से 12 तक के छात्र 2 या 3 छात्रों की टीमों में एक ही स्कूल से भाग ले सकते हैं। प्रत्येक टीम को एक अलग नाम के साथ एक यूनिक आइडिया प्रस्तुत करना होगा। एक स्कूल से कई टीमें नामांi. कत की जा सकती हैं।

28 सितंबर 2025 तक आवेदन किये जा सकते है, पंजीकरण प्रक्रिया 14 अगस्त से शुरू हो चुकी है। टीमों की घोषणा 1 अक्टूबर को होगी, जिसके बाद 6, 11 और 15 अक्टूबर को ऑनलाइन कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी।

टीमें 27 अक्टूबर तक अपनी अंतिम पिच डेक जमा करेंगी और 31 अक्टूबर को फाइनलिस्ट की सूची जारी की जाएगी। ग्रैंड फिनाले यूपीइएस कैंपस, देहरादून में आयोजित किया जाएगा। विजेता टीम को एक लाख का नकद पुरस्कार मिलेगा, उपविजेता को पचास हजार, इसके अलावा, उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम जोन से जोनल विजेताओं और रनर-अप्स को क्रमशः 50,000 और 25,000 की पुरस्कार राशि से सम्मानित किया जाएगा।

प्रो. राहुल नैनवाल, सीनियर डायरेक्टर, स्कूल ऑफ बिजनेस एवं सीईओ, रनवे इनक्यूबेटर ने कहा, "हम मानते हैं कि एंटरप्रेन्योरशिप केवल स्टार्टअप शुरू करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक ऐसी सोच है जो नवाचार, लचीलापन और समस्या-समाधान को बढ़ावा देती है। 'फ्यूचर फाउंडर्स चौलेंज' हमारे लिए एक माध्यम है जिससे हम युवा छात्रों को साहसी सोच, निर्णायक कदम और समाधान विकसित करने के लिए प्रेरित करना चाहते हैं।

उत्तराखंड आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित करे केंद्रः माहरा

■ करन माहरा ने मोदी को लिखा पत्र, केन्द्र सरकार दे उत्तराखंड राज्य को 10000 करोड़ रुपये का आपदा पैकेज आपदा पीड़ित प्रत्येक परिवारों को 10-10 लाख रुपये की सहायता दी जाए

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष करन माहरा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर उत्तराखंड राज्य में आई दैवीय आपदा के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है। पीएम मोदी को लिखे पत्र में माहरा ने कहा कि इस समय पूरा उत्तराखंड राज्य भीषण दैवीय आपदा से घिरा हुआ है।

राज्य में लगातार हो रही भारी बरसात से राज्य के सभी पर्वतीय जनपदों में जानमाल की भारी क्षति हुई है, सैकड़ों लोगों को असमय काल कल्वित होना पड़ा है। उत्तरकाशी के धराली, चमोली के थराली, जनपद बागेश्वर के कपकोट, जनपद पिथौरागढ़ के धारचूला, जनपद पौडी गढ़वाल के थलीसैण में बादल फटने की घटनाओं से आई विनाशकारी आपदा ने जन जीवन अस्त व्यस्त किया हुआ है।करन माहरा ने कांग्रेस पार्टी की ओर से मांग करते हुए कहा कि उत्तराखंड राज्य में आई दैवीय आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित किया जाए। केन्द्र सरकार की ओर से उत्तराखंड राज्य को शीघ्र 10000 करोड़ रूपये का आपदा पैकेज दिया जाय। आपदा पीड़ित प्रत्येक परिवारों को केन्द्र व राज्य सरकार की ओर से 10-10 लाख रूपये की तात्कालिक सहायता के रूप में दिया जाय। आपदा के चलते जिन लोगों के आवासीय मकान एवं व्यावसायिक भवनों को नुकसान हुआ है उनकी सम्पत्ति का आंकलन कर उचित मुआवजे का भुगतान किया जाय। आपदा से प्रभावित क्षेत्र के लोगों के विस्थापन के लिए उच्चाधिकार प्राप्त समिति गठित की जाय तथा प्रभावित क्षेत्र के लोगों का टिहरी बांध विस्थापितों की भांति सुरक्षित स्थानों पर एकमुश्त विस्थापन किया जाय।

ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का निरीक्षण, मशीनें सुरक्षित

■ जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल ने किया त्रैमासिक निरीक्षण, राजनैतिक दलों की मौजूदगी में हुई प्रक्रिया
सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद, सीसीटीवी व वीडियोग्राफी से रखी जा रही कड़ी निगरानी

शाह टाइम्स संवाददाता
नई टिहरी। जनपद में ईवीएम और वीवीपैट वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल की अध्यक्षता में किया गया। निरीक्षण के दौरान सभी मशीनें सुरक्षित अवस्था में पाई गई और यह सुनिश्चित किया गया कि वे सील लगे दरवाजों के भीतर सुरक्षित रखी गई हैं।
निरीक्षण प्रक्रिया को पारदर्शी बनाए रखने के लिए वेयरहाउस को राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों और पदाधिकारियों की मौजूदगी में खोला गया। निरीक्षण पूर्ण होने के बाद ताले और सील को यथावत बंद कर दिया गया। इस दौरान सुरक्षाकर्मी अपनी ड्यूटी पर तैनात मिले और सभी सीसीटीवी कैमरे भी सुचारु रूप से कार्यरत पाए गए। पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी कराई गई, जिस पर मौजूद राजनैतिक दलों के प्रति. निधियों ने संतोष और सहमति व्यक्त की।
निरीक्षण के दौरान सहायक निर्वाचन अधिकारी विजय तिवारी को निर्देश दिए गए कि बरसात के कारण कमरों में जगह-जगह हो रही लीकेज की समस्या का समाधान बरसात खत्म होते ही कराया जाए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि वेयरहाउस की सुरक्षा और संरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए छत पर जल्द ही वाटरप्रूफिंग का कार्य करवाया जाएगा।
इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी अवधेश कुमार, भाजपा प्रतिनिधि जयेंद्र पंवार, युवा कांग्रेस अध्यक्ष नवीन सेमवाल, बसपा प्रदेश सचिव सुशील पांडे समेत निर्वाचन विभाग से जुड़े अधिकारी जवाहर सिंह, देवेंद्र कुमार और मनोज भट्ट भी मौजूद रहे। निरीक्षण प्रक्रिया के दौरान सभी संबंधितों ने व्यवस्थाओं को संतोषजनक बताया और इसे पूरी तरह सुरक्षित व पारदर्शी करार दिया।

कोढदी-सिलारी मोटर मार्ग का हिस्सा धंसने से पांच परिवार संकट में

■ लगातार बारिश से सड़क धंसी, मकानों पर मंडराने लगा खतरा सामाजिक कार्यकर्ता ने प्रशासन से सुरक्षा और त्वरित कार्यवाही की मांग की

शाह टाइम्स संवाददाता
नई टिहरी। प्रतापनगर क्षेत्र की पट्टी रौणद रमोली में कोढदी-सिलारी मोटर मार्ग का लगभग 50 मीटर हिस्सा जमींदोज हो गया है। सड़क धंसने से नीचे बसे पांच परिवारों के मकान खतरे की जद में आ गए हैं, जिससे ग्रामीणों की नींद हराम हो गई है। स्थानीय लोग संभावित आपदा को लेकर गहरी चिंता व्यक्त कर रहे हैं।
क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता नारायण सिंह राणा ने शासन-प्रशासन और लोक निर्माण विभाग से प्रभावित क्षेत्र का मौके पर निरीक्षण करने और परिवारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की गुहार लगाई है। उन्होंने बताया कि रविवार से बुधवार तक लगातार हुई बारिश से सड़क का बड़ा हिस्सा भूधंसाव की चपेट में आ गया, जिसके कारण कोढदी गांव निवासी गुमट सिंह, भगवान सिंह, पूरण सिंह, सुरेश सिंह और प्रेम सिंह के मकान खतरे की जद में आ गए हैं। यहां तक कि भूधंसाव से निकला मलबा एक घर को नुकसान भी पहुंचा चुका है।
नारायण सिंह राणा ने कहा कि सड़क पर चौड़ी-चौड़ी दरारें पड़ चुकी हैं और तमजंपदपदह ूससे खिसकने लगी हैं, जो किसी बड़ी दुर्घटना का संकेत दे रही हैं। उन्होंने बताया कि लोक निर्माण विभाग को इस संबंध में अवगत करा दिया गया है, लेकिन अब तक कोई भी अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा है। उन्होंने मांग की कि प्रशासन और विभाग तुरंत प्रभावित मकानों और सड़क मार्ग का मौका मुआयना करें तथा क्षेत्र में सुरक्षात्मक कार्य शुरू किए जाएं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो यहां कभी भी बड़ी त्रासदी घट सकती है।

भूवैज्ञानिक व तहसील टीम करेगी संयुक्त निरीक्षण

■ 45 से अधिक मकान खतरे की जद में, ग्रामीणों को सुरक्षित स्थान पर भेजने की तैयारी
डीएम निकिता खंडेलवाल ने दिए त्वरित कार्रवाई और राहत व्यवस्था के निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता
नई टिहरी। प्रतापनगर विकासखंड का पोखरी गांव हाल की दैवीय आपदा से गंभीर रूप से प्रभावित हो गया है। गांव के लगभग 45 से 50 मकान खतरे की जद में आ चुके हैं और अब रहने योग्य नहीं रह गए हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने भूवैज्ञानिक और तहसील टीम को संयुक्त निरीक्षण कर रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए हैं।
जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष राकेश राणा ने बताया कि प्रभावित ग्रामीणों के साथ मिलकर जिलाधिकारी निकिता खंडेलवाल से मुलाकात की गई थी। उनसे आग्रह किया गया था कि गांव का वैज्ञानिक सर्वेक्षण कराया जाए और खतरे में पड़े परिवारों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया जाए।
डीएम ने त्वरित संज्ञान लेते हुए भूवैज्ञानिकों को स्थलीय निरीक्षण करने और तहसील प्रशासन प्रताप. नगर को तत्काल प्रभाव से संयुक्त रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि आपदा से किसी भी तरह की जनहानि न हो, इसके लिए एहतियाती कदम उठाना जरूरी है। ग्रामीणों की सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन ने उन्हें अस्थायी रूप से पर्यटन विभाग के सेम नागराजा मुखेम गेस्ट हाउस में शिफ्ट करने की व्यवस्था की है। इसके साथ ही जरूरत पड़ने पर प्रभावित परिवारों को फौरी राहत भी उपलब्ध कराई जाएगी।
गांव के लोग लगातार भय और असुरक्षा की स्थिति में जी रहे हैं। प्रशासन की इस पहल से उन्हें राहत की उम्मीद जगी है। अब सभी की निगाहें भूवैज्ञानिक और तहसील टीम की रिपोर्ट पर टिकी हैं, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई तय होगी।

टिहरी में इस बार भी भव्य रूप से मनाया जाएगा दशहरा

शाह टाइम्स संवाददाता
नई टिहरी। टिहरी सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति की बैठक में निर्णय लिया गया कि इस वर्ष 2 अक्तूबर को दशहरा पर्व भव्य रूप से मनाया जाएगा। समिति ने कहा कि दशहरा हिंदू धर्म का एक महत्वपूर्ण पर्व है और इसे बड़े उत्साह और परंपरागत श्रद्धा के साथ मनाना हर सनातनी का दायित्व है।
समिति के सचिव सुरम तोपवाल और उपाध्यक्ष विनीत उनियाल ने बताया कि पर्व के अवसर पर नगर क्षेत्र में भव्य झांकी निकाली जाएगी। इसके बाद बौराड़ी स्टेडियम में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा और अंत में रावण का पुतला दहन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि समिति हर वर्ष स्थानीय लोगों के सहयोग से दशहरा का आयोजन करती है और इस बार भी इसे यादगार बनाने के लिए विशेष तैयारियां की जा रही हैं।
उन्होंने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य न केवल परंपराओं को जीवंत रखना है, बल्कि समाज में बुराई पर अच्छाई की विजय के संदेश को भी प्रबल करना है। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए समिति ने विभिन्न स्तरों पर योजनाएं बनानी शुरू कर दी हैं।
बैठक में इंदर उनियाल, राहुल जखमोला, धनपाल तोपवाल, आशीष तोपवाल, आकाश नौडियाल और अश्विनी नौटियाल सहित कई सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने एकजुट होकर दशहरा पर्व को भव्य रूप से संपन्न कराने का संकल्प लिया।

एक नजर ....

गढ़वाल विवि के 14 शोध छात्र करेंगे बॉर्डर इलाकों का भ्रमण

श्रीनगर। गढ़वाल विश्वविद्यालय के शोध छात्र रणभूमि क्षेत्र भ्रमण के लिए जाएंगे।गढ़वाल विश्वविद्यालय व गढ़वाल राइफल्स के बीच एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 27 सितंबर को किया जाएगा। इस आयोजन से पूर्व गढ़वाल विश्वविद्यालय के चयनित शोध छात्र रणभूमि दर्शन के लिए गढ़वाल राइफल्स के जवानों के साथ रवाना होंगे। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. एमपीएस बिष्ट ने बताया कि यह विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए सुनहरा अवसर है कि शोध छात्र उन बॉर्डर इलाकों का भ्रमण करेंगे जहां जवान तैनात रहते हैं। कहा कि इसके लिए 14 शोध छात्रों का चयन किया गया है। ये शोध छात्र गढ़वाल विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में अलग अलग विषयों में शोध कर रहे हैं। बताया कि गढ़वाल विश्वविद्यालय व गढ़वाल राइफल्स के सामूहिक प्रयास से यह पहल शुरू हुई है। कहा कि शीघ्र ही मौसम खुलने के बाद भ्रमण पर निकलेंगे। प्रो. बिष्ट ने बताया कि रणभूमि क्षेत्र का भ्रमण करने के बाद छात्र अपने अनुभव 27 सितंबर को गढ़वाल विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय संगोष्ठी में साझा करेंगे।

गढ़वाल विवि शिक्षणेत्तर कर्मचारी सोमवार से कार्यबहिष्कार पर

श्रीनगर। गढ़वाल विवि के शिक्षणेत्तर कर्मचारी संघ सोमवार से कार्यबहिष्कार पर रहेंगे। बीते दिनों विवि के एक जलडीसी कर्मचारी के साथ कथित तौर पर मारपीट की घटना के विरोध में कर्मचारी संगठन ने यह फैसला लिया है। इस संबंध में संगठन की ओर से गढ़वाल विश्वविद्यालय के कुलसर्ि. चव को भी पत्र जारी किया गया है। गौरतलब हो कि 3 सितंबर को एक छात्रा के टीसी, माइग्रेशन सर्टिफिकेट उपलब्ध कराने के मामले को लेकर गढ़वाल विवि के कर्मचारी बुद्धि बल्लभ चमोली व पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष गौरव मोहन नेगी के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि इस दौरान पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष द्वारा कर्मचारी के साथ अभद्रता व मारपीट की गई। शिक्षणेत्तर कर्मचारी परिषद के अध्यक्ष देवेंद्र फर्स्वाण ने कहा कि घटना के बाद उन्होंने कुलसर्ि. चव कार्यालय पहुंच कार्यवाही की मांग की गई है।

एलयूसीसी में वित्तीय धोखाधड़ी का शिकार हुए पीड़ितों का धरना 61 दिन भी रहा जारी

कोटद्वार। एलयूसीसी में वित्तीय धोखाधड़ी का शिकार हुए पीड़ितों का धरना 61वें दिन भी जारी रहा । तहसील कोटद्वार में आयोजित धरने के दौरान पीड़ितों ने कंपनी संचालकों को और सरकार के खिलाफ नाराबाजी करते हुए रकम वापसी की मांग की लेकिन सरकार की ओर से अभी तक कोई भी सही जानकारी प्राप्त नहीं हुई जबकि सरकार ने सीबीआई जांच के लिए निर्देश दिए थे लेकिन उसकी जांच शुरू होने की कोई भी जानक. ारी हमें नहीं दी गई जबकि निवेशकों द्वारा पैसा वापसी को लेकर पीड़ितों एजेंटों के ऊपर भारी दबाव बनाया जा रहा है ।

डा. आर्य स्पर्श गंगा शिक्षाश्री पुरस्कार-2025 से नवाजी जायेगी

शाह टाइम्स संवाददाता
श्रीनगर। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय की जैव प्रौद्योगिकी (बायोटेक्नोलॉजी) विभाग की सह-आचार्य डा. ममता आर्य का चयन स्पर्श गंगा शिक्षाश्री पुरस्कार-2025 के लिए हुआ है। डा. ममता आर्य को यह पुरस्कार शिक्षा में नवाचार के लिए दिया जा रहा है। यह सम्मान उन्हें 17 दिसंबर को स्पर्श गंगा दिवस पर होने वाले कार्यक्रम में दिया जायेगा। शिक्षक दिवस पर हिमालयन एजुकेशनल रिसर्च एंड डेवलपमेंट सोसायटी (हड्र्स) अल्मोड़ा ने इस वर्ष के स्पर्श गंगा शिक्षाश्री पुरस्कार-2025 की घोषणा की है। यह सम्मान उन शिक्षकों और समाजसेवियों को दिया जाएगा, जिन्होंने शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण और समाजसेवा में उल्लेखनीय योगदान दिया है। यह संस्था पिछले पाँच वर्षों से इस पुरस्कार का आयोजन कर रही है। इस वर्ष नौ प्रेरणादायक शिक्षकों को स्पर्श गंगा शिक्षाश्री पुरस्कार-2025 से नवाजा जायेगा। सम्मान स्वरूप शिक्षकों को स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र और 11,000 रुपये की नकद राशि दी जाएगी, जबकि प्रशस्ति पत्र पाने वालों को स्मृति चिन्ह और प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा। डा. आर्य के स्पर्श गंगा शिक्षाश्री पुरस्कार-2025 सम्मान से नवाजे जाने की घोषणा पर गढ़वाल विवि कज अधिकारियों, शिक्षकों और छात्र-छात्राओं ने खुशी जाहिर की है।

ढिक्वालगांव पेयजल पंपिंग योजना पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त

शाह टाइम्स संवाददाता
श्रीनगर। विकासखंड खिर्सू के दर्जनों गांवों को पेयजल योजना से जोडने वाली ढिक्वालगांव पंपिंग योजना फरासू के पास पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो गई है। पेयजल योजना के क्षतिग्रस्त होने से खिर्सू ब्लाक के 107 गांवों में पेयजलापूर्ति पूर्ण रूप से बाधित रही। बताते चले कि बीते कुछ महिनों पहले अलकनंदा नदी का जल स्तर बढ़ने से ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर भूकटाव हो गया था। जिसके कारण ढिक्वालगांव पेयजल पंपिंग को जाने वाली मुख्य पाइप लाइन पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो गयी थी। जिसके बाद जल संस्थान द्वारा पेयजल लाइन को पहाड़ी को ओर शिफ्ट किया गया। जिसके बाद पेयजला आपूर्ति को सुचारू किया गया था, लेकिन एक बार फिर एनएच में भूधसाव और एनएच लोनिवि विभाग द्वारा फरासू के पास हाईवे चौड़ीकरण के चलते बोल्डर गिरने एक बार फिर मुख्य पाइप लाइन क्षतिग्रस्त हो गयी।
जिसके चलते खिर्सू ब्लॉक में ढिक्वालगांव पंपिंग पेयजल योजना से पानी की आपूर्ति नहीं हो सकी। जल संस्थान के अवर अभियंता आयुष कंडारी ने बताया कि फरासू के पास एनएच में भूधसाव के कारण और चौड़ीकरण के कार्य से ढिक्वालगांव पेयजल पंपिंग योजना कि मुख्य पाइप लाइन पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो गयी है। बताया कि पेयजल योजना से खिर्सू ब्लाक के 107 गांवों के लिए पेयजलापूर्ति होती है। बताया कि हालंकि पेयजल योजना के क्षतिग्रस्त होने से इतना असर नहीं पड़ा है। ग्रामीणों को प्राकृतिक स्रोतों से पेयजल उपलब्ध करवाया जा रहा है। बताया कि उज्जलवपूर, भैंसकोट, चौखाल,

फरासू के पास अलकनंदा नदी से हुए भूकटाव और हाईवे चौड़ीकरण के चलते ढिक्वालगांव पेयजल पंपिंग योजना की मुख्य पाइप लाइन पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हुई है। हालांकि खिर्सू ब्लाक में हाल ही में प्राकृतिक जल स्रोतों से पेयजल आपूर्ति हो रही है। बारिश के कारण दलदल बने होने के कारण मुख्य पेयजल लाइन को ठीक करने में समय लगेगा।ß अधीक्षण अभियंता, जल संस्थान पौड़ी।

चकवाली सहित आधा दर्जन गांवों में पेयजल स्रोत दूर होने से ग्रामीणों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बताया कि पेयजल लाइन को जोड़ने का कार्य किया जा रहा है।

5.43 ग्राम स्मैक के साथ तस्कर गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता
रुद्रप्रयाग। पुलिस ने चेंकिंग के दौरान एक व्यक्ति को 5.43 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है। वहीं, आरोपी को गत वर्ष भी स्मैक तस्करी के आरोप में पकड़ा गया था और न्यायालय से दण्डित भी हुआ है।
एसपी रुद्रप्रयाग अक्षय प्रलाहद कोंणे द्वारा दिये गए निर्देशों के क्रम में शुक्रवार को प्रभारी निरीक्षक कोतवाली मनोज नेगी के नेतृत्व में चेकिंग के दौरान कोतवाली रुद्रप्रयाग पुलिस द्वारा अखिलेश बगवाड़ी पुत्र मोहन बगवाड़ी निवासी ब्लॉक रोड अगस्त्यमुनि जनपद रुद्रप्रयाग को 5.43 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया गया। आरोपी के विरुद्ध कोतवाली रुद्रप्रयाग पर मु.अ.सं. 55/2025 धारा 8, 21 स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम (एन.डी.पी.एस. एक्ट) की सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार हुए व्यक्ति का आपराधिक इतिहास रहा है।
वर्ष 2024 में इसे रुद्रप्रयाग पुलिस ने 6.21 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किए जाने पर इसके विरुद्ध थाना अगस्त्यमुनि पर एनडीपीएस एक्ट का अभियोग पंजीकृत किया गया था। न्यायालय ने इस कृत्य के लिए दण्डित भी किया था, मगर पुन: इसके द्वारा वहीं आपराधिक कृत्य पुन: किया गया है। इसके अतिरिक्त थाना ऊखीमठ में मु.अ.सं. 34/2012 धारा 323, 325, 326, 458 आईपीसी, मु.अ.सं. 23/2013 धारा 18, 20 एन.डी.पी.एस. एक्ट, मु.अ.सं. 24/2013 60 एक्साइज एक्ट पंजीकृत होने के साथ ही उत्तर प्रदेश राज्य के थाना रामपुर पर मु.अ.सं. 4, 25 आर्म्स एक्ट का अभियोग हुआ है। कोतवाली निरीक्षक मनोज नेगी ने कहा कि जिले में नशे का कारोबार करने वाले लोगों की धरपकड़ अभियान लगातार जारी है। कहा कि नशे के कारण युवाओं का भविष्य बर्बाद किया जा रहा है। जिले के समाजिक संगठनों को इस अभियान से जुड़कर लोगों को जागरूक करना चाहिए। पुलिस टीम में इंस्पेक्टर मनोज नेगी, उपनि. रीक्षक जयवीर सिंह, चौकी प्रभारी घोलतीर समेत पुलिस टीम मौजूद थी।

जिलाधिकारी ने दिए निर्देश, अब विभागीय कार्यालयों की सफाई स्वयं के कार्मिक करेंगे

■ नगर पालिका परिषद पर निर्भरता खत्म, अधीनस्थ सफाई नायकों से कराई जाएगी साफ-सफाई
कार्यालयों में स्वच्छता व्यवस्था दुरुस्त रखने पर दिया जोर

शाह टाइम्स संवाददाता
नई टिहरी। जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल ने जनपद के सभी विभागाध्यक्षों और कार्यालयाध्यक्षों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने कार्यालयों एवं परिसरों की साफ-सफाई नगर पालिका परिषद के बजाय अपने अधीनस्थ सफाई कार्मिकों से ही सुनिश्चित कराएं।
उन्होंने कहा कि कई विभाग अपने कार्यालयों की सफाई के लिए नगर पालिका परिषद से सफाई नायक उपलब्ध कराने की मांग करते हैं, जबकि प्रत्येक कार्यालय में सफाई कर्मचारी पहले से ही तैनात हैं अथवा दैनिक मजदूरी पर रखे गए हैं। इसके बावजूद कार्यालय परिसरों में स्वच्छता का अभाव देखने को मिलता है, जिससे कार्यालय वातावरण भी प्रभावित होता है।
जिलाधिकारी ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि वे नियमित रूप से अपने कार्यालयों की साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करें और अधीनस्थ कार्मिकों के माध्यम से यह कार्य कराएं। साथ ही उन्होंने कहा कि अधिकारी स्वयं भी निरीक्षण करें और व्यवस्था के अनुश्रवण में लापरवाही न बरतें।उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि स्वच्छ और सुव्यवस्थित वातावरण से न केवल कार्यालय की कार्यक्षमता बढ़ती है, बल्कि आने वाले नागरिकों पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसलिए सभी विभागाध्यक्षों को अपने स्तर से साफ-सफाई की जिम्मेदारी निभानी होगी।

जिला पंचायत अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता
गोपेश्वर। जनपद चमोली में शुक्रवार को जिला पंचायत सभागार में जिला पंचायत अध्यक्ष दौलत सिंह बिष्ट, उपाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह सहित नव निर्वाचित जिला पंचायत सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह बड़े हर्षोल्लास और गरिमामयी वातावरण में आयोजित हुआ। समारोह का शुभारंभ सरस्वती विद्या मंदिर की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत कर किया गया। इसके उपरांत अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने सर्वप्रथम जिला पंचायत अध्यक्ष श्री दौलत सिंह बिष्ट को पद एवं गोप. नीयता की शपथ दिलाई। तत्पश्चात अध्यक्ष द्वारा उपाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह एवं सभी निर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई गई।
इस अवसर पर नव निर्वाचित जिला पंचायत सदस्य ढाक वार्ड से आयुषी , उर्गम से रमा देवी,सैजी से संतोषी , देवर खड़ोरा जय प्रकाश ,पिलंग से बिपिन फरस्वाण , सलना वार्ड दिव्या भारती , थालाबैंड से वीरेन्द्र सिंह, जाख वार्ड से रेखा देवी, सिमली से विक्रम सिंह , थिरपाक से सरोजनी देवी, भल्सो से बिसम्बरी देबी,मालसी से कामेश्वरी देवी,कोठा सुरेश कुमार, बछुवावाण से अनीता रावत , कोठली से साक्षी नेगी , छेकूड़ा से सुन्दर सिंह नेगी , विनायक वार्ड प्रदीप बुटोली,सुना से हरीश राम, चौंडा से कला देवी, हाटकल्याणी से उर्मिला बिष्ट ,सवाड़ से बलवीर राम तथा भेंटी वार्ड से महेन्द्र सिंह ने भी शपथ ली।
जिला पंचायत सभागार में हुए इस भव्य शपथ ग्रहण समारोह ने जनपद के विकास और जनहित कार्यों को गति प्रदान करने के लिए नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों के संकल्प को मजबूत किया। समारोह में उपस्थित जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों को शुभकामनाएँ दीं।
समारोह में उपाध्यक्ष बीकेटीसी विजय कपरवाण, विधायक भूपाल राम टम्टा, जिला अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी श्री गजपाल बर्तवाल, राज्य मंत्री वरिष्ठ नागरिक सम्मान परिषद हरक सिंह नेगी, मुख्य विकास अधिकारी डॉ अभिषेक त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत तेज सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि, मीडिया प्रति. निधि, अधिकारीगण एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

शिक्षकों ने शिक्षक दिवस पर विभिन्न मांगों के संबंध में निकाला मौन जूलूस

शाह टाइम्स संवाददाता
कोटद्वार । राजकीय शिक्षक संघ से जुड़े शिक्षकों ने शिक्षक दिवस के अवसर पर शुक्रवार को प्रांतीय नेतृत्व के आह्वान पर अपनी विभिन्न मांगों को लेकर जिलामंत्री विजेंद्र बिष्ट के नेतृत्व में लाल बत्ती चौक से तहसील तक मौन जुलूस निकाला। तहसील पहुंचकर जुलूस सभा में बदल गया। इस अवसर पर पूर्व जिलामंत्री मनमो. हन सिंह चौहान ने कहा कि आज शिक्षक दिवस के अवसर पर जहां आज शिक्षकों का सम्मान होना चाहिए था, वहीं शासन व विभागीय अधिकारियों के नकारात्मक रवैये के कारण शिक्षकों को अपने अधिकारों की लड़ाई के लिए सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर होना पड़ा। कहा कि प्रदेशभर में लगभग 90 प्रतिशत राजकीय विद्यालय प्रधानाचार्य विहीन है।
विद्यालय का वरिष्ठ शिक्षक ही प्रभारी प्रधानाचार्य सहित अपने विषय का शिक्षण, लिपिक यहां तक की चतुर्थ श्रेणी के कार्य कई दायित्वों का निर्वहन कर रहा है, जिससे शिक्षण कार्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। हालत यह है कि शिक्षक जिस पद पर नियुक्त हो रहे हैं उन्हें मायूस होकर उसी पद से सेवानिवृत होना पड़ रहा है। लंबे समय से दुर्गम में सेवाएं दे रहे शिक्षक स्थानांतरण के इंतजार में बैठे हैं। उक्त मांगों के लिए संगठन कई बार शासन व विभागीय अधिकारियों से वार्ता कर चुका है परंतु शासन के नकारात्मक रवैये के कारण शिक्षकों को आंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। चेतावनी दी कि यदि मांगों का शीघ्र कोई समाधान नहीं होता तो शिक्षक शिक्षण कार्य करते हुए गैर शैक्षणिक कार्यों का बहिष्कार करते रहेगें। तत्पश्चात सक्षम अधिकारियों के माध्यम से प्रशासन को ज्ञापन प्रेषित किया गया। मौन जुलूस में संजय रावत, विजेंद्र तोमर, नीरज कमल, पीएल बडोला, अब्बल सिंह रावत, गणेश पसबोला, पंकज ध्यानी, डबल सिंह रावत, कुलदीप सिंह नेगी, धीरेंद्र सिंह रावत, आशीष खर्कवाल, धर्मेंद्र नेगी, प्रमिला बिष्ट, चित्रा रावत, हरीश जोशी, सुरेंद्र रावत, युगजीत सेमवाल, संदीप बिष्ट, जगमोहन गुसाई सहित कई शिक्षक मौजूद रहे ।

16 शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को शैलेश मटियानी राज्य शैक्षिक पुरस्कार

राजभवन में राज्यपाल, मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री ने शिक्षकों को शैलेश मटियानी राज्य शैक्षिक पुरस्कार से किया सम्मानित, शिक्षक बच्चों में किताबें पढ़ने की आदत विकसित करें और उन्हें खेल, संस्कृति तथा रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ें - राज्यपाल

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून । शिक्षक दिवस के अवसर पर शुक्रवार को राजभवन में ''शैलेश मटियानी राज्य शैक्षिक पुरस्कार'' सम्मान समारोह आयोजित हुआ। समारोह में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि), मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने वर्ष-2024 में शैलेश मटियानी राज्य शैक्षिक पुरस्कारों के लिए चयनित 16 शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को सम्मानित किया। वर्ष-2024 में चयनित 09 प्रारम्भिक शिक्षक, 05 माध्यमिक शिक्षक, 01 शिक्षक प्रशिक्षक एवं 01 संस्कृत शिक्षक को यह सम्मान प्रदान किया गया है।

राज्यपाल ने पुरस्कार प्राप्त शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान पूरे शिक्षक समाज की मेहनत और तपस्या का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान देने वाले ही नहीं, बल्कि चरित्र, नैतिकता और जीवन मूल्यों के निर्माता होते हैं। राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार तक सीमित नहीं होना चाहिए, अध्यापक बच्चों को संस्कारवान, जिम्मेदार और राष्ट्रभक्त नागरिक बनाने में योगदान दें।

राज्यपाल ने कहा कि माता-पिता के बाद गुरु ही बच्चों के सच्चे मार्गदर्शक होते हैं और बच्चों का भविष्य सही दिशा में ले जाने में उनकी सबसे बड़ी भूमिका होती है। उन्होंने विश्वास जताया कि वर्ष 2047 तक भारत को विश्वगुरु बनाने में शिक्षकों का योगदान निर्णायक रहेगा। राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड शिक्षा का एक प्रमुख केन्द्र रहा है, इसलिए हमारी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि हम इस परंपरा को और मजबूत बनाएं।कार्यक्रम में सचिव विद्यालयी शिक्षा रविनाथ रामन ने सम्मान समारोह में उपस्थित लोगों का स्वागत किया और सम्मान समारोह की विस्तृत जानकारी दी। अपर सचिव विद्यालयी शिक्षा रंजना राजगुरु ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

बच्चों में किताबें पढ़ने की आदत विकसित करें शिक्षक : राज्यपाल

देहरादून। राज्यपाल ने कहा कि आज के इंटरनेट और सोशल मीडिया के दौर में बच्चों को भटकाव से बचाने, उनमें विवेक और सही जीवन-दृष्टि विकसित करने का कार्य भी शिक्षक ही कर सकते हैं। उन्होंने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे बच्चों में किताबें पढ़ने की आदत विकसित करें और उन्हें खेल, संस्कृति तथा रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ें।

विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और भविष्य को संवारने की शिक्षकों पर अहम जिम्मेदारी : सीएम

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अपने अनुभव, ज्ञान और परिश्रम से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और भविष्य को संवारने की शिक्षकों पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है। मुख्यमंत्री ने शैलेश मटियानी राज्य शैक्षिक उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त करने वाले शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि शैलेश मटियानी पहाड़ के दर्द और संवेदनाओं को गहराई से समझने वाले कथाकार थे। उन्होंने कथा-साहित्य के साथ-साथ गद्य और सामयिक चिंतन में भी अपनी गहरी छाप छोड़ी। शैलेश मटियानी ने भी अपनी कहानियों और उपन्यासों में उत्तराखण्ड के पर्वतीय इलाकों और ग्रामीणों के संघर्ष को शब्दों के माध्यम से पिरोया।

कार्यक्रम में स्वर्गीय शैलेश मटियानी के सुपुत्र राकेश मटियानी एवं गीता मटियानी, शिक्षा विभाग के अन्य उच्च अधिकारीगण और पुरस्कार प्राप्त करने वाले शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

पद्मश्री डॉ. संजय व डॉ. गौरव ने 45वें सिकॉट वर्ल्ड कांग्रेस में प्रस्तुत किए शोधपत्र

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। ऑर्थोपीडिक सर्जन पद्मश्री डॉ. बीके एस. संजय व डॉ. गौरव संजय ने 45वें सिकॉट ऑर्थोपीडिक वर्ल्ड कांग्रेस में अपने महत्वपूर्ण क्लीनिकल अध्ययन प्रस्तुत किए। यह प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 3 से 5 सितम्बर 2025 तक मैड्रिड, स्पेन में आयोजित हुआ। इस अवसर पर पिता-पुत्र की चिकित्सक जोड़ी ने उन गंभीर ऑर्थोपीडिक चुनौतियों पर प्रकाश डाला, जिनका सामना विकसित और विकासशील दोनों तरह की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं में किया जाता है। उन्होंने अपने व्यापक सर्जिकल अनुभव से प्राप्त निष्कर्ष सांझा करते हुए यह दर्शाया कि जटिल हड्डी-जोड़ संबंधी समस्याऐं, जैसे गंभीर घुटना फ्रैक्चर, सेरेब्रल पाल्सी से उत्पन्न स्थायी विकलांगता, टीबी एब्सेस और बढ़ती गठिया के लिए किफायती, नवाचारी और जीवन-परिवर्तनकारी समाधान संभव हैं। अपने शोधपत्र में पद्मश्री डॉ. बी. के. एस. संजय ने बताया कि मीडियल ओपन वेज हाई टिबियल ऑस्टियोटॉमी एक तकनीकी रूप से सरल और आर्थिक रूप से अत्यंत किफायती प्रक्रिया है। विशेषकर एशियाई देशों में, जहाँ दैनिक जीवन की गतिविधियों में पालथी मारकर बैठना और स्क्वाटिंग आवश्यक होते हैं, यह तकनीक अत्यंत उपयोगी सिद्ध होती है। वहीं, डॉ. गौरव संजय ने अपने शोधपत्र में बताया कि पर्क्यूटेनियस नेगेटिव सक्शन ड्रेनेज तकनीक एक सुरक्षित, सरल और प्रभावी विधि है, जो इंट्रा-आर्टिकुलर प्रॉक्सिमल टिबिया फ्रैक्चर के बाद होने वाली गंभीर जटिलता कंपार्टमेंट सिंड्रोम की आशंका को काफी हद तक कम करती है।

इसके अतिरिक्त, उन्होंने सेरेब्रल पाल्सी पर भी अपने अध्ययन निष्कर्ष साझा किए। उन्होंने बताया कि भारत जैसे विकासशील देशों में यह रोग सामाजिक-आर्थिक कारणों से अधिक पाया जाता है। जब डिफॉर्मिटी या कॉन्ट्रैक्चर रोगियों की दैनिक गतिविधियों में बाधा डालते हैं, तब शल्य-चिकित्सा आवश्यक हो जाती है। शोध से स्पष्ट हुआ कि युवा रोगियों में शल्य-चिकित्सा के परिणाम अधिक संतोषजनक रहे

नवनिर्वाचित अध्यक्ष, उपाध्यक्ष ने ली शपथ

देहरादून, अल्मोड़ा, पिथौरागढ, चमोली और रूद्रप्रयाग में आयोजित हुए शपथ ग्रहण समारोह

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। जिला पंचायत अध्यक्षों, उपाध्यक्षों और सदस्यों को शपथ दिलाने को देहरादून, अल्मोड़ा, पिथौरागढ, चमोली और रूद्रप्रयाग में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किये गये। अल्मोड़ा और पिथौरागढ़ में जिला पंचायत भवन परिसर में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया, जहा जिलाधिकारी ने जिला पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों को शपथ दिलाई। वहीं, देहरादून के गढ़ी कैंट स्थित हिमालयन सांस्कृतिक केंद्र सभागार मे जिला पंचायत के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह हुआ। देहरादून की नवनिर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्ष सुखविंदर कौर, उपाध्यक्ष अभिषेक सिंह और सदस्यों ने पद और गोपनीयता की शपथ ली। जिला पंचायत अध्यक्ष और उपाध्यक्ष को डीएम सविन बंसल ने जबकि सभी सात सदस्यों को जिला पंचायत अध्यक्ष ने शपथ दिलाई। इस दौरान कांग्रेस पार्टी के सभी दिग्गज नेता मौजूद रहे, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, पूर्व कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह, पूर्व मंत्री नवप्रभाम आदि शामिल रहे।

चमोली में शुक्रवार को जिला पंचायत सभागार में जिला पंचायत अध्यक्ष दौलत सिंह बिष्ट,उपाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह सहित नव निर्वाचित जिला पंचायत सदस्यों को जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

रुद्रप्रयाग में नव निर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम कठैत, उपाध्यक्ष रितु नेगी सहित 16 जिला पंचायत सदस्यों ने पद और गोपनीयता की शपथ ली। अध्यक्ष पूनम कठैत को अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा ने शपथ दिलाई, इसके बाद जिला पंचायत अध्यक्ष ने 15 सदस्यों को शपथ दिलाई। अल्मोड़ा में डीएम आलोक कुमार पांडे ने जिला पंचायत अध्यक्ष हेमा गैड़ा और उपाध्यक्ष सुरेंद्र नेगी को शपथ दिलाई।इसके अलावा पिथौरागढ़ में जिलाधिकारी विनोद गोस्वामी ने नवनिर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्ष जितेंद्र प्रसाद और उपाध्यक्ष दीपिका चुफाल को शपथ दिलाई।

ट्रूकॉलर ने कॉलर आईडी के मायने को बदल दिया

देहरादून। दुनिया भर में 450 मिलियन से ज्यादा एक्टिव यूजर्स की कम्युनिटी वाला ट्रूकॉलर, अब सिर्फ कॉलर आईडी की सेवा देने वाला माध्यम नहीं रह गया है; अब ये एक भरोसेमंद गाइड बन गया है, जो लोगों को बताता है कि कौन कॉल कर रहा है, और हर बार कॉल का मकसद क्या है। ट्रूकॉलर ने सिर्फ कॉलर का नाम दिखाने के बजाय, अब एआई की मदद से अपने यूजर्स को आने वाली कॉल्स के बारे में और भी गहराई से जानकारी देना शुरू कर दिया है। इसमें यूजर कमेंट्स की एआई समरी भी दी जाती है। यूजर्स को तुरंत मिलने वाली इस तरह की जानकारी एडवांस्ड एआई क्लासिफिकेशन मॉडल पर काम करती है और लाखों एक्टिव यूजर्स से रोजाना मिलने वाली रिपोर्ट से लगातार बेहतर होती रहती है, जिसमें संभावित धोखाधड़ी को पहचानना, स्पैम की पहचान करना और जानकारी देना शामिल है।

कांग्रेस ने वयोवृद्ध शिक्षकों को किया सम्मानित

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। शिक्षक दिवस के अवसर पर गुरुओं के प्रति आदर और श्रद्धाभाव प्रदर्शित करने का अलग तरीका अपनाते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संगठन सूर्यकांत धस्माना ने अपने महाविद्यालय के छात्र जीवन में अपने गुरु रहे गढ़वाल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति व डीएवी महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ. आईपी सक्सेना को उनके निवास स्थान तपोवन एंक्लेव पहुंच कर उनको शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं और शाल पहना कर व उपहार भेंट कर उनको सम्मानित किया।

धस्माना ने इस अवसर पर डीएवी के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. तायल और डॉ. सत्य नारायण सचान को भी सम्मानित किया।

इस अवसर पर धस्माना ने कहा कि 96 वर्ष की आयु में भी जिस प्रकार डॉक्टर इंदु प्रकाश सक्सेना अपना योगदान शिक्षण कार्यों और शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से दे रहे हैं यह आश्चर्यजनक भी है और अनुकरणीय भी।

उन्होंने कहा कि जब मैने डॉ. आईपी सक्सेना से आग्रह किया कि इस वर्ष शिक्षक दिवस पर आपके आवास पर आ कर आशीर्वाद लेना है आपको सम्मानित करना है, तो उन्होंने कहा कि आप आ सकते हो क्योंकि शिक्षक दिवस वाले दिन अवकाश है और मैं घर पर ही रहूंगा। इस अवसर पर उनके पुत्र डॉ. राहुल सक्सेना पुत्र वधु मोनिका सक्सेना,डॉ. एसएन सचान, डॉ. एचडी तायल, आनंद सिंह पुंडीर व अनुज दत्त शर्मा उपस्थित रहे।

जीएसटी की छूट से गृहणियों को मिलेगी राहत: आशा

कहा - आर्थिक तौर पर महिलाएं होंगी मजबूत, केंद्र सरकार का जीएसटी छूट पर जताया आभार

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। केंद्र सरकार ने जीएसटी में छूट देने का ऐतिहासिक निर्णय किया है, इससे महिलाओं को भी काफी राहत मिलने जा रही है।

रसोई के सामान सस्ते होंगे, गृहणियों को इसका सीधा फायदा पहुंचेगा। भाजपा महिला मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष आशा नौटियाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महिला सशक्तिकरण की दिशा में लगातार काम कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में जिस तरह से केंद्र सरकार ने जीएसटी में छूट करने का बड़ा फैसला किया है । इसे कामकाजी महिलाओं महिला उद्यमियों को भी बहुत फायदा पहुंचाने वाला है।

भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष आशा नौटियाल ने कहा कि छोटी व्यवसाय चलाने वाली महिलाएं जो डिजिटल लेनदेन के माध्यम से आय की घोषणा करती हैं, वे 8 फीसदी के बजाय केवल 6 फीसदी कर का भुगतान कर सकती हैं।

3 करोड़ तक की बढ़ी हुई टर्नओवर सीमा भी महिला उद्यमियों को वित्तीय स्वायत्तता और व्यवसाय वृद्धि को बढ़ावा देने में मदद करती है।आशा नौटियाल ने कहा कि गृहणियों को लाभ मिलेगा दूध, रोटी, पराठा, छेना और कुछ अन्य खाद्य पदार्थ जीएसटी-मुक्त हो गए हैं। इससे परिवार के मासिक बजट पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत स्वास्थ्य और जीवन बीमा पर अब कोई जीएसटी नहीं लगेगा। यह भारत में प्रति व्यक्ति स्वास्थ्य खर्च को कम कर सकता है और अधिक लोगों को स्वास्थ्य बीमा लेने के लिए प्रोत्साहित कर सकता हैभाजपा महिला मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष आशा नौटियाल का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महिला सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम उठाया है उत्तराखंड के दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं को भी इसका फायदा मिलेगा भाजपा महिला मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष आशा नौटियाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया है उनका कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत का संकल्प सिद्धि की तरफ बढ़ रहा है।

चतुर्वेदी ने कैबिनेट सचिव पर लगाया 'झूठे हलफनामे' का आरोप

एम्स भ्रष्टाचार मामले से जुड़ा है विवाद, आपराधिक कार्रवाई की मांग,नैनीताल हाईकोर्ट में 16 सितंबर को होगी सुनवाई

देहरादून। उत्तराखंड कैडर के चर्चित आइएफएस अधिकारी और मैग्सेसे पुरस्कार विजेता संजीव चतुर्वेदी ने अब केंद्र सरकार के शीर्ष नौकरशाह, कैबिनेट सचिव टी.वी. सोमनाथन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। चतुर्वेदी ने सोमनाथन पर नैनीताल हाईकोर्ट में झूठा शपथपत्र दाखिल करने और मानहानिकारक टिप्पणी करने का गंभीर आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की मांग की है। इस हाई-प्रोफाइल मामले में हाईकोर्ट ने सुनवाई के लिए 16 सितंबर की तारीख तय की है।यह पूरा विवाद संजीव चतुर्वेदी के एम्स दिल्ली में बतौर मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) रहते हुए शुरू की गई भ्रष्टाचार की कई जांचों से जुड़ा है।

शिक्षक ही राष्ट्र के निर्माता: जोशी

शिक्षक दिवस पर सम्मान समारोह में कैबिनेट मंत्री ने शिक्षकों को शॉल व स्मृति चिन्ह देकर किया सम्मानित

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि शिक्षक ही राष्ट्र निर्माता होते हैं। गुरु और शिष्य का संबंध अत्यंत पवित्र है, जो जीवनभर मार्गदर्शन देता है।

कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने शुक्रवार को देहरादून जीएमएस रोड़ स्थित सामुदायिक भवन इन्दिरापुरम में भारतीय जनता पार्टी सरदार पटेल मण्डल कैंट विधानसभा द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मंत्री जोशी ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को शॉल व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

अपने सम्बोधन में कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने भारत के पूर्व राष्ट्रपति और महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि वे एक महान दार्शनिक, शिक्षक और विचारक थे। उनके योगदान को सम्मान देने के लिए ही 5 सितम्बर का दिन शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि डॉ. राधाकृष्णन का जीवन हमें यह प्रेरणा देता है कि शिक्षा केवल ज्ञान का संग्रह नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक दिशा है।

उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का साधन नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को संस्कारित करने और समाज को नई दिशा देने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लागू की गई नई शिक्षा नीति विद्यार्थियों को रोजगारपरक और कौशल आधारित शिक्षा उपलब्ध कराती है।

इसके माध्यम से युवा आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभा पाएंगे। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि समाज और देश की प्रगति में शिक्षकों का योगदान सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे बच्चों को ज्ञान के साथ-साथ नैतिक मूल्यों, संस्कारों और राष्ट्रभक्ति की भावना से भी ओत-प्रोत करें। इस दौरान कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने अपने राजनीतिक गुरु स्वर्गीय हरबंस कपूर का भी स्मरण किया।

रूपवती देवी, नीरज मेहता, पदमा रतूड़ी, किरन, सलेक चंद, नीरजा पाण्डेय, सुदेश आनन्द, केएन सिंह आदि शिक्षकगणों को सम्मानित किया।

इस अवसर पर विधायक कैंट सविता कपूर, महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल, महानगर महामंत्री विजेंद्र थपलियाल, उपाध्यक्ष राजेंद्र ढिल्लो, मंडल अध्यक्ष आशीष शर्मा, मंडल महामंत्री मनोज कांबोज, शिक्षकगण सहित कई लोग उपस्थित रहे।

मातृ स्वास्थ्य में धामी सरकार की बड़ी उपलब्धि

मातृ मृत्यु अनुपात में 12.5 फीसदी की कमी

मुख्यमंत्री बोले, राज्य सरकार की समर्पित नीतियों, स्वास्थ्यकर्मियों के अथक प्रयासों और सामुदायिक सहभागिता का परिणाम

डॉ. आर. राजेश कुमार, सचिव स्वास्थ्य ने कहा - "मातृ स्वास्थ्य हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। राज्य ने मातृ स्वास्थ्य के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति दर्ज की है। भारत में मातृ मृत्यु पर विशेष बुलेटिन के अनुसार, उत्तराखण्ड का मातृ मृत्यु अनुपात 2020ख22 में 104 से घटकर 2021ख23 में 91 पर आ गया है। विगत वर्षों में 13 अंकों की कमी और मातृ मृत्यु में 12.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई है।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस उपलब्धि पर कहा कि यह राज्य सरकार की समर्पित नीतियों, स्वास्थ्यकर्मियों के अथक प्रयासों और सामुदायिक सहभागिता का परिणाम है। उन्होंने मातृ स्वास्थ्य को और मजबूत बनाने के लिए सतत प्रयास जारी रखने का संकल्प दोहराया।

इस अवसर पर डॉ. आर. राजेश कुमार, सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा उत्तराखण्ड शासन ने कहा कि "मातृ स्वास्थ्य हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। यह उपलब्धि हमारे समर्पित स्वास्थ्यकर्मियों, सरकारी संस्थानों और सामुदायिक भागीदारों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। हमारा दृढ़ संकल्प है कि मातृ मृत्यु दर को और कम किया जाए तथा प्रत्येक गर्भवती महिला को सुरक्षित और सम्मानजनक प्रसव सेवाएँ उपलब्ध कराई जाएँ।"स्वास्थ्य सचिव डॉ आर राजेश कुमार ने कहा यह उपलब्धि राज्य सरकार की मातृ स्वास्थ्य के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रमाण है। राज्य का लक्ष्य है कि कोई भी माँ रोके जा सकने वाले कारणों से जीवन न खोए और उत्तराखण्ड सुरक्षित मातृत्व का आदर्श राज्य बने।

मुख्य पहल एवं हस्तक्षेप

मातृ मृत्यु निगरानी एवं प्रतिक्रिया : प्रत्येक मातृ मृत्यु की समयबद्ध सूचना और गहन विश्लेषण के आधार पर त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई।

जन्म-तैयारी एवं जटिलता प्रबंधन : गर्भवती महिलाओं व परिवारों में जोखिम-चिन्हों की शीघ्र पहचान और आपात स्थितियों में तत्परता।

गुणवत्ता सुधार: लक्ष्य-प्रमाणित प्रसव कक्ष और मातृत्व ओटी के विस्तार से सुरक्षित, स्वच्छ और सम्मानजनक सेवाएँ।

पल्स एनीमिया मेगा अभियान: 57,000 से अधिक गर्भवती महिलाओं की हीमोग्लोबिन जाँच और स्थिति-विशिष्ट उपचार; दूसरे चरण में सामुदायिक स्तर पर व्यापक स्क्रीनिंग।

सामुदायिक सहभागिता: आशा, एएनएम और सीएचओ के नेटवर्क से अंतिम छोर तक एएनसी और पीएनसी सेवाओं की उपलब्धता।

जीएसटी कटौती से आम लोगों को मिलेगी राहत

देहरादून। त्योहारों से ठीक पहले केंद्र सरकार ने आम लोगों को बड़ी सौगात दी है। मकान बनाने की सबसे महंगी सामग्री यानी सीमेंट पर अब 28 फीसदी की जगह सिर्फ 18 प्रतिशत जीएसटी देना होगा। इतना ही नहीं, ईंट, रेत, संगमरमर और ग्रेनाइट जैसी दूसरी जरूरी सामग्रियों पर भी टैक्स 12 प्रतिशत से घटाकर 5 फीसदी कर दिया गया है। इससे घर बनाने और खरीदने का खर्च कम होगा। सिक्का ग्रुप के चेयरमैन, हरविंदर सिंह सिक्का का कहना है कि सरकार का यह निर्णय न सिर्फ रियल एस्टेट सेक्टर बल्कि पूरे निर्माण उद्योग के लिए राहत लेकर आया है। सुनील गोयल मैनेजिंग डायरेक्टर न्यूमैक्स रियल्कॉन व को फाउंडर ओमैक्स लिमिटेड कहते हैं कि सीमेंट पर जीएसटी में कटौती केवल आर्थिक राहत नहीं है, बल्कि यह भरोसा बढ़ाने वाला कदम है।

ईद-ए-मिलादुन्नबी: सत्य के मार्ग पर चलने का लिया संकल्प

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। ईद-ए-मिलादुन्नबी के मुबारक अवसर पर प्रदेश के कई शहरों में जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने प्रतिभाग किया और पैगंबर मौहम्मद साहब की ओर से दिखाये गये सत्य के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

देहरादून में जुलूस-ए-मोहम्मदी गोसिया मस्जिद से शुरू हो कर पटेल नगर, होते हुए रेंजर्स ग्राउड पहुंचा। इस दौरान जायरीनों का जगह-जगह स्वागत किया गया।

इस अवसर पर जन अधिकार पार्टी (ज.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष आजाद अली ने हरिद्वार जिलाध्यक्ष आलिम अंसारी के नेतृत्व में अलग-अलग स्थानों पर जुलूस-ए-मोहम्मदी में शामिल होकर यात्रा का शुभारंभ व जायरीनों का स्वागत किया।

दूसरी तरफ राष्ट्रीय अध्यक्ष आजाद अली ने देहरादून में जुलूस को झंडी दिखाकर कलियर शरीफ के लिए रवाना किया। इस मुबारक मौके पर बड़ी संख्या में लोगों ने शामिल होकर अमन, भाईचारे और इंसानियत का संदेश दिया।

इस मौके पर पीर सैयद अशरफ हुसैन कादरी नाएब सुन्नी शहर काजी देहरादून ने कहा कि मौहम्मद साहब ने मानवता का संदेश दिया है। गरीबों, यतीमों और कमजोंरो की सहायता करने और सबको बराबरी का अधिकार दिये जाने का संदेश दिया है।

इस मौके पर इम्तियाज अहमद, अंसार अहमद, रहीश अहमद, मो. नदीम, वसीम अहमद, इम्तियाज अली, मोहम्मद अलादीन, मोहम्मद खुर्शीद, मोहम्मद याकूब, फैजान, जावेद, इकराम, इम्तियाजुल, एडवोकेट रियाज, नवाब, अकरम, अयान व गुड्डू आदि उपस्थित रहे।

हरिद्वार नगर निगम की सख्ती खंभों से हटाए जा रहे अवैध तार

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। नगर निगम हरिद्वार ने शहर की सड़कों और खंभों पर फैले अवैध तारों के खिलाफ अभियान शुरू कर दिया है। निगम ने पहले ही सभी विभागों और कंपनियों को चेतावनी दी थी कि वे एक सितंबर से पहले अपने-अपने तार हटा लें, अन्यथा निगम कार्रवाई करेगा। इसी क्रम में नगर निगम ने शिवमूर्ति चौक से रेलवे स्टेशन तक लगे डिश टीवी और इंटरनेट फाइबर के तार हटाने की शुरुआत की है। नगर निगम अधिकारियों का कहना है कि बिना अनुमति लगाए गए इन केबलों से विद्युत व्यवस्था प्रभावित हो रही थी और दुर्घटनाओं की संभावना बनी रहती थी। कार्रवाई के दौरान निगम की टीम ने स्ट्रीट लाइट पोलों से बड़ी संख्या में अवैध तार हटाए।

नगर निगम हरिद्वार के एस.एन.ए. श्याम सुंदर दास ने स्पष्ट किया कि भविष्य में किसी भी प्रकार के तार, केबल अथवा उपकरण सार्वजनिक स्थलों पर बिना अनुमति लगाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिन इंटरनेट सेवा प्रदाताओं और केबल ऑपरेटरों ने अव्यवस्थित रूप से तार लगाए हैं, वे इन्हें तुरंत हटा लें, अन्यथा निगम खुद कार्रवाई करेगा।

रानीपुर विधानसभा में 47.56 करोड़ की कुम्भ निधि व राज्य योजना से विकास कार्यों को मिली स्वीकृति

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। रानीपुर विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को लेकर बड़ी सौगात मिली है। शासन ने बीएचईएल रानीपुर विधानसभा में राज्य योजना के अंतर्गत तीन सड़क निर्माण परियोजनाओं के लिए 225.35 लाख की वित्तीय और प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान कर दी है, जिसके लिए जीओ भी जारी कर दिया गया है। सड़क निर्माण हेतु 30,000 रुपये की टोकन राशि भी जारी की जा चुकी है। स्वीकृत कार्यों में सीतापुर रेलवे फाटक से गणेश विहार तक 0.75 किमी मार्ग का बीसी व नाली निर्माण, भेल सेक्टर-3 तिराहा से पीएसी गेट होते हुए बैरियर नंबर 8 सुभाष नगर तक 1.14 किमी मोटर मार्ग का सुधार तथा महादेवपुरम की 1.11 किमी आंतरिक सड़कों का इंटरलॉकिंग टाइल्स से निर्माण शामिल है। इन कार्यों की जिम्मेदारी लोक निर्माण विभाग को सौंपी गई है और टेंडर प्रक्रिया पूरी कर शीघ्र ही निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।

इससे पूर्व भी रानीपुर विधायक आदेश चौहान के प्रस्ताव पर कुंभ निधि से 45.31 करोड़ रुपये की चार स्थायी निर्माण परियोजनाओं को स्वीकृति मिल चुकी है। इनमें बहादराबादख्रसिडकुल फोरलेन मार्ग का चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण, सुभाष नगर पीएसीख्रशिवालिक नगर मार्ग पर रानीपुर रोह नदी पर आरसीसी पुल का निर्माण, धनौरीख्रसिडकुल लिंक मार्ग की मरम्मत तथा पथरी रौ नदी पर स्पान पुल का निर्माण कार्य शामिल हैं। इनमें से कुछ कार्यों की निविदा प्रक्रिया पहले ही आमंत्रित हो चुकी है।

विकास कार्यों की स्वीकृति पर विधायक आदेश चौहान ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार जताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री की विकासपरक सोच से ही क्षेत्र में तेजी से काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा शासनकाल में रानीपुर विधानसभा में विकास की नई गाथा लिखी जा रही है और सभी कार्य समयबद्ध तरीके से पूरे किए जाएंगे।

धीरेंद्र शास्त्री की पदयात्रा में शामिल होने की अपील

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। श्यामपुर कांगड़ी स्थित श्री श्याम बैकुंठ धाम के परमाध्यक्ष स्वामी श्याम सुंदर ने कहा कि बागेश्वर धाम के पीठाधीवर धीरेंद्र शास्त्री देश विदेश में सनातन धर्म संस्कृति के प्रचार प्रसार में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने बताया कि हिंदू एकता को मजबूत करने के लिए धीरेंद्र शास्त्री दिल्ली से वृन्दावन बांके बिहारी मंदिर तक विशाल पदयात्रा का आयोजन भी कर रहे हैं। पदयात्रा में शामिल होने का अनुरोध करते हुए स्वामी श्याम सुंदर ने कहा कि सनातन धर्म परंपराओं और हिंदू समाज की एकता को मजबूत करने के लिए आयोजित की जा रही पदयात्रा एक नया इतिहास रचेगी। दिगम्बर अनी अखाड़े के स्वामी डा. राजेश्वर दास ने संत समाज से 7 सितम्बर को दिल्ली पहुंचकर यात्रा में शामिल होने की अपील की।

दिल्ली रवाना होने को लेकर किसान एकता मजदूर मंच की बैठक

शाह टाइम्स संवाददाता

बहादराबाद। किसान एकता मजदूर मंच ने 17 सितंबर को हरकी पौड़ी से गंगाजल यात्रा दिल्ली के लिए रवाना होगी। इसको लेकर एक बैठक का आयोजन अलीपुर गांव में किया गया। भारतीय किसान यूनियन वेलफेयर किसान एकता मजदूर मंच के माध्यम से अलीपुर गांव में एक बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें किसानों की अन्य समस्याओं को लेकर काफी चर्चाएं हुई और किसान एकता मजदूर मंच किसान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने किसान मंच बनाया इसके उद्देश्य किसानों की लड़ाई सब मिलकर लड़ेंगे 17 सितंबर को हरकी पौड़ी से गंगाजल लेकर दिल्ली तक जाएंगे, जहां कई राष्ट्रीय किसान नेता बैठक में एकत्रित होंगे। हाई कोर्ट इलाहाबाद के तीन आदेश 14 दिन में गन्ने का पेमेंट होना चाहिए, स्मार्ट मीटर नहीं लगना चाहिए और गन्ना मूल्य बढ़ाना चाहिए। टोल फ्री या रोड टैक्स फ्री यह भी मांग रखी गई। बैठक में अध्यक्ष अवनीस पंवार, साजिद अली, सोमदत्त शर्मा, अखिलेश शर्मा अरुण शर्मा, विशु त्यागी, चौधरी, पवन चौहान, प्रियव्रत, जिला उपाध्यक्ष उदय त्यागी, विनोद शर्मा आदि किसान उपस्थित रहे।

हाईटक कम्प्यूटर इंस्टीट्यूट में शिक्षक दिवस धूमधाम से मनाया

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। हाईटक कम्प्यूटर इंस्टीट्यूट मौ. मैदानियान ज्वालापुर मे पूर्व राष्टपति सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन का जन्मदिन शिक्षक दिवस बडे ही धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीमति शिवानी पत्नी मनोज कुमार संस्थापक हाईटक कम्प्यूटर इंस्टीट्यूट एवं शिक्षक रिद्धिमा शर्मा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर श्रीमति शिवानी ने कहा कि शिक्षा के बिना समाज अधूरा है। शिक्षा ही समाज को सभ्य और शालीन बनाती है। उन्होने कहा कि "गुरु समान दाता नही, याचक शिष्य समान। तीन लोक की सम्पदा, सो गुरु दीन्हीमान"। इंस्टीट्यूट की शिक्षिका रिद्धिमा शर्मा ने शिक्षक दिवस के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि महान शिक्षाविद डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस पांच सितम्बर को शिक्षक दिवस के रूप मे मनाया जाता है। उन्होने बताया कि यदि समाज को सशक्त बनाना है तो शिक्षा को भी सशक्त बनाना होगा। शिक्षक समाज के पथ-प्रदर्शक होते है। शिक्षक बच्चो को शिक्षित करने के साथ-साथ अनुशासन श्रेष्ठ संस्कार और जीने की कला सिखाते है। इस अवसर पर विद्यार्थयो द्वारा अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। विद्यार्थियो ने शिक्षिका का पुष्प गुच्छ भेंट कर ओर उपहार देकर उनका सम्मान किया। कार्यक्रम मे मुख्य रूप से अंजू, डोली, प्रमोद कुमार, मनतशा, विकास, प्रियांशु, तरुण, दीपक, मुस्कान, इलमा, अंशिका, शमशुदा आदि उपस्थित हुए।

शिक्षक दिवस पर गुरुओं को किया सम्मान

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। जनपद के स्कूल कॉलेज व इंस्टीट्यूट में शिक्षक दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। विद्यार्थियों ने अपने गुरुओं को पुष्प गुच्छ ओर उपहार देकर सम्मान किया। शिक्षा दिवस पर अध्यापक व अध्यापिकाओं ने भी अपनी बात को बताते हुए कहा है कि शिक्षक दिवस हमारे पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिन के मौके पर मनाया जाता है इस दिन को खास बनाने के लिए स्कूल मे कॉलेज में स्लोगन स्पीच निबंध और पेयरिंग प्रतियोगिता भी होती हैं। वहीं पर कुछ शिक्षकों ने बाढ़ से प्रभावित लोगों के बारे में भी संवेदनाएं जताई है। उन्होंने कहा है कि हम अपने बच्चों को आगे चलकर बाढ़ से कैसे बचा सके इस तरह का अभी ज्ञान देना चाहते हैं। जैसे कही ना कहीं प्रकृति के साथ बहुत छेड़छाड़ की जा रही है, जैसे पेड़ो को काटा जा रहा हैं जो कभी हरी भरी जगह हुआ करती थी। वहा पर मैदान किया जा रहा हैं प्लॉटिंग ज्यादा हो रही हैं पेड़ बहुत कम लगाए जाते हैं ये बहुत ही निंदनीय है और ये बाढ़ आने के सबसे ज्यादा मुख्य कारक यही है तो हम अपने बच्चों को यह पढ़ाना और समझना चाहते हैं की प्रकृति के साथ छेड़छाड़ ना हो और हम जितना पेड़ लगाएंगे जितनी हरियाली होगी उतनी ही बाढ़ की संभावनाएं भी कम होगी।

चोरी के ट्रैक्टर समेत दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

बहादराबाद। ट्रैक्टर चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना बहादराबाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी किया गया ट्रैक्टर बरामद कर लिया है। बुधवार को रोहालकी किशनपुर निवासी जितेन्द्र कुमार ने ट्रैक्टर चोरी कर लिए जाने के संबंध में मुकदमा दर्ज कराया था। मुकद्मा दर्ज करने के बाद पुलिस टीम ने सुरागरसी करते हुए मुखबिर की सूचना पर चेकिंग के दौरान अन्नपूर्णा ढाबे के पास से आजम पुत्र रईस निवासी दादूपुर गोविन्दपुर को गिरफ्तार कर लिया और पूछताछ के बाद उसकी निशानदेही पर चोरी किया गया ट्रैक्टर बरामद कर लिया। पुलिस टीम में एसआई अमित नौटियाल, एसआई विजय प्रकाश, कांस्टेबल मनोज रतूड़ी, महेश्वर शामिल रहे।

शिक्षक दिवस पर प्रेस क्लब ने शिक्षकों को किया सम्मानित

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रेस क्लब में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में शिक्षकों को पटका पहनाकर सम्मानित किया गया। प्रेस क्लब अध्यक्ष धर्मेन्द्र चौधरी ने सभी को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि डिजिटल युग में शिक्षा का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। आज हर कोई ज्ञान और जानकारी पाने के लिए शिक्षक के पास नहीं जा रहा, बल्कि मोबाइल या कम्प्यूटर में गूगल सर्च कर रहा है। किताब से लेकर स्क्रीन तक की यह यात्रा ज्ञान तो दे रही है, लेकिन संस्कार और मानवीय मूल्य पीछे छूटते जा रहे हैं। ऐसे में शिक्षक का महत्व, दायित्व और भी बढ़ जाता है। ज्ञान के साथ संस्कार और संवेदनशीलता ही शिक्षक की सबसे बड़ी पहचान है। प्रेस क्लब महामंत्री एवं शिक्षक दीपक मिश्रा ने कहा कि हर साल 5 सितम्बर को मनाया जाने वाला राष्ट्रीय शिक्षक दिवस शिक्षकों के प्रति सम्मान व्यक्त करने का एक विशेष अवसर है। वरिष्ठ पत्रकार आदेश त्यागी ने कहा कि शिक्षक वही होता है, जो हमें पढ़ा रहे हैं, लेकिन जहां सीखने की बात आती है तो एक छोटा बच्चा भी कभी-कभी ज्ञान की बात सीखा जाता है। वरिष्ठ पत्रकार सुनीलदत्त पांडेय ने कहा कि शिक्षक के ही कंधे पर देश के भविष्य का जिम्मा होता है, वे देश के नागरिक को सफलता की बुलंदियों पर पहुंचाने का रास्ता दिखाने का काम करते हैं। साथ हीं उन्हें सही और गलत को परखने का तरीका भी बताते हैं।

इस अवसर पर सेवानिवृत्त शिक्षक डा.रजनीकांत शुक्ला, डा.सुशील उपाध्याय, डा.शिवा अग्रवाल, डा. रूपेश शर्मा, डा.योगेश योगी, डा. परविंदर कुमार, सुभाष कपिल, दीपक मिश्रा, दीपक नौटियाल, बालकृष्ण शास्त्री, संजीव शर्मा और सुदेश आर्य को पटका पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पूर्व प्रेस क्लब अध्यक्ष अमित शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार मनोज खन्ना, श्रवण कुमार झा, आशीष धीमान, जहांगीर मलिक, आशीष मिश्रा, एमएस नवाज, संजीव शर्मा, संजीव नैय्यर, शिप्रा अग्रवाल, सचिन सैनी समेत कई पत्रकार मौजूद रहे।

स्मैक समेत तस्कर को किया गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। थाना श्यामपुर पुलिस ने स्मैक समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल के निर्देश पर नशा सामग्री की तस्करी कर रहे तत्वों के खिलाफ की जा रही कार्यवाही के क्रम में थाना श्यामपुर पुलिस टीम ने चौकिंग के दौरान चौकी चण्डीघाट क्षेत्रान्तर्गत चिल्ला रोड फॉरेस्ट चेक पोस्ट के पास पुल पर नदीम पुत्र सलीम निवासी मोहल्ला माजरी थाना बहादराबाद को स्मैक सहित गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से 15 ग्राम स्मैक बरामद हुई है। आरोपी से पूछताछ में प्रकाश में आए स्मैक उपलब्ध कराने वाले व्यक्ति की पुलिस तलाश कर रही है। पुलिस टीम में एसआई देवेंद्र सिंह तोमर, हे.कां. कुलवीर, कां. अनिल रावत शामिल रहे।

अकीदत और जोश के साथ मनाया गया जश्ने ईद-ए-मिलादुन्नबी

जुलूस-ए-मोहम्मदी में गूंजे नारे, दरगाहों पर हुई चादरपोशी और अमन-चैन की दुआ

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब का यौमे पैदाइश शुक्रवार को पूरे शहर और देहात में अकीदत व जोश-ओ-खरोश के साथ मनाया गया। सुबह से ही मस्जिदों और मोहल्लों में रौनक का माहौल रहा। हाथों में परचम थामे अकीदतमंद जुलूस-ए-मोहम्मदी में शामिल हुए तो जगह-जगह से नारे गूंज उठे। जुमे की नमाज के बाद मंडी के कुआं स्थित दरगाह हजरत रोशन अली शाह से अंजुमन गुलामाने मुस्तफा सोसायटी के बैनर तले जुलूस निकला। जुलूस कटहरा बाजार, चौक बाजार, पुरानी अनाज मंडी और कोतवाली रोड से होते हुए कस्साबान पुलिया व विश्वकर्मा पुल पार कर हाईवे स्थित गढ़ी वाले पीर सैय्यद आमिर अली शाह की दरगाह पहुंचा। दरगाह पर चादरपोशी और फातिहा के साथ जुलूस संपन्न हुआ। रास्तेभर अकीदतमंदों का जगह-जगह स्वागत किया गया। फूल बरसाए गए और ताजगी भरे शरबत-लंगर का भी इंतजाम किया गया। गढ़ी वाले पीर की दरगाह पर हाफिज अब्दुल वाहिद ने मुल्क में अमन-चौन और खुशहाली की विशेष दुआ कराई। उन्होंने आपदा प्रभावित इलाकों और लोगों के लिए भी दुआ मांगी। कहा कि पैगंबर मोहम्मद साहब पूरी कायनात के लिए रहमत बनकर आए। उन्होंने मानवता, भाईचारे और जरूरतमंदों की मदद का पैगाम दिया। हमें उनकी तालीम को जिंदगी में उतारकर समाज के हर मजलूम और गरीब तक मदद पहुंचानी चाहिए। जगह जगह लंगर वितरण किए गए। जूलूस के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहे। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी लगातार गश्त करते रहे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने बताया कि जिलेभर में जुलूस-ए-मोहम्मदी के आयोजन शांतिपूर्ण और सकुशल संपन्न हुए। सभी जगहों पर सुरक्षा व्यवस्था सख्त रखी गई थी।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने ईद मिलादुन्नबी जुलूस का किया स्वागत

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा कार्यकर्ताओं ने प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी शहनवाज सलमानी के नेतृत्व में ईद मिलादुन नबी के जुलूस का भव्य स्वागत किया गया। ज्वालापुर के मोहल्ला हज्जाबान में आयोजित स्वागत कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता एवं समाजसेवी डा.विशाल गर्ग व शहनवाज सलमानी ने हाफिज वहीद साहब का फूलमाला पहनाकर स्वागत किया। शहनवाज सलमानी ने ईद मिलादुन्न नबी की बधाई देते हुए बताया कि इस्लामिक मान्यताओं के अनुसार रबि अव्वल महीने की 12 तारीख को पैगम्बर मोहम्मद साहब का जन्मोत्सव ईद मिलादुन्न नबी के रूप में मनाया जाता है। डा. विशाल गर्ग व मनोज गौतम ने बधाई देते हुए कहा है कि यह दिन एकता और प्रेम का संदेश देता है। गुलाम साबिर व नसीम सलमानी ने कहां कि आज के दिन मस्जिद और घर सजाए जाते हैं और मीठे पकवान बनाए जाते हैं। स्वागत करने वालों में गफ्फार सलमानी, नेकी मंसूरी, उमर सलमानी, रियासत साबरी, सरफराज सलमानी, हाजी जलालुद्दीन, मनोज गौतम, डा.विशाल गर्ग, शहनवाज सलमानी, गुलाम साबिर, नसीम सलमानी, आसिफ अब्बासी, मुख्तियार सलमानी, चांद मंसूरी, इरशाद मंसूरी, मंसूर सलमानी आदि शामिल रहे।

जीएसटी में ऐतिहासिक बदलाव, गरीब और मध्यम वर्ग को बड़ी राहत

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। राज्य मंत्री सुनील सैनी ने जीएसटी में किए गए बदलाव को ऐतिहासिक निर्णय बताया। उन्होंने कहा कि जीएसटी परिषद की बैठक में दरों में की गई कटौती से देश के गरीब और मध्यम वर्ग को सीधी राहत मिली है। मंत्री सैनी ने प्रधनमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह फैसला त्योहारों से पहले जनता के लिए एक बड़ा तोहफा है। अब 22 सितंबर से जीएसटी की नई प्रणाली लागू होगी, जिसमें केवल दो दरेंख्र5 और 18 प्रतिशत ही लागू रहेंगी। इससे 12 और 28 प्रतिशत की ऊंची दरें समाप्त हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि यह बदलाव खासकर उत्तराखंड जैसे पर्वतीय और छोटे राज्यों के लिए वरदान साबित होगा। देवभूमि की जनता अब अपनी खरीद क्षमता के अनुसार ज्यादा वस्तुएं खरीद सकेगी और जीवन स्तर को बेहतर बना पाएगी। राज्य मंत्री ने इसे भारत में महत्वपूर्ण कर सुधार की दिशा में बड़ा कदम बताया, जो वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने और उत्तराखंड के विकास को नई गति देने में सहायक होगा।

हरिद्वार में बढ़ता नशे का जाल, पुलिस कार्रवाई से उजागर हुआ नेटवर्क

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। कोतवाली ज्वालापुर क्षेत्र में पुलिस ने गांजे की तस्करी का बड़ा खुलासा किया है, लेकिन यह घटना साफ दिखाती है कि नशा माफिया किस कदर बेखौफ होकर देवभूमि में अपने पैर पसार रहे हैं। ANTF व ज्वालापुर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में स्विफ्ट डिजायर कार से गांजे की तस्करी करते हुए आरोपी मोनू शर्मा को पकड़ा गया। उसके कब्जे से 20 किलो से अधिक अवैध गांजा बरामद हुआ और तस्करी में प्रयुक्त कार को जब्त किया गया। पूछताछ में सामने आया कि इस कार का मालिक मुजफ्फरनगर निवासी रोहित धीमान है, जिसने आरोपी को कार भाड़े पर दी थी। यह खुलासा नशा तस्करों के आपसी नेटवर्क और उनके हौसलों की ऊँचाई को दर्शाता है।

पुलिस का दावा है कि यह कार्रवाई मुख्यमंत्री के ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन के तहत की गई है, लेकिन लगातार हो रही बरामदगियाँ इस बात पर भी सवाल खड़ा करती हैं कि आखिर नशा तस्कर इतनी आसानी से देवभूमि तक कैसे पहुँच रहे हैं। पकड़े गए आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर उसे अदालत में पेश किया गया है। सवाल यह है कि जब पुलिस कार्रवाई के बाद बार-बार इतने बड़े पैमाने पर नशा पकड़ा जा रहा है, तो आखिरकार इसका जड़ तक सफाया कब होगा? और कब देवभूमि सचमुच नशामुक्त बन पाएगी?

संत समाज ने ब्रह्मलीन साध्वी रामभजन माता को दी श्रद्धांजलि

समाज, अध्यात्म और सनातन धर्म संस्कृति को समर्पित रहा ब्रह्मलीन माता रामभजन का जीवन : रविंद्रपुरी

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। श्री गंगा भजन आश्रम भूपतवाला में म.मं. स्वामी अनंतानन्द के सानिध्य एवं अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद एवं मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी की अध्यक्षता में आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में सभी 13 अखाड़ों के संतों महंतों ने श्री गंगा भजन आश्रम की ब्रह्मलीन महंत 117वर्षीय साध्वी रामभजन माता को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए श्रीमहंत रविंद्रपुरी ने कहा कि ब्रह्मलीन साध्वी रामभजन माता का समूचा जीवन समाज, अध्यात्म और सनातन धर्म संस्कृति को समर्पित रहा। उन्होंने जीवन पर्यन्त समाज को धर्म और आध्यात्म के मार्ग अग्रसर कर सनातन संस्कृति को मजबूत करने में योगदान दिया। म.मं. स्वामी अनंतानन्द अपनी गुरु ब्रह्मलीन रामभजन माता के बताए मार्ग पर चलकर सनातन धर्म संस्कृति के प्रचार प्रसार में योगदान कर रहे हैं। निरंजनी अखाड़े के सचिव श्रीमहंत रामरतन गिरी ने कहा कि रामभजन माता का जीवन बेहद सरल और सहज था। विदेशी वैज्ञानिक इस पर शोध कर रहे है कि सौ वर्ष तक कैसे जिया जा सकता है। महामंडलेश्वर स्वामी अनंतानन्द ने कहा कि गुरु के बताए मार्ग का अनुसरण करते हुए समाज में धर्म और अध्यात्म का प्रचार तथा पूज्य गुरूदेव के अधूरे कार्यो को आगे बढ़ाना ही उनके जीवन का लक्ष्य है। श्रद्धांजलि सभा का संचालन आचार्य डा.हरिहरानंद शास्त्री ने किया। ब्रह्मलीन साध्वी रामभजन माता के पौत्र शिष्य दीप्तानन्द ने सभी संतो, महंतो का स्वागत किया। इस अवसर पर म.मं. चिदविलासानंद सरस्वती, म.मं. रामेश्वरानंद, म.मं. स्वामी ललितानंद गिरि, म.मं. प्रबोधानंद गिरि, म.मं. राममुनि, म.मं. सूर्य देव, हरिवल्लभ दास शास्त्री, श्रीमहंत विष्णुदास, बाबा हठयोगी, म.मं. गंगादास, आचार्य सुखदेव गिरि, महंत ओमप्रकाश शास्त्री, स्वामी कृष्णानंद, स्वामी सुतीक्ष्ण मुनि, महंत राम, सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने ब्रह्मलीन साध्वी रामभजन माता को श्रद्धांजलि अर्पित की।

हरिद्वार में समाचार व विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें :
सिटी कार्यालय दैनिक
शाह टाइम्स हरिद्वार
कमरा न. 103, द्वितीय तल, भगवती कॉम्पलेक्स, रानीपुर मोड, हरिद्वार
ब्यूरो चीफ/जिला प्रभारी
डी. एस. वर्मा
मो.: 9411100741

जश्ने ईद मिलादुन्नबी की खुशियां मातम में छाई

■ अचानक कासिम की हुई मौत, हर आंख हुई नम

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। रामनगर में जश्ने ईद मिलादुन्नबी के जुलूस के दौरान एक युवक की मौत हो गई। शुक्रवार को जश्ने ईद मिलादुन्नबी का जुलूस खुशी की बजाय मातम में तब्दील हो गया। दोस्तों के साथ जश्ने ईद मिलादुन्नबी की खुशियां मना रहे कासिम की तबियत बिगड़ गयी। आनन-फानन में सरकारी अस्पताल ले जाया गया, यहां चिकित्सकों ने उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। काशीपुर ले जाते समय कासिम ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया।

जानकारी के अनुसार ग्राम शक्तिनगर निवासी कासिम सैफी पुत्र मुशर्रफ सैफी 27 जश्ने ईद मिलादुन्नबी के जुलूस में शिरकत कर रहा था। इसी दौरान रानीखेत रोड के नजदीक अचानक उसकी हालत बिगड़ गए। आनन-फानन में रामनगर के संयुक्त चिकित्सालय ले जाया गया। यहां चिकित्सकों ने उसके हालत गंभीर देखते हुए हायर सेंटर रेफर करने की कार्यवाही की। काशीपुर अस्पताल ले जाते समय कासिम सैफी ने रास्ते में ही अंतिम सांस लेकर क्षेत्रवासियों व परिवार को अलविदा कह दिया। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ। कासिम की मौत के बाद रामनगर में शोक के लहर दौड़ पड़ी। कासिम के शव को देखने के बाद हर किसी की आंख नम हो गई। बताया जा रहा है कि डीजे की धमक से उसको दिल का दौरा पड़ा है, जिससे उसकी मौत हो गई है। वहीं उसी गांव के रहने वाले समाजसेवी जावेद खान ने बताया कि युवक शादीशुदा था और उसके दो बच्चे हैं। इस दौरान युवक के निधन पर पालिकाध्यक्ष हाजी मोहम्मद अकरम, जामा मस्जिद सदर शकील खान, शकील अहमद अंसारी, प्रधान हज्जन नरगिस, डॉक्टर जफर सैफी, शमीम अहमद, फैजुल हक आदि ने शोक जताया।

छात्रों द्वारा किए जा रहे आंदोलन को मिला व्यापक जन समर्थन

■ कॉलेज में स्नातक स्तर पर नए विषयों का सृजन एवं इसी सत्र से एमए की कक्षाएं शुरू करने की मांग का हर वर्ग के लोगों ने किया समर्थन

शाह टाइम्स संवाददाता

देवीधुरा। कुमाऊं के हृदय में बसे बाराही धाम देवीधुरा में आए दिनों यहां के आदर्श महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं द्वारा किए जा रहे आंदोलन की घर-घर में व्यापक चर्चाएं की जा रही है। आंदोलन को लेकर यहां का हर वर्ग उसमें आत्मसात कर चुका है उन्होंने छात्रों की मांगों को न्यायोचित ही नहीं व्यवहारिक भी बताया है। जिसमें महाविद्यालय होते हुए यदि उन्हे नए विषयों की पढ़ाई के लिए बाहर जाना पड़ा तो इससे बड़ा दुर्भाग्य और क्या हो सकता है।

आज यहां के व्यापारियों ने आंदोलन को अपना पूरा समर्थन देते हुए कहा कि यह छात्रों का नहीं बल्कि अभिभावकों का आंदोलन है। छात्र नेता सुदीप चमियाला एवं देवेंद्र भट्ट के नेतृत्व में शुरू हुआ यह आंदोलन अब जन आंदोलन में बदल गया है। जिससे समर्थन देने के लिए देवीधुरा से लगे हुए अल्मोड़ा व नैनीताल जिलों के लोग भी यहां आ रहे हैं। इस संबंध में भाजपा प्रवक्ता राजेश बिष्ट ने देहरादून में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भेंट कर उन्हें उनके द्वारा की गई घोषणाओं को याद दिलाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वहां नए विषयों को खोलने तथा एमए विषयों की कक्षाएं शुरू करना समय की आवश्यकता है जिस पर सरकार गंभीरता पूर्वक विचार कर रही है तथा इसके परिणाम शीघ्र आपके सामने आएंगे। यहां व्यापारी नेता चंदन बिष्ट, प्रवीण जोशी, बीबीसी सदस्य ईश्वर बिष्ट, विक्रम राणा, दीपक राणा उत्तम राणा, प्रकाश चमियाल, दीवान सिंह नेगी, हिमांशु जोशी, भगवान राम, मनोज बिष्ट, चेतन चम्याल, नरेंद्र बिष्ट, कैलाश जोशी, शोभन देऊपा, दिनेश जोशी एवं पृथ्वीराज सिंह ने कहा अब हम लोग भी जब तक मांगे पूरी नहीं होती है तब तक आंदोलन से जुड़े रहेंगे।

एक नजर

तथाकथित पत्रकार से परेशान लोग पहुंचे विधायक के दरबार

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। ग्राम मालधन क्षेत्र के लोगों ने विधायक दीवान सिंह बिष्ट को एक ज्ञापन सौंपा।

विधायक को दिए गए ज्ञापन में ग्रामीणों ने कहा कि मोहम्मद सलीम उर्फ साहिल पुत्र इदरीश ग्राम मो. हननगर मालधन चौड़ का वर्तमान में स्थाई निवासी हैं जो पूर्व में यूपी के ठाकुरद्वारा मलपुरा का निवासी था। यह व्यक्ति द्वारा ग्राम मोहननगर में राजस्व ग्राम की बंजर भूमि पर लगभग दो हजार स्क्वायर बंजर भूमि पर कब्जा कर पक्का मकान बना लिया गया है, जिसकी प्रति संलग्न है। उक्त व्यक्ति द्वारा मालधन के लोगों को तरह तरह से परेशान किया जा रहा है। उक्त व्यक्ति तमंचे के बल पर लोगों से उगाई करता है और विरोध करने वाले लोगों पर फर्जी आरोप लगाता है। अभी कुछ दिन पहले एक लकड़ी तस्करी का मामला भी इसका सामने आया था, जिसे बाद में संबंधित अधिकारियों द्वारा दबा दिया गया। अभी एक वन ग्राम की महिला से छेड़छाड़ का मामला भी न्यायालय रामनगर में विचाराधीन है। उस महिला को लगातार सलीम द्वारा धमकियां दी जा रही है और फैसला करने का दबाव बनाया जा रहा है। उक्त व्यक्ति अपने आप को पत्रकार बताता है और पत्रकारिता के नाम पर लोगों का तरह तरह से शोषण करता है। कभी कभी तो कोई एप्लीकेशन बनाकर किसी के नाम से बनाता है और फिर दो लोगों को आपस में लड़ा देता है और फिर पुलिस का भय दिखाकर पैसे लेता है। उक्त व्यक्ति को राजस्व विभाग कि भूमि से बेदखल कर उक्त व्यक्ति को यहां से हटाने की अपील की है। इस दौरान मोहम्मद बसीर, गौरव कुमार, कुलवंत सिंह, विक्रम सिंह, सुंदर सिंह, सुनीता कौर, करामत अली, पूजा, मंगल सिंह, रेशम सिंह आदि दर्जनों ग्रामीण मौजूद रहे।

अवैध वसूली और धमकाने समेत लगाए कई गंभीर आरोप

क्रॉस कंट्री रेस प्रतियोगिता की गई आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। लखनपुर स्पोर्ट्स क्लब रामनगर द्वारा क्लब के संस्थापक सदस्य भूपाल सिंह बंगारी की स्मृति में नशे से नाता तोड़ो खेलों से नाता जोड़ो, प्रकृति पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों में जन जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से विभिन्न वर्गों की क्रॉस कंट्री रेस प्रतियोगिता आयोजित की गई।जिसमें

क्रॉस कंट्री विजेता सीनियर पुरुष वर्ग 10 किलोमीटर में प्रथम पुरस्कार आकाशदीप,द्वितीय पुरस्कार अनिल मनराल,तृतीय पुरस्कार नीरज बिष्ट ने जीता है।सीनियर महिला वर्ग 6 किलोमीटर में प्रथम पुरस्कार हिना, द्वितीय पुरस्कार रिची महरा, तृतीय पुरस्कार अनिष्का एवं चतुर्थ पुरस्कार लक्ष्मी जोशी विजेता रही।

अंडर 15 बालक वर्ग 6 किमी में प्रथम पुरस्कार सौरभ सिंह रावत द्वितीय पुरस्कार शौर्य रावत, तृतीय पुरस्कार प्रशांत बिष्ट, चतुर्थ पुरस्कार, ध्रुव परोदिया विजेता रहे। अंडर 15 बालिका वर्ग 6 किमी में प्रथम पुरस्कार वर्षिता बिष्ट, द्वितीय पुरस्कार अवनी, तृतीय पुरस्कार पूनम को दिया गया।क्रॉस कंट्री रेस प्रतियोगिता के निर्णायक पूर्व कीड़ा जिला क्रीडा अधिकारी देवेंद्र भट्ट, फुटबॉल कोच जितेंद्र बिष्ट, अरविंद चौधरी रहे। विजेताओं को ब्लॉक प्रमुख मंजू नेगी, ज्येष्ठ उप प्रमुख संजय नेगी, महाव.िर रावत, सुरेश चंद्र पांडे, अतुल मेहरोत्रा, भुवन शर्मा, भूपेंद्र खाती, गणेश रावत, नवीन सुनेजा, सचिन कुमार, हंसी बंगारी ने विजेताओं को ट्रॉफी और नगद धनराशि देकर पुरस्कृत किया। इस अवसर पर आयोजन समिति के प्रभात ध्यानी, इंदर सिंह मनराल, देवेंद्र सिंह सेठी, नवीन नैथानी, नवीन तिवारी, चंद्रशेखर जोशी, चंद्रशेखर फुलारा,ललित मोहन जोशी, कैलाश जोशी, गोविंद सिंह बिष्ट,पुष्कर दुर्गापाल, डॉक्टर निशांत पपनै, गुलशन कुमार,नवेंदु जोशी, मोहन कांडपाल,हेमचंद्र पांडे,निर्मल तिवारी,गिरधर सिंह मनराल,गजेंद्र सिंह रावत ,नवीन टम्टा,दिगंबर बंगारी दीपक ध्यानी, रमेश बिष्ट, राकेश ध्यानी, गजेंद्र चौहान ,सोहन रावत,गोला सिंह बिष्ट, कमल जोशी, लालता श्रीवास्तव ,मोहन चंद्र तिवारी ,एल एम पांडे, मयंक मोहन आर्य, भवानी शंकर तिवारी, भारत बंधु रावत, ललिता रावत, कौशल्या, रोहित रूहेला, कैलाश जोशी गोविंद बिष्ट आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री से मिलकर मंहत रामनाथ महराज ने उणाया 'सर्व रक्षा कवच' एवं अखण्ड धुनी का प्रसाद दिया

शाह टाइम्स संवाददाता

चंपावत। विश्व प्रसिद्ध अनादि काल से जल रहे अखण्ड धुना गुरु गोरखनाथ समेत यहां के कण कण में विद्यमान भगवान शंकर के मंदिरों की ओर देश के पर्यटकों, धार्मिक पर्यटकों का इस ओर रुख कर एक नियोजित विकास की ओर हमारे कदम बढ़ रहे हैं। जब तक हमारा संकल्प पूरा नहीं होता है तब तक हम प्राचीन मंदिरों, मठों व धरोहरों का पुरातन स्वरूप यथावत रखते हुए उनकी भव्यता व दिव्यता के लिए कार्य करेंगे।

यह बात मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरु गोरखनाथ धाम के मंहत योगी रामनाथ का आशीर्वाद प्राप्त करते हुए कही। योगी जी ने धाम की ओर से मुख्यमंत्री को 'सर्व रक्षा कवच' उढाते हुए उन्हें यहां की अखंड धुना की विभूति का प्रसाद भी दिया। कहां सनातन, प्रकृति, संस्कृति व संस्कृत की रक्षा एवं मूल्यों का संवर्धन करने का जो प्रयास किया जा रहा है, इन्हीं कार्यों के लिए आशुतोष भगवान महादेव ने आपको निमित्त बनाया है। योगी रामनाथ ने उ.प्र. के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाराज के यहां आने के द्वार खोलने तथा उनकी इच्छा की पूर्ति के लिए गुरु गोरखनाथ मंदिर परिसर में हेलीपोट स्थापित करने, मंदिर में बड़ी धर्मशाला का निर्माण समेत कई बातों की ओर उनका

ध्यान आकर्षित किया गया। उनका कहना था कि प्रकृति ने गुरु गोरखनाथ जी को ऐसे स्थान में धाम स्थापित करने की प्रेरणा दी थी जहां आने पर व्यक्ति स्वयं को ईश्वरी सत्ता में अपने को खो देता है। मुख्यमंत्री ने मंहत जी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि मेरी राजनैतिक दूसरी पारी की शुरुआत हुई गुरु गोरखनाथ जी के पवित्र स्थल की माटी का तिलक लगाने के साथ ही शुरू हुई है। मैं वहां के मठ मंदिरों एवं तपों भूमि का ऋणी हूं जिन्हें आम लोगों का आशीर्वाद लेकर उन्हें भव्य व दिव्य बनाकर चुकाऊंगा। महंत रामनाथ जी के साथ गए तल्ला देश के प्रमुख नागरिक दिलीप सिंह महर, निर्मल सिंह, धर्मानंद भट्ट, अमन सिंह ने भी स्वागत किया तथा उनके द्वारा धर्म रक्षा तथा जनहित में किए जा रहे कार्यों के लिए बधाई दी।

जिला पंचायत सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

शाह टाइम्स संवाददाता

पिथौरागढ़। जिलाधिकारी विनोद गोस्वामी ने नवनिर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्ष जितेन्द्र प्रसाद एवं उपाध्यक्ष दीपिका चुफाल को विधायक डीडीहाट बिशन सिंह चुफाल, विधायक गंगोलीहाट फकीर राम टमटा, नगर निगम महापौर कल्पना देवलाल, भाजपा जिलाध्यक्ष गिरीश जोशी तथा पूर्व दर्जा राज्यमंत्री केदार जोशी की उपस्थिति में शपथ दिलाई। इसके उपरांत जिला पंचायत अध्यक्ष जितेन्द्र प्रसाद ने सभी नव निर्वाचित जिला पंचायत सदस्यों को शपथ दिलाई।

जिलाधिकारी ने समस्त सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए पिथौरागढ़ की जनता की बेहतरी के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया तथा स्थानीय लो.कतंत्र को और अधिक सशक्त बनाने की अपील की। उन्होंने सदस्यों से आह्वान किया कि वे विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा समाज के कमजोर तबके तक सरकारी योजनाओं के लाभ पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

विधायक डीडीहाट एवं विधायक गंगोलीहाट ने भी सभी सदस्यों को बधाई देते हुए पिथौरागढ़ के समग्र विकास हेतु एकजुट होकर कार्य करने की प्रेरणा दी। विधायक डीडीहाट के आशा जताई कि पिथौरागढ़ की भौगोलिक परिस्थितियों और सीमांत क्षेत्र की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए योजनाओं को प्राथमिकता के साथ धरातल पर उतारा जाएगा। इस अवसर पर उन्होंने समस्त सदस्यों और जनपद की जनता का धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि जनपद की जनता ने जो विश्वास जताया है, उसे पूरा करने के लिए वे सभी को साथ लेकर कार्य करेंगे ताकि पिथौरागढ़ जनपद उत्तराखण्ड ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण देश में एक आदर्श जनपद के रूप में उभरे।

कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी सदर मंजीत सिंह, जिला पंचायती राज अधिकारी हरीश आर्या, जिला विकास अधिकारी रामा गोस्वामी सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रति.निधि उपस्थित रहे।

शिक्षक उपाध्याय को मिला शैलेश मटियानी पुरस्कार

■ छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास में जीवन कर चुके समर्पित

शाह टाइम्स संवाददाता

चंपावत। छात्र-छात्राओं को विभिन्न मुकामों में सफलता दिलाने तथा अति विशिष्ट कार्यों के लिए शिक्षक प्रकाश चन्द्र उपाध्याय को राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी तथा शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत द्वारा राज्य के सर्वोच्च पुरस्कार शैलेश मटियानी उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार से राजभवन में सम्मानित किया गया।

पाटी के दुर्गम क्षेत्र कनारी-भुम्वाड़ी गांव के शिक्षक उपाध्याय को शैक्षिक उन्नयन एवं गुणात्मक सुधार के लिए यह पुरस्कार दिया जा रहा है, जिससे क्षेत्र के लोगों, जनप्रतिनिधियों में खुशी की लहर है। मालूम हो कि पांच चरणों में अत्यधिक कठिन मानकों पर आधारित चयनित प्रक्रिया को पूर्ण करने पर ही शिक्षकों को चयनित किया जाता है। बोर्ड परीक्षा में छात्रों के परिणाम, विभिन्न छात्रवृत्तियों में बच्चों के चयनित होने तथा राष्ट्रीय स्तर पर बच्चों को पहुंचाने आदि के आधार पर चयनित किए जाने के कारण पूरे राज्य में माध्यमिक स्तर के केवल पांच शिक्षकों को यह उत्कृष्ट पुरस्कार दिया जा रहा है। शैलेश मटियानी राज्य शैक्षिक उत्कृष्टता पुरस्कार राज्य का सर्वोच्च पुरस्कार है, जिसमें राज्यपाल द्वारा 21000 की धनराशि, सम्मान पत्र, मोमेंटो तथा दो वर्ष का सेवा विस्तार दिया जाता है। शिक्षक प्रकाश चन्द्र उपाध्याय निर्धन और अपवंचित छात्रों के लिए वर्षभर में मिलने वाले 14 आकस्मिक अवकाशों में से एक भी अवकाश नहीं लेते। इसके अलावा रविवार, शीतावकाश और अन्य अवकाश दिवसों में भी नियमित अध्यापन कार्य करते हैं, जिसके फलस्वरूप दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों ने बोर्ड परीक्षा में सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

शिक्षक उपाध्याय के उत्कृष्ट कार्यों को देखते हुए सूबे के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देवभूमि उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार, विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी ने उत्तराखंड गौरव रत्न पुरस्कार, शोध गुरु सम्मान, महानिदेशक एटीआई, महानिदेशक विद्यालयी शिक्षा, निद.ेशक आरआईई अजमेर, निदेशक एससीईआरटी, जिलाधिकारी चंपावत द्वारा तथा अन्य कई सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है तथा राज्य स्तर से राष्ट्रपति पुरस्कार हेतु चयनित किए गए। प्रमुख शिक्षाविदों तथा अभिभावकों का कहना है कि शिक्षक उपाध्याय जैसे शिक्षक को पुरस्कार मिलना स्वयं पुरस्कार का सम्मान है।

शिक्षक उपाध्याय के चयनित होने पर जिला पंचायत अध्यक्ष आनंद सिंह अधिकारी, विधायक खुशाल सिंह अधिकारी, मुख्यमंत्री प्रतिनिधि प्रकाश चन्द्र तिवारी, सीईओ मेहरबान सिंह बिष्ट, बीईओ भारत जोशी, घनश्याम भट्ट, नगर पालिका अध्यक्ष गोविंद वर्मा, ब्लॉक प्रमुख महेंद्र ढेक, लक्ष्मण सिंह लमगड़िया, भगीरथ भट्ट, प्रधानाचार्य संजीव पंत, प्रधानाचार्य खीमानंद पाण्डे, एसएमसी अध्यक्ष भावना देवी,पीटीए अध्यक्ष खुशाल सिंह तथा अभिभावकों ने खुशी जताते हुए इसे क्षेत्र के लिए एक अभूतपूर्व उपलब्धि बताया।

शानो शोकत के साथ निकाला गया जुलूसे मौहम्मदी

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। इस्लाम धर्म के प्रवर्तक हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिवस के उपलक्ष्य मे जश्ने ईद मिलादुन्नबी के मुबारक मौके पर हजारो मुस्लिम समाज के लोगों ने नगर में जुलूसे मौहम्मदी का जुलुस शानो शोकत के साथ निकाला गया। हुजुर की आमद मरहवा, आका का दामन नही छोडेगे, नारा ऐ तक्बीर अल्लाह हो अकबर के नारों से नगर की फिजायें गूंज उठी।

बता दें कि इस्लाम धर्म के प्रवर्तक हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु आलेहीवसल्लम का जन्म मक्का शहर में इस्लामिक कलेण्डर के रब्बिहुल महीने की 12 तारीख और अंग्रेजी कलेण्डर के अनुसार 22 अप्रैल सन् 571 को सोमवार की सुबह 4 बजकर 45 मिनट पर हुआ था।आपके दादा का नाम हजरत अब्दुल मुत्तलिब, पिता का नाम हजरत अब्दुल्ला, माता का नाम हजरत आमना था।हजरत मोहम्मद साहब 63 साल 4 दिन तक इस दुनियों में रहे जिसमे 53 वर्ष तक मक्का और बाकी समय मदीने में गुजारा था।अपने जीवन के 23 साल आपने पैगम्बरी की आपने इस्लाम के प्रचार व प्रसार के लिये काफी मेहनत की।लोगो को ईमान पर चलने, पडोसियो के साथ मिलजुलकर रहने, गरीबों व जानवरो पर दया करने, दहशतगर्दी से दूर रहने की शिक्षा दी।हुजूर की आमद की खुशी में रामनगर में शुक्रवार की सुबह साढ़े 8 बजे नज्जारान मस्जिद भवानीगंज से शुरू होकर जुलूस मौहल्ला गुलरघट्टी, बम्बाघेर, रानीखेत रोड, खताडी, मुख्य बाजार होते हुए जामा मस्जिद पर जाकर सामाप्त हुआ। जहां शहर पेश ईमाम मुफ्ती गुलाम मुस्तफा नईमी के द्वारा सभी मुस्लिम समाज के लोगों से हजरत मोहम्मद साहब के द्वारा बताये गये रास्तों और सुन्नतों पर चलने की बात कहते हुए मुल्क, कौम की तरक्की, अमन चैन व तरक्की के लिये दुआओ की गयी। इस मौके पर शहर पेश इमाम मुफ्ती गुलाम मुस्तफा नईमी, नायाब पेश इमाम हाफिज मुजफ्फर, मौलाना इसाफ मिस्वाही, मुफ्ती सलीम सैफी, मोलाना फारूख, कारी नाजिम, मोलाना नाजिम रजा, कारी नफीस, जुलूसे मौहम्मदी के सदर शकील खान, आला हजरत मस्जिद के सदर हाजी शकील अहमद अंसारी, सभासद शमीम अहमद, सलमान सलमानी, मोहम्मद अजमल, राजा सलमानी, फैजुल हक, ताईफ खान, वाकर रजा, दानिश सैफी, हाजी जुल्फुकार कुरैशी, डॉ जफर सैफी, नजाकत अली, आफाक कुरैशी, जाकिर हुसैन, इरफान सैफी, आरिश सिद्दीकी, जिशान कुरैशी, निजाम चौधरी, शहजाद हुसैन, अजीज खान, मोहम्मद शमी, चांद खान, फरमान अली, आदिल खान, जावेद खान, मो. हसिन खान, इदरीस अंसारी, सिराज अंसारी, यूसुफ कसार, वसीम रजा, सनव्वर कुरैशी, मोइन खान, आरिफ हुसैन,डॉक्टर अतीक वारसी, डॉक्टर रजा, डॉक्टर उमर सैफी, एडवोकेट नावेद सैफी, इस्लाम सिद्दीकी, अनीस आलम सहित बड़ी संख्या मुस्लिम समुदाय के लोग मौजूद रहे। बीते गुरुवार की रात नगर के मुस्लिम बाहुल्य इलाको में गलियो व सड़को को सजाया गया जिन्हे देखने के लिए देर रात्रि तक लोग घूमते रहे। जुलूस का विभिन्न कमेटियों, सामाजिक व राजनीति दलो के लोगों के द्वारा जगह-जगह जुलूस का स्वागत किया गया। पेयजल व खाने की सामाग्री की सबीले लगाकर बॉटी गयी। जुलूस की सुरक्षा की दृष्टि से एसडीएम प्रमोद कुमार, तहसलीदार मनीषा मरकाना, सीओ सुमित पाडे, कोतवाल अरूण कुमार सैनी के दिशा निर्देशन में सुरक्षा की दृष्टि से व्यापक इंतजाम रहे।

भाजपा नेताओं ने पेश की कौमी एकता की मिसाल

रामनगर। इस्लाम धर्म के प्रवर्तक हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आज मनाये गये बारह रवविउल के मौके पर निकाले गये जुलूसे मोहम्मदी का भाजपा नेताओ और कार्यकर्ता ने स्वागत करके कौमी एकता की मिसाल पेश की जिसकी मुस्लिम समुदाय के द्वारा प्रशंसा की गयी। पूर्व पालिकाध्यक्ष व भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य भगीरथलाल चौधरी, भाजपा नगराध्यक्ष भूपेंद्र खाती, पूर्व नगराध्यक्ष भावना भट्ट, पूर्व सांसद प्रतिनिधि नवीन करगेती, भाजपा नगर उपाध्यक्ष अंजना सुन्द्रियाल, पालिका सभासद पारस गोला, सचिन सचदेवा आदि के द्वारा शहर इमाम गुलाम मुस्तफा नईमी का माल्यापर्ण करके स्वागत किया व जुलसे मोहम्मदी में शामिल मुस्लिम समाज के लोगों ने इस त्योहार की मुबारकबाद दी गयी।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया जुलूस ए मोहम्मदी का स्वागत

रामनगर। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जुलूस ए मोहम्मदी का स्वागत किया।इस दौरान कांग्रेस नेता भुवन पांडे, कांग्रेस नगर अध्यक्ष भुवन शर्मा,युवा कांग्रेस नेता चांद खान, मोइन खान, नजाकत अली, अनीस आलम, अनीस अहमद मोबीन, एडवोकेट फईम चौधरी ,जावेद खान, शोएब राजा खुर्शीद आलम आदि मौजूद रहें।वही बसपाइयों के द्वारा भी जुलूसे मोहम्मदी में शहर पेश ईमाम का स्वागत किया गया ।मौके पर बसपा नेता विनोद अंजान, रोहित अंजान, अरमान, विकास, मिराज, जीवन आर्य, सिराज, शेखर, अमान आदि मौजूद रहे।

ग्राम पंचायत का विकास करना हमारा लक्ष्य: भुल्लर

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। ब्लॉक कार्यालय के सभागार में बीडीसी एवं ग्राम प्रधानों की बोर्ड की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें विद्युत विभाग एवं जल जीवन निगम की समस्याएं समस्याओं का मुद्दा छाया रहा। सभी क्षेत्र में चार सदस्यों और ग्राम प्रधानों ने अपने क्षेत्र की समस्याओं को रखा। ब्लॉक प्रमुख सुखमन कौर औलख ने संबोधित करते हुए कहा यह बोर्ड की पहली बैठक है इसमें समस्याओं को नोट कर लिया गया है जो अधिकारी मौके पर नहीं आए हैं और जो अधिकारी आकर चले गए हैं इन्हें कारण बताओं नोटिस जारी किए जाएंगे और जल्दी क्षेत्र पंचायत एवं ग्राम सभाओं की समस्याओं का निस्तारण किया जाएगा। उन्होंने कहा बाजपुर ब्लॉक को उत्तराखंड राज्य में पहले स्थान पर लाना है क्षेत्र पंचायत एवं ग्राम प्रधानों ने मिलकर विकास खंड की सभी ग्राम पंचायत का विकास करना है। विधायक ब्लॉक प्रतिनिधि जोरावर सिंह भुल्लर ने कहा मैं ब्लॉक प्रति.निधि हूं और आपका जो भी नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य से संबंधित एवं ब्लॉक से संबंधित कोई भी काम है आप मुझे लिख करके दीजिए मैं आपके काम करवाने का पूरा प्रयास करूंगा। विकास खंड में विकास कार्य तेजी के साथ कराए जाएंगे। यही हमारी पहली प्राथमिकता होगी।

पुरानी पेंशन बहाली को लेकर कर्मचारी/शिक्षकों ने किया प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। शिक्षक दिवस के अवसर पर पुरानी पेंशन बहाली मंच की पहल पर कर्मचारी शिक्षकों ने पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने की मांग की। संघ भवन फॉरेस्ट कंपाउंड में हुए धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कर्मचारी शिक्षक संगठन के प्रांतीय उपाध्यक्ष नवेंदु मठपाल ने कहा कि पुरानी पेंशन बुढ़ापे की सामाजिक,आर्थिक सुरक्षा है।उन्होंने कहा वर्ष 2004 में बाजपेयी सरकार के समय शुरू की गई थी।लेकिन नई पेंशन स्कीम किसी भी कर्मचारी शिक्षक के हित में नही है।इस पेंशन का इतना जबरदस्त दुष्परिणाम है कि अस्सी हजार रुपये मासिक वेतन पाने वाले कर्मचारियों को मात्र 2000 रुपये की पेंशन ही मिल रही है।मामला सिर्फ इतना ही नहीं है। सरकार ने जिस प्रकार कर्मिकों की जीपीएफ का हजारों करोड़ रुपया शेयर मार्केट में लगा दिया है। इससे स्थिति और भी बदतर हो गयी है।

प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष मनोज तिवारी ने कहा कि मोदी सरकार ने ओपीएस को पुन: लागू करने के बजाय यू पी एस लागू कर हमारे साथ धोखा किया है। सरकार द्वारा जिस प्रकार निजीकरण की नीतियों को तेज करते बैंक,रेलवे सबका निजीकरण करने पर तुली है।यह देश के लिए खतरनाक है।पचास बर्ष से ऊपर के कार्मिकों को जिस प्रकार जबरदस्ती रिटायरमेंट देने पर तुली है इससे स्थिति और भी भयावह हो जाएगी।सरकारी पदों को समाप्त कर रोजगार के अवसरों को समाप्त किया जा रहा है। माध्यमिक शिक्षक संघ के हेम पांडे ने सभी से एकजुट होने की अपील की।

राजकीय शिक्षक संघ के वर्तमान में चल रहे आंदोलन के प्रति भी समर्थन व्यक्त करते हुए सरकार से मांग की गई कि प्रधानाचार्य सीधी भर्ती रद्द की जाय,सभी स्तरों की पदोन्नति सूची जारी की जाय, स्थानांतरण किए जाएं। इस मौके पर नवेंदु मठपाल,मनोज तिवारी, डा नंदन बिष्ट,प्रकाश चंद्र फुलेरिया,नंदराम आर्य, खीमसिंह रजवार,देवेंद्र बिष्ट, सुभाष गोला, हेम पांडे, देवेंद्र भाकुनी,जीवन बिष्ट आदि मौजूद रहे।

हल्द्वानी में शान-ओ-शौकत से निकला जुलूस-ए-मोहम्मदी

जुलूस में दुपहिया वाहनों पर रही पाबंदी, बाढ़ प्रभावित पंजाब के लिए विशेष दुआ

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। मुस्लिम एक्शन कमेटी तथा जुलूस इंतज़ामिया कमेटी के तत्वाधान में हल्द्वानी में रहमत उल आलमीन, इस्लाम के सबसे आला पैग़म्बर हज़रत मोहम्मद साहब के यौमे पैदाइश के मौके पर निकाला गया जुलूस-ए-मोहम्मदी न सिर्फ यादगार बल्कि एतिहासिक रहा। जुलूस-ए-मोहम्मदी बनभूलपुरा तथा बाज़ार क्षेत्र के निर्धारित मार्गों पर शान-ओ-शौकत के साथ निकाला गया। इस वर्ष के जुलूस की खास बात यह रही कि दोपहिया वाहनों पर पाबंदी की अपील कामयाब रही और लोगों ने नबी की शान में पैदल जुलूस में शिरकत की। 'नो टू व्हीलर मिशन' कामयाब रहा। जुलूस में शामिल लोगों के लिए जगह-जगह लोगों ने लंगर का भी एहतमाम किया। इंतज़ामिया कमेटी के नुमाइंदों ने पूरे जुलूस की व्यवस्था सम्हाली और उसे समय पर मुकम्मल कराने में अहम भूमिका निभाई। जुलूस के समापन पर उलेमाओं ने देश-दुनिया में अमन चैन की दुआ कराई। बाढ़ प्रभावित पंजाब के लिए विशेष दुआ की गयी। शुक्रवार होने की वजह से जुलूस-ए-मोहम्मदी सुबह करीब 7 बजे लाइन नंबर 17 स्थित मुजाहिद चौक से प्रारंभ हुआ। मुस्लिम एक्शन कमेटी के कन्वीनर इंतज़ार हुसैन ने हरी झंडी दिखाई। मुजाहिद चौक से जुलूस इंदिरानगर पहुंचा। यहां से 16 नंबर होते हुए 12 नंबर, चोरगलिया रोड पहुंचा जहां से ताज चौराहे से मुढ़कर लाइन नंबर 1 तथा वहां से ईदगाह का ओर जुलूस ने रुख किया। मीरा मार्ग से जुलूस रेलवे बाजार और वहां से किदवई नगर होते हुए वापिस मुजाहिद चौक पर जुलूस का समापन हुआ। जुलूस में शामिल लोगों ने प्यारे नबी की शान में गगनचुंबी नारे लगाए। जुलूस शांतिपूर्ण सम्पन्न हो इसके लिए बनभूलपुरा थाना समेत भारी पुलिस फोर्स एसएचओ सुशील कुमार के नेतृत्व में मुस्तैद रही। मुजाहिद चौक में शहर इमाम जामा मस्जिद मौलाना शेख मोहम्मद कादरी ने हज़ारों लोगों को एकसाथ दुआ करवाई। जिसके बाद जुमे की नमाज़ अदा कराई गयी। इंतज़ामिया कमेटी में शामिल शराफत खान, ज़मीर अहमद, सैयद रेहान मियां, हसनैन खतीबी, शाहनवाज़ सैफी, डा. मेराज अज़हरी, बब्लू, इरशाद अहमद, सलीम अहमद, सालिम सिद्दीकी, रहीस अहमद गफ्फारी, फईम अंसारी, इकरार हुसैन, हसीन खां वारसी, कारी अब्दुल हसन, दानिश इंतज़ार, जाहिद बाबा, आसिफ अंसारी समेत दर्जनों लोगों ने जुलूस को सही ढंग से मुकम्मल कराने में भूमिका निभाई।

विधायक सुमित हृदयेश ने की पुष्पवर्षा

हल्द्वानी। जश्न-ईद-मिलादुन्नबी के जुलूस में शहर विधायक सुमित हृदयेश ने भी शिरकत की और मुस्लिमों को मुबारकबाद देते हुए जुलूस में शामिल लोगों में लंगर का वितरण किया। वहीं वरिष्ठ कांग्रेस नेता ललित जोशी ने भी जुलूस में शामिल लोगों में फल आदि का वितरण किया। इस मौके पर पूर्व दर्जा राज्यमंत्री सुहेल सिद्दीकी, शादाब अंसारी, गुरुप्रीत सिंह प्रिंस, अमान आदि मौजूद रहे। वहीं, सपा के वरिष्ठ नेता रहे शुएब अहमद सिद्दीकी ने भी अपने कार्यालय के सामने लंगर बांटा। यहां आवेज़ अहमद, जुनैद अहमद, इकराम हुसैन (लालू) समेत दर्जनों लोग रहे। इधर, भाजपा के वरिष्ठ नेता पूर्व दर्जा राज्यमंत्री मज़हर नईम नवाब भी जुलूस-ए-मोहम्मदी में शामिल रहे।

गंगा जमुनी तहज़ीब हमारे खून में: आरपी सिंह

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। 'हम एक' सामाजिक संस्था के संस्थापक सरदार आरपी सिंह के नेतृत्व में जुलूस-ए-मोहम्मदी पर पुष्प वर्षा की गयी। आरपी सिंह का कहना है कि भारत के संविधान के पराम्बल में सबसे पहले लिखा है 'हम भारत के लोग'। गंगा जमुनी तहज़ीब हमारे खून में है। आरपी सिंह, आर्येन्द्र शर्मा, नफीस अहमद खान, जेम्स माइकल आदि उपस्थित थे।

काठगोदाम में भी जुलूस-ए-मोहम्मदी

शाह टाइम्स ब्यूरो

काठगोदाम। जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी की काठगोदाम में भी धूम रही। अकीदत के साथ नबी के चाहने वालों ने काठगोदाम में जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला और आम लंगर का एहतमाम किया। काठगोदाम जामा मस्जिद के सदर बासित खान ने बताया कि 1500वें जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी के मौके पर शुक्रवार को काठगोदाम में हज़ारों की संख्या में मुस्लिम समाज ने जुलूस निकाला। जुलूस काठगोदाम स्थित हज़रत शेर अली बाबा की दरगाह पर समाप्त हुआ जहां पर आम लंगर का एहतमाम किया गया। बासित खान ने बताया कि जुलूस के बाद विशेष तौर पर बाढ़ प्रभावित पंजाब के लिए दुआ की गयी। उन्होने बताया कि पंजाब में मदद भेजने के लिए चंदा भी एकत्र किया गया। जल्द ही काठगोदाम से पंजाब के लिए राहत सामग्री भेजी जाएगी।

मतीन सिद्दीकी ने बांटे फल

हल्द्वानी। जुलूस-ए-मोहम्मदी में समाजवादी पार्टी के प्रदेश प्रभारी हाजी अब्दुल मतीन सिद्दीकी भी शामिल रहे। उन्होने सभी को जश्ने ईद मिलादुन्नबी की मुबारकबाद देते हुए कहा कि आज हज़रत मुहम्मद साहब के योमे पैदाइश का दिन है। अब से 1500 साल पहले आप दुनिया में तशरीफ लाए थे और आपने उस वक्त जब इंसानियत नाम की कोई चीज़ नहीं थी, तब आप ने लोगों को रब के बारे में बताया और उस वक्त की तमाम बुरी आदतों व बातों से लोगों को रोकने के साथ-साथ उन्हें समझा कर सही रास्ते पर भी चलाया। जुलूस के दौरान अब्दुल मतीन सिद्दीकी ने अपने प्रतिष्ठान माशा शूज़ मीरा मार्ग पर लोगों को जूस, नमकीन, बिस्कुट, पानी बांटा। जावेद सिद्दीकी, उमैर मतीन, जुबैर सिद्दीकी, हस्सान सिद्दीकी, इस्लाम मिकरानी, रेहान मलिक, विक्की ख़ान, रेहान कुरैशी, रिज़वान अंसारी, नाज़िम ख़ान, फैज़ ख़ान, ग़ाज़ी खान रहे।

अब मोबाइल में सुनाई देगा 'हैल्लो हल्द्वानी'

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया मुक्त विवि के रेडियो एफएम के मोबाइल ऐप का लोकार्पण

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। शिक्षक दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं उच्च शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत ने मुख्यमंत्री आवास देहरादून से उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से संचालित सामुदायिक रेडियो हैल्लो हल्द्वानी 91.2 एफएम के मोबाइल ऐप का लोकार्पण किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय मुख्यालय हल्द्वानी से कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी, कुलसचिव डा. खेमराज भट्ट सहित समस्त शिक्षक व विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से जुड़े रहे।

इस मौके पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि यह केवल एक तकनीकी उपलब्धि भर नहीं है, बल्कि उत्तराखंड की बदलती पहचान और आधुनिक सोच का प्रतीक है। रेडियो जैसे परंपरागत माध्यम को आधुनिक डिजिटल युग से जोड़ना वास्तव में परंपरा और नवाचार का अद्भुत संगम है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि प्रदेश के सभी 13 जनपदों में उच्च शिक्षा एवं कौशल विकास केंद्र स्थापित किए जाएंगे, जिनका संच. ालन व समन्वय उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय करेगा। इन प्रयासों से राज्य के युवा नौकरी खोजने वाले नहीं बल्कि नौकरी देने वाले बनेंगे और यह आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अहम योगदान होगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राजधानी देहरादून में उत्तराखंड मुक्त विश्व. विद्यालय का प्रमुख केंद्र स्थापित किया जाएगा जो शिक्षा, शोध, नवाच. ार और डिजिटल लर्निंग का हब बनेगा। हैल्लो हल्द्वानी ऐप उत्तराखंड की संस्कृति, बोली-भाषा और परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बनेगा। उच्च शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत ने कहा कि मोबाइल ऐप के माध्यम से अब उत्तराखंड के दूर-दराज क्षेत्रों तक ज्ञान और शिक्षा पहुंच सकेगी। यह ऐप सीमाओं से परे जाकर पूरे देश और विश्व तक उत्तराखंड की शिक्षा व संस्कृति को पहुँचाने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने अपेक्षा जताई कि भविष्य में यह ऐप ऑनलाइन व्याख्यान, कैरियर काउंसलिंग, डिजिटल कोर्सेज़ और डिजिटल स्किल ट्रेनिंग जैसी सुविधाएं भी विद्यार्थियों को उपलब्ध कराएगा। इस दौरान विश्वविद्यालय ने उत्तराखंड के विभिन्न क्षेत्रों में आई प्राकृतिक आपदाओं के मद्देनजर मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए सहायता राशि का चेक कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने मुख्यमंत्री को सौंपा। इसके साथ ही मुख्यमंत्री और उच्च शिक्षा मंत्री ने उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की प्रचार सामग्री का अवलोकन भी किया तथा विश्वविद्यालय की शैक्षिक और सामाजिक गतिविधियों की सराहना की। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सामुदायिक रेडियो हैल्लो हल्द्वानी की विशेष उपलब्धियों का भी उल्लेख किया गया, जिनमें शैक्षिक कार्यक्रम, स्वास्थ्य जागरूकता, महिला सशक्तिकरण, कृषि एवं युवा संवाद तथा लोक संस्कृति संरक्षण को विशेष रूप से सराहा गया। इस अवसर पर यूकोस्ट के महानिदेशक प्रो. दुर्गेश पंत, कुलसचिव डा. खेमराज भट्ट, रेडियो प्रभारी प्रो. राकेश रयाल, गिरिजा शंकर जोशी, डा. सुभाष रमोला, डा. नरेंद्र जगूड़ी, ध्रुव रौतेला, राकेश भट्ट आदि मौजूद रहे।

सैलून संचालक पर युवती ने लगाए गंभीर आरोप, मुकदमा

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। एक युवती ने रामपुर रोड में सैलून चलाने वाले युवक पर छेड़छाड़ व अश्लीलता सहित कई संगीन आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर सौंपी और कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर के आधार पर सैलून चलाने वाले संचालक पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। मुखानी थाना क्षेत्र के अंतर्गत रहने वाली युवती ने पुलिस को सौंपी तहरीर में कहा कि बीते मार्च 2025 से वह रामपुर रोड स्थित एक हेयर ड्रेसर सैलून में काम कर रही थी। इसी दौरान सैलून का मालिक भूपेश बिष्ट उसके साथ छेड़छाड़ करने लगा था। कहा कि यहां दो महीने हुए थे कि सैलून मालिक उसके साथ जबरदस्ती की कोशिश करता था। इतना ही नहीं युवती का आरोप है कि उसने प्राइवेट पार्ट से छेड़छाड़ करने का प्रयास किया। जिस कारण युवती ने यहां नौकरी छोड़ दी और मुखानी में एक सैलून में काम करने लगी। आरोप है कि कुछ दिन पहले भूपेश अपने दोस्त के साथ यहां पहुंचा और सैलून में घुसकर उसके छेड़छाड़ व अश्लील हरकतें करने लगा। आरोप है कि जब इसका विरोध किया तो उसने जान से मारने की धमकी देते हुए चला गया। इधर मुखानी थानाध्यक्ष दिनशे चन्द्र जोशी ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

मानसिक तनाव: महिला ने गटका जहर, मौत

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। लंबे समय से अस्वस्थ व मानसिक तनाव से भी जूझ रही एक महिला ने जंगल में जाकर जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। आनन फानन में महिला के परिजनों द्वारा महिला को उपचार के लिए एक निजी अस्पताल लाया गया जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। जानकारी के अनुसार भोटिया पड़ाव स्थित 49 वर्षीय पुष्पा मेहरा लंबे समय से अस्वस्थ व मानसिक तनाव से भी जूझ रहीं थी। पुलिस ने बताया कि बीते गुरूवार को साढ़े 12 बजे मृतक पुष्पा मेहरा घर से दवाई लेने के लिए अस्पताल को निकलीं। दो घंटे बाद भी जब वह घर नहीं लौटीं तो परिवार वाले उन्हें ढूंढने लगे। इस बीच मृतक पुष्पा के बेटे सुनील मेहरा को किसी ने दमुवाढूंगा की तरफ होने की बात बताई। जिसके बाद परिजन दमुवाढूंगा की ओर खोजबीन करने लगें तभी पास ही स्थित जंगल में पुष्पा का शव उसके बेटे सुनील ने देखा। आनन फानन में लोगों द्वारा पुष्पा को उपचार के लिए नैनीताल रोड स्थित एक निजी अस्पताल में लाया गया। जहां पर मौजूद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित करते हुए जहरीले पदार्थ का सेवन बताया। शुक्रवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराके शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

नुकसान का आकलन शीघ्र कराया जाए: हरीश पनेरू

राज्य आंदोलनकारी ने प्रशासन से की मांग

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। पूर्व दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री एवं राज्य आंदोलनकारी हरीश पनेरू ने जिला प्रशासन से मांग की है कि दिनांक 28 अगस्त से 2 सितम्बर के मध्य हुई भीषण वर्षा से हुए नुकसान का शीघ्रता से स्थलीय निरीक्षण कर सटीक आकलन कराया जाए। पनेरू ने बताया कि भारी बारिश के कारण किसानों की फसलें, खेत, मकान, पालतू पशु एवं सड़कें बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। विशेष रूप से ओखलकांडा, धारी, रामगढ़ और भीमताल विकास खंडों में ग्रामीणों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। उन्होंने कहा कि जनता एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा दूरभाष, मौखिक व लिखित माध्यमों से प्रशासन को बार-बार सूचित करने के बावजूद स्थानीय व जिला प्रशासन द्वारा कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई है।

बागजाला में धरना जारी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। बागजाला गांव में भूमि के मालिकाना हक, निर्माण कार्यों पर लगी रोक हटाने, और पंचायत चुनाव के अधिकार बहाल करने समेत आठ सूत्रीय मांगों को लेकर चल रहा अनिश्चितकालीन धरना शुक्रवार को 19वें दिन भी जारी रहा। धरने का नेतृत्व अखिल भारतीय किसान महासभा बागजाला कमेटी द्वारा किया जा रहा है, जिसे सामाजिक संगठनों और स्थानीय ग्रामीणों का भारी समर्थन मिल रहा है। इस मौके पर ऑल इंडिया सेंट्रल काउंसिल ऑफ ट्रेड यूनियंस (ऐक्टू) के प्रदेश महामंत्री कामरेड के.के. बोरा ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि, यह सरकार वोट चोरी और जमीन चोरी की सरकार बन चुकी है। बिहार में एसआईआर के नाम पर वोट के अधिकार छीनने की साजिश हो रही है, वहीं नैनीताल में जिला पंचायत के पांच सदस्यों का अपहरण कर भाजपा ने खुलेआम वोट डकैती की। अब बागजाला समेत पूरे देश में गरीबों, दलितों और अल्पसंख्यकों की ज़मीनें बुलडोज़र राज के जरिए छीनकर अडानी-अंबानी जैसे बड़े पूंजीपतियों को देने की कोशिश की जा रही है। किसान महासभा के प्रदेश अध्यक्ष आनन्द सिंह नेगी ने कहा कि गरीबों को उजाड़ने की इन नीतियों के खिलाफ एकजुट संघर्ष बेहद जरूरी है। धरने के 19वें दिन केके बोरा, आनन्द सिंह नेगी, विमला रौथाण, डा. उर्मिला रैस्वाल, वेद प्रकाश, विमला देवी, हेमा देवी, हरक सिंह बिष्ट, ऋषि मटियाली, मोहन लाल, गणेश राम, हरिदित्ता सिंह, दिनेश चन्द्र, भगवती आर्य, देवी आर्य, दया देवी, अनीता, सरस्वती, वासुदेव, ललित प्रसाद, महेश राम, कमला देवी, हरि गिरी, भगवती गोस्वामी, शकुन्तला, दुर्गा देवी, मधु बिष्ट, रेखा देवी, राधा, इरफान, शहजाद, भावना देवी, कमल, आनन्द राम, शिवम टम्टा, शाकिर, रामभजन, मिथलेश, चन्द्र, सरोज, कमला, जीवंती, दीपा, सुनीता, सुषमा आर्या, विद्या, ललिता आदि शामिल रहे।

शाह टाइम्स
स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक एस.एन. राना द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून से प्रकाशित।
सम्पादकः
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
स्थानीय सम्पादक
चेतन गुरूंग
देहरादून कार्यालय 63/9
ई-राजपुर रोड देहरादून
☎0135-2743363
R.N.I. No.UTT HIN 2001/05656
मोबाइल-9720007290
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

प्रधान न्यायाधीश, पारिवारिक न्यायालय, बरेली।
याचिका सं0-2053/2024
गगनदीप कौर आयु करीब 31 वर्ष पत्नी जितेन्द्र गिल पुत्री हरजिन्दर सिंह कहालीन ग्राम भुढिया कालोनी थाना बहेड़ी जिला बरेली। .....याची।
बनाम
जितेन्द्र गिल आयु करीब 35 वर्ष पुत्र जगवीर गिल निवासी-सहारनपुर रोड थाना पटेल नगर जिला देहरादून। उ0खण्ड ....विपक्षी।
धारा-13(ए) एच0एम0 एक्ट
चूंकि संजय सिंह ने आपके खिलाफ न्यायालय में एक मुकदमा वास्ते 13(ए) हिन्दू विवाह अधिनियम हेतु प्रस्तुत किया है। अतः आपको एतद्द्वारा निर्देशित किया जाता है कि आप नियत दिनांक 16.09.2025 को वास्ते लिखित कथन / एवज राजीनामा प्रयास हेतु स्वयं उपस्थित हो। आपको यह भी निर्देशित किया जाता है कि लिखित कथन पर स्वयं का पासपोर्ट आकार का फोटो आवश्यक चिपकाया जाये। नियत दिनांक 16.09.2025 पर आपके द्वारा पैरवी न किये जाने की स्थिति में वाद की सुनवाई नियमानुसार की जावेगी।
दिनांक: 07/08/2025
मुन्सिरिम
प्रधान न्यायाधीश
पारिवारिक न्यायालय, बरेली।

कार्यालय सहायक अभियन्ता सिंचाई उपखण्ड गैरसैंण
निविदा सूचना संख्याः- 06/स0अ0-तृतीय/2025-26
पत्रांक : 250/सिं.उ.ख.गै./निविदा/ गैरसैंण : दिनाँक : 04/09/2025
अधोहस्ताक्षरी द्वारा महामहिम राज्यपाल उत्तराखंड की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु अलग-अलग मुहरबन्द निविदायें सिंचाई विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से दिनांक- 20.09.2025 को 3:00 बजे तक आमंत्रित किये जाते हैं, जो उसी दिन अपरान्ह 3:30 बजे अधोहस्ताक्षरी अथवा अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा उपस्थित निविदादाताओं/प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र निविदा खोलने की तिथि से पूर्व किसी भी कार्यदिवस में निर्धारित मूल्य देकर प्राप्त किये जा सकते हैं।

क्र. स.	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि	जॉबो की संख्या	कार्य की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0 में)	ठेकेदार की श्रेणी
(अ)	8443 जिला योजना के अन्तर्गत कार्यों का विवरण।					
1	धारगढ़ नहर (हरसारी गांव में) मरम्मत कार्य।	18000.00	1	4 माह	1000+18 प्रतिशत जी0एस0टी0	डी एवं उच्चतर
2	गैरसैंण के कण्डारीखोड फीडर गूल का पुनरोद्धार कार्य।	24000.00	1	4 माह	1000+18 प्रतिशत जी0एस0टी0	डी एवं उच्चतर
3	आदिबद्री फीडर-5 नहर का मरम्मत कार्य।	9000.00	1	4 माह	500+18 प्रतिशत जी0एस0टी0	डी एवं उच्चतर
4	ग्राम सभा बड़ेथ के चौंदी तोक में बरसाती नाले का जल निकास कार्य।	9000.00	1	4 माह	500+18 प्रतिशत जी0एस0टी0	डी एवं उच्चतर
5	गैरसैंण के रालियाणा बैण्ड में रेलगाड़ गधेरे में सुरक्षात्मक कार्य।	15000.00	1	4 माह	500+18 प्रतिशत जी0एस0टी0	डी एवं उच्चतर
6	महादेव घाट कांसुवा (मोहन प्रसाद) के घर के समीप बाढ़ सुरक्षा कार्य।	9000.00	1	4 माह	500+18 प्रतिशत जी0एस0टी0	डी एवं उच्चतर
7	गंगानगर (लामबगड) चन्दन बस्ती नाले में सुरक्षात्मक कार्य।	9000.00	1	4 माह	500+18 प्रतिशत जी0एस0टी0	डी एवं उच्चतर
8	खनसर नदी मुख्य मोटर मार्ग (चौखुटिया पुल) के नीचे सुरक्षात्मक कार्य।	12000.00	1	4 माह	500+18 प्रतिशत जी0एस0टी0	डी एवं उच्चतर
9	कलबिश्ट सेरा खनसर नदी बाढ़ सुरक्षा कार्य।	12000.00	1	4 माह	500+18 प्रतिशत जी0एस0टी0	डी एवं उच्चतर
10	एस0सी0एस0पी0 के अन्तर्गत आदिबद्री के बसुधारा एस0सी0 बस्ती में बाढ़ सुरक्षात्मक विस्तारीकरण कार्य।	15000.00	1	4 माह	500+18 प्रतिशत जी0एस0टी0	डी एवं उच्चतर
11	एस0सी0एस0पी0 के अन्तर्गत ग्राम नौगांव मल्ला में अनु0जाति बस्ती के बीचों बीच बरसाती नाले से सुरक्षा हेतु कटाव सुरक्षा योजना।	15000.00	1	4 माह	500+18 प्रतिशत जी0एस0टी0	डी एवं उच्चतर

-शर्तें-
निविदा से सम्बन्धित समस्त नियम एवं शर्तों का विवरण निविदा प्रपत्र के साथ किसी भी कार्य दिवस को अधोहस्ताक्षरी कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।
सहायक अभियन्ता
सिंचाई उपखण्ड गैरसैंण

● भारतीय जर्सी को स्पान्सर करना अब और महंगा ●

बीसीसीआई ने बढ़ाई तय कीमत

मुंबई, वार्ता। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) टीम इंडिया के लिए नया स्पान्सर ढूंढने के लिए जोरआजमाइश कर रहा है। हालांकि, अब ऐसा करने वाली कंपनियों को ज्यादा कीमत चुकानी पड़ सकती है। ऐसा इसलिए क्योंकि मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बीसीसीआई रिजर्व प्राइस को बढ़ाने जा रहा है। ड्रीम11 हाल ही में स्पान्सरशिप से पीछे हट गया था और उसने बीसीसीआई के साथ अपने करार को तोड़ लिया था। 2023 में बायजू को रिप्लेस करते हुए ड्रीम11 ने बीसीसीआई के साथ तीन साल का करार किया था। उस समय ड्रीम11 ने कुल 358 करोड़ रुपये का करार किया था, जिसमें घरेलू मैचों के लिए प्रति मुकाबला तीन करोड़ और विदेशी मैचों के लिए एक करोड़ रुपये तय थे। इंग्लैंड दौरे तक टीम इंडिया की जर्सी पर ड्रीम-11 का लोगो दिखाई देता था, लेकिन हाल ही में पारित आनलाइन गेमिंग बिल 2025 के कारण कंपनी को अपने संचालन में मुश्किलों का सामना करना पड़ा और उसने अनुबंध से बाहर निकलने का फैसला किया। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई ने नए स्पान्सर के लिए रिजर्व प्राइस बढ़ा दिया है। अब घरेलू सीरीज (द्विपक्षीय) के लिए प्रति मैच 3.5 करोड़ रुपये और आईसीसी और एसीसी टूर्नामेंट्स जैसे बहुराष्ट्रीय मुकाबलों के लिए लगभग 1.5 करोड़ रुपये रिजर्व प्राइस रखा गया है। पहले यह दरें कम थीं। पहले घरेलू सीरीज (द्विपक्षीय) के लिए प्रति मैच 3.17 करोड़ और आईसीसी और एसीसी टूर्नामेंट्स जैसे बहुराष्ट्रीय मुकाबलों के लिए 1.12 करोड़ रुपये रिजर्व प्राइस रखा गया था। इसका मतलब है कि बीसीसीआई अब कम से कम 10 प्रतिशत ज्यादा कमाई द्विपक्षीय सीरीज से और लगभग तीन प्रतिशत ज्यादा कमाई बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट्स से करना चाहता है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस नए बेस प्राइस से बीसीसीआई को 400 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई हो सकती है। हालांकि, यह आंकड़ा इससे भी कहीं ज्यादा हो सकता है, क्योंकि स्पान्सरशिप के लिए प्रतिस्पर्धा हमेशा ऊंची रहती है। बीसीसीआई ने मंगलवार को राष्ट्रीय टीम के लीड स्पान्सर राइट्स के लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (आईईओआई) जारी किया। इसके तहत बोली लगाने वाली कंपनियों को विस्तृत शर्तें और नियम उपलब्ध कराए जाएंगे। आईईओआई डाक्यूमेंट्स खरीदने की अंतिम तारीख 12 सितम्बर रखी गई है। बोली लगाने के लिए दस्तावेज जमा करने की अंतिम तारीख 16 सितम्बर तय की गई है। स्पान्सर बनने की इच्छुक कंपनियों को आईईओआई डाक्यूमेंट खरीदने के लिए पांच लाख रुपये के साथ-साथ जीएसटी की नान-रिफंडेबल फीस देनी होगी। भुगतान की पुष्टि होने के बाद ही डाक्यूमेंट्स शेयर किए जाएंगे। बीसीसीआई ने साफ किया है कि केवल डाक्यूमेंट खरीदने से कोई कंपनी बोली लगाने की हकदार नहीं हो जाती। पात्रता मानकों को पूरा करना अनिवार्य होगा।

● बोर्ड ने बनाया 400+ करोड़ रुपये की आमदनी का प्लान

भांबरी-वीनस की जोड़ी हारी

● सेमीफाइनल में हारकर यूएस ओपन में भारत का अभियान समाप्त

न्यूयॉर्क, वार्ता। भारत के युकी भांबरी और न्यूजीलैंड के माइकल वीनस की जोड़ी को यूएस ओपन के सेमीफाइन में ग्रेट ब्रिटेन के नील स्कुप्स्की और जो सैलिसबरी की जोड़ी से हार का सामना करना पड़ा है। इसी के साथ भारत का टूर्नामेंट में अभियान समाप्त हो गया। पुरुष युगल वर्ग के सेमीफाइनल में गुरुवार को भांबरी और वीनस की 14वीं वरीयता प्राप्त जोड़ी को दो घंटे 53 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में छठी वरीयता प्राप्त ग्रेट ब्रिटेन के नील स्कुप्स्की और जो सैलिसबरी की जोड़ी से 6(2)-7(7), 7(7)-6(5), 6-4 से हार का सामना करना पड़ा। मैच के शुरुआती सेट में, भारत के शीर्ष रैंकिंग वाले पुरुष युगल टेनिस खिलाड़ी युकी भांबरी और वीनस ने आठवें गेम में ओलंपियन नील स्कुप्स्की और जो सैलिसबरी की सर्विस तोड़ी।

हालांकि, भांबरी-वीनस अगले गेम में अपनी सर्विस गंवाकर इसका फायदा उठाने में नाकाम रहे, जिससे टाई-ब्रेकर तक का रास्ता तय हुआ, जिसे इंडो-न्यूजीलैंड जोड़ी ने आसानी से जीत लिया। दूसरे सेट में भी भांबरी-वीनस ने शुरुआती गेम में स्कुप्स्की-सैलिसबरी की सर्विस तोड़ी, लेकिन चौथे गेम में ब्रेक पॉइंट को भुनाने में नाकाम रहीं। यह चूक भांबरी-वीनस के लिए महंगी साबित हुई क्योंकि स्कुप्स्की- सैलिसबरी ने अगले ही गेम में वापसी की और कड़े मुकाबले में टाई-ब्रेकर जीत लिया। स्कुप्स्की- सैलिसबरी ने तीसरे सेट के पहले गेम में सर्विस तोड़ी और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा और फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।

संक्षिप्त खेल समाचार

भगदड़ के बाद पहली बार टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा चिन्नास्वामी

बेंगलुरु, वार्ता। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की आईपीएल जीत के बाद 4 जून को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास मची भगदड़ के बाद चिन्नास्वामी पहली बार क्रिकेट मुकाबलों की मेजबानी करेगा। यह स्टेडियम कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के तिम्मप्पिया मेमोरियल ट्रॉफी के मेजबानों में से एक है, जो 16 टीमों वाला एक लाल गेंद के साथ खेला जाने वाला बहु-दिवसीय प्री-सीजन टूर्नामेंट है। चिन्नास्वामी स्टेडियम इस प्रतियोगिता के छह मैचों की मेजबानी करेगा, जिसमें एक सेमीफ़ाइनल और 26 सितम्बर से होने वाला फ़ाइनल शामिल है। हालांकि स्टेडियम में दर्शकों को अनुमति नहीं होगी। टूर्नामेंट में मुंबई, विदर्भ, मप्र, हिप्र, छत्तीसगढ़ सहित कई टीमें शामिल हैं।

एशियाई बेसबॉल चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा चीन

फ़ूज़ौ, वार्ता। आयोजकों ने शुक्रवार को घोषणा की कि 2025 एशियाई बेसबॉल चैंपियनशिप दक्षिण-पूर्वी चीन के फुज़ियान प्रांत के पिंग्टन में 22 से 28 सितम्बर तक आयोजित की जाएगी, जिसमें आठ टीमें भाग लेंगी। इस चैंपियनशिप में जापान, दक्षिण कोरिया, चीनी ताइपे, फिलीपींस, हांगकांग, पाक, फ़िलिस्तीन और मेजबान चीन शामिल होंगे। बीस बार विजेता जापान, 2023 का सेमीफाइनलिस्ट दक्षिण कोरिया और 2019 में विजेता और 2023 में उपविजेता चीनी ताइपे इस साल की चैंपियनशिप में प्रबल दावेदार हैं, जिसका विजेता 2026 में होने वाले अंडर-23 बेसबॉल विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेगा।

नीरज चोपड़ा-अरशद नदीम विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में करेंगे प्रतिस्पर्धा

● विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 13 से 21 सितम्बर तक टोक्यो में आयोजित होगी

नई दिल्ली, वार्ता। भारतीय भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा और चोट से उबर चुके पाकिस्तानी एथलीट अरशद नदीम इस महीने के आखिर में टोक्यो में होने वाली 2025 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

नदीम के चिकित्सक असद अब्बास ने गुरुवार को बताया कि पेरिस 2024 ओलंपिक चैंपियन पूरी तरह से ठीक हो गए हैं और प्रतियोगिता के लिए तैयार हैं। अब्बास ने टेलीकॉम एशिया को बताया कि अरशद पूरी तरह से ठीक हो गए हैं और मैंने उनके ठीक होने और प्रगति पर नजर रखी है। मुझे यकीन है कि वह नीरज और भाला फेंक स्पर्धा में भाग लेने वाले अन्य सभी एथलीटों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार होंगे। उल्लेखनीय है कि विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 13 से 21 सितम्बर तक टोक्यो में आयोजित होगी। पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा का क्वालीफिकेशन 17 सितम्बर को और फाइनल अगले दिन होगा। जापान नेशनल स्टेडियम में नीरज चोपड़ा बनाम अरशद नदीम पेरिस 2024 के बाद उनका पहली बार आमना-सामना होगा। पेरिस 2024 के बाद से नदीम ने केवल एक बार प्रतिस्पर्धा की है, मई में कोरिया गणराज्य के गुमी में एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 86.40 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था। विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में पिछले महीने डायमंड लीग जीतने वाले जर्मनी के जूलियन वेबर, दो बार के विश्व चैंपियन ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स और त्रिनिदाद एवं टोबैगो के पूर्व ओलंपिक चैंपियन केशोर्न वालकॉट के भी भाग लेने की उम्मीद है।

आर्यना-अमांडा के बीच होगी खिताबी भिड़ंत

● सबालेंका ने जेसिका को हराकर तीसरी बार यूएस ओपन के फाइनल में प्रवेश किया

न्यूयॉर्क, वार्ता। शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका और उभरती हुई अमेरिकी खिलाड़ी अमांडा अनिसिमोवा बीच यूएस ओपन में महिला एकल वर्ग में खिताबी भिड़ंत होगी। बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने अपनी विशिष्ट दृढ़ता और मानसिक शक्ति का परिचय देते हुए एक सेट से पिछड़ने के बाद चौथी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को हराकर तीसरी बार यूएस ओपन के फाइनल में प्रवेश किया। गुरुवार रात दो घंटे तक चले सेमीफाइनल मुकाबले में बेलारुस की सबालेंका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अमेरिका की स्टार टेनिस खिलाड़ी पेगुला को 4-6, 6-3, 6-4 से हराया। पेगुला ने न्यूयॉर्क के शोरगुल में उत्साहित दर्शकों के बीच पहला सेट जीतकर पासा पलटने की चेतावनी दी। अमेरिकी खिलाड़ी ने पेगुला ने सबालेंका की सहज गलतियों का फायदा उठाया और दो बार सर्विस ब्रेक करके 6-4 से पहला सेट अपने नाम कर लिया।

इसके बाद बेलारूसी खिलाड़ी ने ऑफ-कोर्ट ब्रेक के बाद नए दृढ़ संकल्प के साथ वापसी की। उन्होंने अपने ग्राउंडस्ट्रोक की तीव्रता बढ़ाई और दूसरे सेट को 6-3 से जीत के साथ मैच को निर्णायक बना दिया। अंतिम सेट में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी ने दबाव के क्षणों में अपना धैर्य बनाए रखा। अपने तीसरे मैच पॉइंट पर, उन्होंने राहत और जश्न की गर्जना के साथ जीत पक्की कर ली। 27 वर्षीय खिलाड़ी की इस जीत ने उन्हें सेरेना विलियम्स (2011- 2014) के बाद लगातार तीन यूएस ओपन फाइनल में पहुंचने वाली पहली खिलाड़ी बना दिया है। मैच के बाद सबालेंका ने कहा कि यह वाकई एक कड़ा मुकाबला था। उसने अविश्वसनीय टेनिस खेला और मुझे यह जीत हासिल करने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ी। मैं बस अंदर ही अंदर प्रार्थना कर रही थी और अच्छे की उम्मीद कर रही थी। शनिवार को होने वाले चैंपियनशिप मैच में सबालेंका का सामना उभरती हुई अमेरिकी खिलाड़ी अमांडा अनिसिमोवा से होगा। दूसरे सेमीफाइनल में अमेरिकी खिलाड़ी अमांडा अनिसिमोवा ने अपने करियर के सबसे उल्लेखनीय उलटफेरों में से एक की कहानी गढ़ते हुए रोमांचक मुकाबले में जापान की नाओमी ओसाका को 6-7(4), 7-6(3), 6-3 से हराकर पहली बार यूएस ओपन फाइनल में जगह बनाई।

यॉर्कशायर से छोटी अवधि के लिए जुड़ेंगे मयंक अगवाल

नई दिल्ली, वार्ता। भारतीय सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल शेष काउंटी चैंपियनशिप मुक़ाबलों के लिए यॉर्कशायर के साथ छोटी अवधि के अनुबंध पर जुड़ेंगे। समरसेट के खिलाफ़ 8 सितम्बर को होने वाले मुक़ाबले से पहले अग्रवाल के यॉर्कशायर के साथ जुड़ने की उम्मीद है और 2025-26 रणजी ट्रॉफी सीजन के लिए भारत लौटने से पहले वह कुल तीन मुकाबले खेलेंगे। इससे पहले वह कर्नाटक के महाराजा टी-20 ट्रॉफ़ी का हिस्सा थे। वहीं उन्हें आईपीएल में देवदत्त पड़िक्कल के विकल्प के तौर पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने अपने दल में शामिल किया था। 34 वर्षीय को इंग्लैंड का अनुभव है। वह 2021-22 के दौरे और 2023 के विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फ़ाइनल के भारतीय दल के हिस्से के रूप में इंग्लैंड की यात्रा कर चुके हैं।

2021-22 के दौरे पर अग्रवाल भारत के लिए पारी की शुरुआत करने के दावेदार थे लेकिन उन्हें सीरीज के पहले मैच से पहले चोट लग गई जिसके चलते वह बाहर हो गए। अग्रवाल दो बार ए टीम के साथ भी इंग्लैंड का दौरा कर चुके हैं। कर्नाटक के सभी प्रारूपों के कप्तान अग्रवाल के पास प्रथम श्रेणी का काफ़ी अनुभव है। उन्होंने 180 पारियों में 43.98 की औसत, 18 शतक और 44 अर्द्धशतकों के साथ 8050 रन बना चुके हैं। अग्रवाल ने भारत के लिए 36 टेस्ट पारियों में 41.33 की औसत और चार शतकों की बदौलत 1488 रन बनाए हैं।

नीव से शिखर तक का दूसरा बैच रवाना

● यह एक नेतृत्व यात्रा है जो जमीनी स्तर से शुरू होकर महानता की ओर बढ़ती है

नई दिल्ली, वार्ता। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने नई दिल्ली के प्रतिष्ठित मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में 'नींव से शिखर तकश के दूसरे बैच को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस समारोह में एम3एम फाउंडेशन के प्रबंध न्यासी एवं अध्यक्ष डॉ. ऐश्वर्य महाजन(भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के उप महानिदेशक मयंक श्रीवास्तव, और फिट इंडिया मूवमेंट के निदेशक नदीम भी उपस्थित थे। इस अवसर पर, एम3एम फाउंडेशन की चेयरपर्सन एवं ट्रस्टी डॉ. पायल कनोडिया ने अपना दृष्टिकोण साझा करते हुए बताया कि 'नींव से शिखर तकश एक पर्वतारोहण पहल से कहीं बढ़कर है। यह एक नेतृत्व यात्रा है जो जमीनी स्तर से शुरू होकर महानता की ओर बढ़ती है। ये युवा लड़कियां न केवल चोटियों पर चढ़ रही हैं(वे बाधाओं को तोड़ रही हैं और जो संभव है उसे फिर से लिख रही हैं। बैच 2 के साथ, हमें दिल्ली, उत्तर प्रदेश और हरियाणा की महत्वाकांक्षी बेटियों को यह अवसर प्रदान करने पर गर्व है। हमारा मिशन यह सुनिश्चित करना है कि सपने देखने वाली हर लड़की को शारीरिक, सामाजिक और भावनात्मक रूप से आगे बढ़ने के लिए उपकरण, प्रशिक्षण और आत्मविश्वास दिया जाए।

बैच 2 में, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और हरियाणा की 11 वंचित लड़कियों का एक नया समूह अटल बिहारी वाजपेयी पर्वतारोहण एवं संबद्ध खेल संस्थान, मनाली में एक निष्शुल्क बुनियादी पर्वतारोहण पाठ्यक्रम से गुजरेगा। भारत की फिट इंडिया एम्बेसडर के मार्गदर्शन में, लड़कियों को रॉक क्राफ्ट (चढ़ाई, रैपलिंग, जुमार्. रंग), स्नो और आइस क्राफ्ट (सीढ़ियां काटना, आइस एक्स अरेस्ट, क्रैम्पन का उपयोग), रस्सी का काम (गांठ बनाना, लंगर डालना, नदी पार करना) और जीवन रक्षा कौशल (तंबू लगाना, आश्रय बनाना, ऊंचाई पर रहना) का प्रशिक्षण दिया जाएगा। तकनीकी प्रशिक्षण के साथ-साथ, उन्हें नेतृत्व विकास सत्रों में भी शामिल किया जाएगा, जो टीम वर्क, अनुशासन और लचीलेपन पर जोर देंगे-उन्हें न केवल पहाड़ों पर चढ़ने के लिए, बल्कि आत्मविश्वास और शक्ति के साथ जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए भी तैयार करेंगे।

यह पहल 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' की भावना से गहराई से जुड़ी हुई है, जिसका उद्देश्य किशोर लड़कियों को संरचित शारीरिक चुनौतियों, मार्गदर्शन और जीवन कौशल से सशक्त बनाना है। बैच 2 का शुभारंभ कुरुक्षेत्र में बैच 1 के सफल शुभारंभ के बाद हुआ है।

केकेएफआई ने 24 खो-खो खिलाड़ियों के सीआईएसएफ में चयन पर जताई खुशी

नई दिल्ली, वार्ता। भारतीय खो-खो के लिए गौरव का क्षण है जब 24 खिलाड़ियों -12 पुरुष और 12 महिला - का चयन केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) में हेड कांस्टेबल के पद पर खेल कोटा के माध्यम से किया गया। उक्त खिलाड़ियों ने मध्य प्रदेश के भोपाल स्थित बीएचईएल परिसर में आयोजित भर्ती ट्रायल्स को सफलतापूर्वक पार किया। चयनित सभी खिलाड़ी देशभर के विभिन्न राज्यों-महाराष्ट्र, केरल, तमिलनाडु, हरियाणा, ओडिशा और अन्य से हैं और अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर चुके हैं। इन खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय खेलों, द्विपक्षीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखलाओं और इस वर्ष आयोजित पहले खो-खो विश्व कप 2025 जैसे प्रतिष्ठित मंचों पर शानदार प्रदर्शन किया है। कई खिलाड़ी, जिन्होंने इस भर्ती ट्रायल को पास किया, वे अल्टीमेट खो-खो लीग - सीजन 1 और 2 में भी हिस्सा ले चुके हैं और शीर्ष स्तर के परफ़ॉर्मर के रूप में अपनी पहचान बना चुके हैं।

सीआईएसएफ में उनका शामिल होना, भारत के सबसे पुराने और ऊर्जावान पारंपरिक खेलों में से एक खो-खो की बढ़ती पहचान और उत्कृष्टता व अवसर के खेल के रूप में उभरने का एक और महत्वपूर्ण पड़ाव है। इस अवसर पर खुशी व्यक्त करते हुए भारतीय खो-खो महासंघ (केकेएफआई) के अध्यक्ष सुधांशु ने कहा कि हमारे युवा खो खो खिलाड़ियों को मेरिट सूची में स्थान बनाते हुए देखना बेहद सुखद है। खो-खो की बढ़ती पहचान खिलाड़ियों के लिए करियर के नए मार्ग बना रही है।

मेसी ने दो गोल दागकर प्रशंसकों को दी भावुक विदाई

कोलंबिया, पैराग्वे और उरुग्वे ने विश्व कप में जगह पक्की की

रियो डी जेनेरो, वार्ता। कोलंबिया, पैराग्वे और उरुग्वे ने अगले साल होने वाले फीफा विश्व कप के लिए अपनी जगह पक्की कर ली है, जबकि लियोनेल मेसी ने दक्षिण अमेरिकी क्वालीफायर के अंतिम दिन अर्जेंटीना के प्रशंसकों को भावुक विदाई दी।

मेसी ने दो गोल दागे जिससे अर्जेंटीना ने वेनेजुएला को 3-0 से हरा दिया, जो संभवत: 38 वर्षीय मेसी का आखिरी घरेलू विश्व कप क्वालीफायर था और गुरुवार को होने वाले मैचों के पूरे दौर का मुख्य कार्यक्रम था। अल्बीसेलेस्टे के कप्तान ने वार्मअप के दौरान अपने आंसू रोके रखे जब प्रशंसक उनका नाम पुकार रहे थे, फिर उन्होंने गोलकीपर राफेल रोमो के ऊपर से शॉट मारकर मौजूदा विश्व चैंपियन को बढ़त दिला दी। स्थानापन्न खिलाड़ी लुटारो मार्टिनेज ने निको गोंजालेज के कट-बैक से डाइलवग हेडर के जरिए स्कोर 2-0 कर दिया, जिसके बाद मेसी ने थियागो अल्माडा के साथ मिलकर तीसरा गोल दागा। मेसी ने स्वीकार किया कि ब्यूनस आयर्स के मोनुमेंटल स्टेडियम में हुई इस रात की विदाई का महत्व था। उन्होंने कहा कि अपने लोगों के साथ इस तरह से खेल खत्म करना, यही मेरा हमेशा से सपना रहा है। यह (संन्यास) ऐसी चीज नहीं है जिसे मैं पसंद करता हूं, चाहता हूं या उम्मीद करता हूं। मुझे खेलना पसंद है और मैं नहीं चाहता कि यह कभी खत्म हो, लेकिन मुझे यह भी पता है कि वह क्षण नजदीक आ रहा है। असुनसियन में, इक्वाडोर के साथ घरेलू मैदान पर गोलरहित ड्रॉ ने पैराग्वे को 16 सालों में पहली बार विश्व कप में जगह दिलाई।

इंग्लैंड को हराकर द. अफ्रीका ने वनडे सीरीज में बनाई अजेय बढ़त

लॉर्ड्स, वार्ता। ब्रीत्जके (85) और ट्रिस्टन स्टब्स (58) की अर्द्धशतकीय पारियों के बाद नांद्रे बर्गर (तीन विकेट) और केशव महाराज (दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में इंग्लैंड को पांच रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली है। 331 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने पहले ही ओवर में जेमी स्मिथ (शून्य) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद जो रूट ने बेन डकेट के साथ दूसरे विकेट के लिये 65 रन जोड़े। 13वें ओवर में केशव महाराज ने बेन डकेट (14) को आउट कर दक्षिण अफ्रीका को दूसरी सफलता दिलाई। जेकब बेथेल व रूट संघर्ष किया।

एशिया कप में भारत की विस्फोटक शुरुआत

चीन, वार्ता। भारतीय महिला हॉकी टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए थाईलैंड को 11-0 से रौंद कर एशिया कप में विजय के साथ अपने अभियान की विस्फोटक शुरुआत की। भारतीय टीम के लिए मुमताज खान ने (सातवें, 49वें), उदिता ने (30वें, 52वें) और ब्यूटी डुंग डुंग ने (45वें, 54वें) मिनट में दो-दो गोल किए, जबकि संगीता कुमारी ने (10वें), नवनीत कौर ने (16वें), लालरेम्सियामी ने (18वें), शर्मिला देवी (57वें) और रुतुजा दादासो पिसल (60वें) मिनट में गोल किए। पहले क्वार्टर में मुमताज खान (सातवें मिनट) और संगीता कुमारी (10वें मिनट) के दो मैदानी गोलों से भारत ने शुरुआत से ही अपना दबदबा बना लिया। दूसरे क्वार्टर में भारत ने अपनी आक्रामकता और बढ़ाते हुए तीन और गोल दागकर अपनी बढ़त और मजबूत कर ली। अनुभवी फॉरवर्ड नवनीत कौर ने (16वें मिनट) और मिडफील्डर लालरेम्सियामी नें (18वें मिनट) लगातार दो मैदानी गोल दागे और उसके बाद उदिता ने (30वें मिनट) में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके पहले हॉफ का समापन शानदार तरीके से किया। दूसरे हॉफ में भी भारत ने थाईलैंड के सर्कल के अंदर लगातार हमले किए और तीसरे क्वार्टर में उसे चार पेनल्टी कॉर्नर मिले, जिनमें से ब्यूटी डुंग डुंग नें (45वें मिनट) में अपना पहला गोल दागा। मैच के आखिरी क्वार्टर में भारत ने लगातार पांच गोल दागकर अपने पहले मुकाबले में बड़ी जीत दर्ज की। मुमताज खान (49वें मिनट), उदिता (52वें मिनट) और शर्मिला देवी (57वें मिनट) ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किए, जबकि ब्यूटी डुंग डुंग (54वें मिनट) और रुतुजा दादासो पिसल (60वें मिनट) ने फील्ड गोल किए। भारतीय टीम शनिवार को जापान से भिड़ेगी।

गतिरोध के बावजूद ब्लू टाइगर्स ने प्लेऑफ में जगह पक्की की

ताजिकिस्तान, वार्ता। भारत ने आज हिसोर सेंट्रल स्टेडियम में अफग़ानिस्तान के खिलाफ अपने आखिरी ग्रुप बी मुकाबले में गोलरहित ड्रॉ खेलकर सीएएफए नेशंस कप 2025 के तीसरे स्थान के प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर ली। हालांकि, ब्लू टाइगर्स का भाग्य अंतिम सीटी बजने के तुरंत बाद तय नहीं हुआ। उन्हें ईरान और ताजिकिस्तान के बीच दूसरे ग्रुप मुकाबले के नतीजे के लिए देर शाम तक इंतज़ार करना पड़ा। यह मैच 2-2 से बराबरी पर छूटा, जिससे भारत का ग्रुप उपविजेता बनना तय हो गया। आज के नतीजे के साथ, ईरान तीन मैचों में सात अंकों के साथ ग्रुप बी में शीर्ष पर रहा, जबकि नए मुख्य कोच खालिद जमील के नेतृत्व में भारत चार अंकों (एक जीत, एक ड्रॉ, एक हार) के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

कलियर व लक्सर में ईद मिलादुन्नबी पर जुलूस निकाल कर मनाई खुशी

रबीउलअव्वल (ईदमिलादुन्नबी) के मौके पर दरगाह साबिर पाक में बड़ी संख्या में उमड़ी जायरीन की भीड़

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। ईद मिलादुन्नबी के मौके पर मदरसा दारुल उलूम कादरिया बरकाते रजा की ओर से भव्य जुलूस-ए-मुहम्मदी निकाला गया। जुलूस में बड़ी संख्या में मदरसे के छात्र और जायरीन शामिल हुए।

जुलूस मदरसे से शुरू होकर दरगाह साबिर पाक, अब्दाल साहब होते हुए पुनः मदरसे पर आकर संपन्न हुआ। इस अवसर पर मदरसा प्रबंधक मौलाना गुलाम नबी नूरी ने देश में अमन-चैन और भाईचारे की दुआ की। ईद मिलादुन्नबी पर कलियर के अलावा बढ़ेड़ी राजपूतान, ज्वालापुर, सुल्तानपुर, गढ़मीरपुर, लक्सर, लंढोरा सहित आसपास के क्षेत्रों से भी जुलूस निकाले गए।इस अवसर मौलाना इस्माईल, मौलाना रिजवान,मौलाना शमीम,कारी गुलाम मोहियुद्दीन, मौलाना इकबाल हाजी सुहैल,हाजी मोईन, हाजी इमरान आदि अकीदतमंद शामिल रहें।

ईदमिलादुन्नबी के मौके पर दरगाह साबिर पाक में उमड़ी जायरीनो की भीड़-साबिर पाक के 757वें सालाना उर्स और 12 रबीउलअव्वल (ईदमिलादुन्नबी) के मौके पर दरगाह साबिर पाक में बड़ी संख्या में जायरीन पहुंचे। उन्होंने दरगाह पर चादर पेश कर अपनी मुरादें और मन्नतें मांगी। इसके साथ ही इमाम साहब, किलकिलि साहब और अन्य दरगाहों पर भी जायरीन ने जियारत की। बड़ी रौशनी के अवसर पर दरगाह को रोशनी से सजाया गया। महफिल खाने में खत्म शरीफ हुआ और दुआएं मांगी गई। इसके बाद महफिले समां का आयोजन किया गया। सज्जादानशीन शाह अली एजाज साबरी कुद्दुसी ने बड़ी रौशनी की रस्म अदा कराई।साहिबजादा शाह यावर एजाज साबरी,पानीपत के सज्जादानशीन सैयद हाफिज मैराज साबरी,शाह खालिक सहित दूर-दराज से आए सूफी,खादिम और जायरीन मौजूद रहें। कार्यक्रम में मुल्क हिंदुस्तान में अमन-चैन और भाईचारे की दुआ की गई। इस दौरान जायरीनों ने भी अपनी-अपनी मन्नतें मांगी।बड़ी रौशनी के दिन सुबह से ही दरगाह में जायरीनों की लंबी कतारें लगी रही। सुरक्षा और व्यवस्था को देखते हुए दरगाह परिसर में किसी को रुकने की अनुमति नहीं दी गई। जायरीनों को एक गेट से प्रवेश कराकर दूसरे गेट से बाहर निकाला गया।इस मौके पर शाह सुहैल,यासिर एजाज, मुनव्वर अली साबरी, नय्यर अजीम फरीदी, असद साबरी, शाह गाजी, सलीम उदयपुरी,सूफी राशिद साबरी, सूफी इसरार साबरी,अदनान हबीब समेत बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए।

ईद मिलादुन्नबी बड़ी धूमधाम से मनाया-रबी-उल-अव्वल के दिन हमारे प्यारे नबी, हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम, दुनिया में तशरीफ लाए थे। इसी खुशी में ईद मिलाद-उन-नबी मनाई जाती है।

लक्सर में मौलवी रिजवान अहमद ने इस मौके पर कहा कि हम सभी को नबी के बताए हुए रास्ते पर चलना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि मुसलमानों को एक-दूसरे की मदद करनी चाहिए और किसी के साथ धोखा नहीं करना चाहिए। यह दिन इबादत और नबी की शिक्षाओं पर चलने का है। आजकल, नबी के दीवाने ईद मिलाद-उन-नबी के जुलूस निकालते हैं और कलियर शरीफ जैसे पवित्र स्थानों पर जाकर इबादत करते हैं। इस साल भी नगला खिताब, बसेड़ी, खादर, बुक्कनपुर, बहादरपुर, खादर, सेठपुर, मख्याली कला, सुल्तानपुर आदमपुर और लालचंद वाला जैसे दर्जनों गांवों के लोग कलियर शरीफ पहुंचे और नबी के बताए हुए रास्ते पर चलकर इबादत की।

सेठपुर गांव में शहजाद विधायक का किया जोरदार स्वागत

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। विधायक मोहम्मद शहजाद का सेठपुर गांव में ढोल नगाड़े के साथ जोरदार स्वागत किया गया यहां शहजाद विधायक एक प्रतिष्ठान का उद्घाटन करने गए थे लेकिन ग्रामीणों का जोश खरगोश देखकर विधायक भी गदगद हो गए। इस अवसर पर विधायक मोहम्मद शहजाद ने कहा कि विरोध करना भी जनता का अधिकार है, लेकिन किसी के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करना सही नहीं है। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने अपने विकास कार्यों के लिए उनसे मुलाकात की थी, लेकिन बाद में उन्होंने सत्ता पक्ष के नेताओं को बुला लिया। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि लक्सर नगर पालिका परिषद में अध्यक्ष को जिताने के लिए उन्होंने कड़ी मेहनत की थी, जिसके कारण आज उस बिरादरी का व्यक्ति अध्यक्ष के पद पर हैउन्होंने यह भी कहा कि विरोध करने से पहले यह सोचना चाहिए कि कौन व्यक्ति हमारे काम आ रहा है। शहजाद विधायक ने पूर्व विधायक पर निशाना साधते हुए कहा कि वे एक बिजनेसमैन हैं और उन्हें आम जनता के कार्यों से कोई लेना-देना नहीं हैइस मौके पर सेठपुर के पूर्व प्रधान चौधरी कटार सिंह ने बताया कि वे तीन दिन पहले विधायक से मिले थे और उन्होंने गांव के रुके हुए विकास कार्यों को पूरा करने का वादा किया था। उन्होंने विधायक मोहम्मद शहजाद का धन्यवाद किया और आशा व्यक्त की कि वे दोबारा भी लक्सर के विधायक बनेंगे।

बीएसएम इंटर कॉलेज में धूमधाम से मनाया गया शिक्षक दिवस

शिक्षक राष्ट्र का निर्माता व छात्रों का भविष्य संवारता है : ममतेश

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। शिक्षक दिवस बीएसएम इंटर कॉलेज रुड़की के सभागार में बड़ी धूमधाम से मनाया गया इस अवसर पर कॉलेज के प्रबंधक ममतेश कुमार शर्मा एडवोकेट वरिष्ठ भाजपा नेता और रजनीश कुमार शर्मा एडवोकेट सचिव बीएसएम शिक्षण संस्थान ने सभी पूर्व प्रधानाचार्य उप प्रधानाचार्य शिक्षक गण और लिपिक वर्ग के कर्मचारी और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा की देश के पहले उपराष्ट्रपति और दूसरे राष्ट्रपति ने अपने जन्मदिन को शिक्षकों को समर्पित किया था और तब से पूरा देश 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाता है। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा की शिक्षक राष्ट्र निर्माता होता है और माता-पिता से भी बड़ा स्थान और भगवान से भी बड़ा स्थान गुरु का होता है गुरुर ब्रह्मा गुरुर विष्णु गुरुर देवो महेश्वराय गुरुर साक्षात परम ब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः इस अवसर पर उन्होंने सभी सेवानिवृत शिक्षकों और कार्यरत शिक्षकों को शाल और स्मृति चिन्ह भेंट कर कर उन्हें सम्मानित किया कार्यक्रम से पूर्व मुख्य अतिथि और अन्य अतिथियों ने कीर्ति शेष स्वर्गीय श्री मनोहर लाल शर्मा एडवोकेट पूर्व राज्य मंत्री उत्तराखंड सरकार मां सरस्वती और सर्वपल्ली डॉक्टर राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की इस अवसर पर कॉलेज के विद्वान प्रधानाचार्य कैप्टन अजय कौशिक ने सभी पूर्व प्रधानाचार्य उप प्रधानाचार्य शिक्षकों और कर्मचारियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया और कहा कि आप सबने अपने कार्यकाल में विद्यालय को उन्नति के शिखर पर पहुंच आया है इस अवसर पर पूर्व प्रधानाचार्य आईडी कंसल राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त प्रधानाचार्य श्री आरडीएस कपिल पूर्व प्रधानाचार्य राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त प्रधानाचार्य वासुदेव पंत प्रधानाचार्य श्री गोपाल अग्रवाल जी प्रधानाचार्य श्री मदन लाल जी प्रधानाचार्य ए के सिंह विनोद शर्मा एसके तोमर आरपी शर्मा चंद्रपाल कुलबीर पुंडीर आनंद प्रकाश आत्माराम ओमप्रकाश विद्यालय में स्वागत किया और स्मृति चिन्ह देखकर सम्मान किया गया इस अवसर पर उप प्रधानाचार्य अमित कपिल अखिलेश मोहन डॉ अभय डॉक्टर राजपूत नीरज वर्मा डीएन पांडे प्रमोद शर्मा शैलेंद्र पवन कपिल विनय वर्मा कमल मिश्रा विशाल शर्मा नितिन मिश्रा अंकित कौशिक आदि कर्मचारी उपस्थित रहे।

बदमाशों ने तमंचे के बल पर दूधिये से 12 हजार लूटे

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेड़ा। थाना क्षेत्र के गांव में गाय भैंस का दूध निकाल कर बेचने का काम करने वाले एक व्यक्ति से गुरुवार देर शाम तमंचे के बल पर तीन बदमाशों 12000 रुपए लूट कर फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस भी आरोपी की तलाश में छुटी है लेकिन सुराग नहीं लगा।

जानकारी के अनुसार ग्राम नन्हेड़ा अनंतपुर निवासी दूध का काम करने वाले वसीम अहमद ने थाने में तहरीर देकर बताया कि वह गुरुवार देर शाम ग्राम डेलना में भैंसों का दूध निकालने के लिए बाइक से जा रहा था। जैसे ही वह ग्राम डेलना से कुछ पहले आईटीआई स्कूल के पास पहुंचा तो उसी समय गन्ने के खेत से अचानक तीन बदमाश निकाल कर उसकी बाइक के सामने आ गए तथा बाइक को रोक लिया। उक्त बदमाशों ने तमंचा दिखाते हुए उसके हाथ पर डंडे से वारकर उसे घायल करते हुए उसकी जेब से जबरदस्ती 12000 लूट लिए तथा उसके फोन को भी खेत में फेंक कर खेतों के रास्ते फरार हो गए। एस आई जय सिंह राणा का कहना है कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

भगवान गोगा वीर मंदिर में मेले का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेड़ा। कस्बे के बस अड्डा अमर जवान चौक के पास स्थित भगवान गोगा वीर मंदिर में प्रतिवर्ष की तरह मेले का आयोजन किया गया। शुक्रवार सुबह से ही गोगा वीर मंदिर में भक्तों द्वारा धूप दीप कर प्रसाद अर्पित करने वालों की भीड़ लगी रही। जो पूरे दिन चलती रही। कस्बे में स्थित अमर जवान चौक के पास भगवान गोगा वीर मंदिर में शुक्रवार को हवन यज्ञ कर पूजा पाठ किया गया ।शुक्रवार को सुबह से लेकर पूरे दिन मंदिर में गोगा वीर के भक्तों द्वारा धूप दीप तथा प्रसाद अर्पित कर सुख शांति की कामना की गई।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष को मंगलौर में टटोला कार्यकर्ताओं का मन

संगठन की मजबूती को आम लोग व कार्यकर्ताओं से ली जा रही राय : तिवारी

शाह टाइम्स संवाददाता

मंगलौर। उत्तराखंड में कांग्रेस को मजबूत करने के लिए कांग्रेस पार्टी कार्यकर्ता को मजबूत करने में जुट गई है। कांग्रेस कमेटी को मजबूत किए जाने को लेकर जिलेभर में जिलाध्यक्ष बनाए जाने की तैयारियां शुरू हो चुकी है। जिसको लेकर मंगलौर के एक निजी बैंकट हाल में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में प्रखंड के सभी वरिष्ठ कार्यकर्ताओं से एक-एक कर जिलाध्यक्ष के चयन को लेकर रायशुमारी की गई। मंगलौर बैठक में पहुंचे कांग्रेस राष्ट्रीय सचिव व मंगलौर व विधायक काजी निजामुद्दीन व पर्यवेक्षक राजेश तिवारी ने कहा कि पूरे देश में इस समय रायशुमारी का यह कार्यक्रम चल रहा है. सभी स्थानों में केंद्र द्वारा पर्यवेक्षक प्रतिनियुक्त किये गए हैं जो रायशुमारी का कार्य कर रहे हैं. कांग्रेस पार्टी ने तय किया है कि संगठन के मजबूती के लिए सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में भी प्रखंड स्तरीय कार्यकर्ताओं से विचार विमर्श कर जिलाध्यक्ष का चयन किया जाना चाहिए। अध्यक्ष कौन बनेगा और कौन नहीं बनेगा, ये कार्यकर्ताओं की रायशुमारी के बाद तय होगी. कार्यकर्ता इसका ध्यान रखें कि किसके अध्यक्ष बनने से पार्टी का संगठन मजबूत होगा। 16 सितंबर तक रायशुमारी में चयनित गए नामों को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाना है। इस कार्यक्रम में कांग्रेस के कई बड़े नेता मौजूद रहे।

हर्षोल्लास से मनाया शिक्षक दिवस

झबरेड़ा। कस्बे में स्थित स्कूल कॉलेज में शिक्षक दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। शिक्षक दिवस पर स्कूलों में सांस्कृतिक कार्यक्रम भाषण प्रतियोगिताएं तथा कविताएं छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत की गई। छात्र छात्राओं द्वारा शिक्षकों को फूल पेन आदि देकर गुरुओं से आशीर्वाद प्राप्त किया। कस्बे में स्थित चौधरी भरत सिंह डीएवी इंटर कॉलेज रॉयल पब्लिक स्कूल तथा एंबीशन पब्लिक स्कूल आदि में शिक्षक दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया। शिक्षक दिवस पर एंबीशन स्कूल प्रबंध निदेशक विश्वास सिंह पवार तथा स्कूल निदेशक सोनम पवार ने कहा कि प्रत्येक बच्चे का पहला गुरु उसकी मां होती है।

क्षेत्र में बढ़ रहे सड़क हादसों को लेकर एसपी देहात को सौंपा ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। झबरेड़ा एवं आसपास क्षेत्र में बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं के गंभीर मुद्दे पर पूर्व चेयरमैन हितेश शर्मा व युवा नेता शोभी शर्मा के नेतृत्व में झबरेड़ा व आस पास क्षेत्र के ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक ग्रामीण महोदय से मुलाकात की।

मुलाकात में प्रमुख रूप से ओवरलोडिंग, ओवरस्पीडिंग और नशे में ड्राइविंग को रोकने तथा नर्सन बॉर्डर और बीरपुर बॉर्डर पर तत्काल सख्त चेकिंग अभियान शुरू करने की मांग रखी गई। जनता की परेशानी और बढ़ते हादसों को देखते हुए एसपी ग्रामीण महोदय ने इस पर तत्काल कार्यवाही का आश्वासन दिया है। जनता की सुरक्षा हमारी पहली प्राथमिकता है। अब और किसी परिवार को हादसों की वजह से अपने अपनों को खोना न पड़े ख यही हमारा संकल्प है। इस अवसर पर झबरेड़ा से सभासद जसवीर चौधरी,पूर्व सभासद रोशन वाल्मीकि,यास्पल शर्मा,डॉ प्रीतम शर्मा,सुभाष धीमन,अश्वनी त्यागी,महेंद्र उपाध्याय,धीरज प्रजापति,अभय सैनी,अंश सैनी,दिव्यांश गौड़,दिव्यांश सिंघल,गौरव प्रजापति,राहुल प्रजापति सहित आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

गोकशी में दो महिला सहित तीन गिरफ्तार एक जिंदा व दो कटी हुई गाय बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। सफरपुर गांव में एक मकान के आंगन में संरक्षित पशुओं के कटान होने की सूचना पर गंगनहर कोतवाली पुलिस ने छापा मारा। इस दौरान पुलिस ने मौके से तीन कटे हुए गोवंश बरामद करने के साथ ही एक जिंदा गोवंश बरामद किया हैं। पुलिस ने मौके से दो महिलाओं समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया हैं। गंगनहर कोतवाली के एसएसआई अजय शाह ने बताया कि शुक्रवार की सुबह सूचना मिली कि सफरपुर गांव में स्थित एक घर के आंगन में कुछ लोगों के द्वारा गौकशी की जा रही है। उन्होंने बताया कि उच्च अधिकारियों को सूचना देने के साथ कोतवाली प्रभारी आरके सकलानी के नेतृत्व में मौके पर छापेमारी की गई तो एक घर के आंगन में कुछ लोग गोकशी कर रहे थे। उनके द्वारा तीन गोवंश को काटा गया था इसके साथ ही एक जिंदा गोवंश को भी मौके पर काटने के लिए तैयारी की जा रही थी। इस दौरान पुलिस ने गोमांस बरामद करने के साथ ही तीन आरोपियों को हिरासत में लिया हैं।

शिक्षक दिवस पर बीएसएम पीजी कॉलेज के प्राचार्य गौतम वीर सम्मानित

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। भारत के पूर्व राष्ट्रपति व भारत रत्न से सम्मानित शिक्षाविद डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर 84 उत्तराखंड वाहिनी एनसीसी, रुड़की के वरिष्ठ प्रशिक्षण अधीक्षक रवि कपूर द्वारा बीएसएम (पीजी) कॉलेज, रुड़की के प्राचार्य मेजर (डॉ) गौतम वीर को पुष्पगुच्छ भेट कर सम्मानित किया गया व उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। गौतमवीर के प्रभार संभालने के बाद से उनके द्वारा एनसीसी में सहयोगी एनसीसी अधिकारी के दायित्व का निर्वहन किया जा रहा है व इनके मार्गदर्शन में बीएसएम (पीजी) कॉलेज, रुड़की के कैडेट्स द्वारा नित नए आयाम स्थापित किये जा रहे है जिसमे एसयूओ सुमन जोशी का वर्ष 2024 में यूथ एक्सचेंज कार्यक्रम के तहत किर्जग रिपब्लिक जाना व आज कैडेट्स द्वारा सम्पूर्ण भारत वर्ष में महाविद्यालय का नाम रोशन किया जाना इनके 25 वर्ष के अनुभव व मार्गदर्शन से ही संभव हो पाया है । इनके मार्गदर्शन में महाविद्यालय के अन्य छात्र-छात्रायें भी सिविल सर्विसेज, पुलिस, आर्मी जैसे संस्थानों में रोजगार प्राप्त कर अपना भविष्य बना रहे । इस अवसर पर आनंद स्वरूप आर्य सरस्वती विद्या मंदिर, रुड़की के कनिष्ठ स्कंध सहयोगी एनसीसी अधिकारी सेकंड ऑफिसर नीरज नौटियाल द्वारा भी प्राचार्य महोदय को सम्मानित किया गया । इस अवसर डॉ संदीप पोसवाल, प्रो अलका तोमर, डॉ सुनीता कुमारी, डॉ इंदु अरोरा, अमित शर्मा, लेखाकार आदि उपस्थित रहे।

आईआईटी रुड़की के 25वें दीक्षांत समारोह में 2614 छात्रों को मिली डिग्री, वंश सैनी राष्ट्रपति पदक से सम्मानित

स्टार्टअप आंदोलन में आईआईटी का मुख्य योगदान : जितेंद्र सिंह

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। आईआईटी रुड़की द्वारा 25 वाँ दीक्षांत समारोह मनाया गया। समारोह को मुख्य अतिथि-भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने संबोधित किया। समारोह में 1,267 स्नातक, 847 स्नातकोत्तर एवं 500 पीएचडी सहित कुल 2,614 उपाधियाँ प्रदान की गई।

1847 में एशिया के पहले इंजीनियरिंग कॉलेज के रूप में स्थापित भारतीय प्रौद्योगिकी के 25वें दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि प्रौद्योगिकी केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि देशभर में 1.7 लाख स्टार्टअप्स में से लगभग 240 स्टार्टअप्स के साथ आईआईटी रुड़की भारत के स्टार्टअप आंदोलन में एक बड़ा योगदान दे रहा है। इसके साथ ही आईआईटी के नौ उत्कृष्टता केंद्र, आपदा जोखिम, लचीलापन एवं स्थिरता के क्षेत्र में अग्रणी कार्य एवं वाइब्रेंट विलेज जैसी पहलों के माध्यम से स्थानीय समुदायों के साथ संस्थान की गहरी भागीदारी एक शैक्षणिक संस्थान का सच्चा आदर्श बनाती है। हिमालय में स्थित होने के कारण संस्थान की भूमिका न केवल आपदाओं के दौरान महत्वपूर्ण है। बल्कि उस समय भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जिसे मैं शांतिकाल कहता हूँ। जहां आईआईटी रुड़की जैसे संस्थान राष्ट्र के लिए लचीलापन, स्थिरता एवं विकास का निर्माण करने में सहायता करते हैं। मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त आईएएस प्रो. (डॉ.) निर्मलजीत सिंह कलसी ने अपने संस्थान में लौटने पर गहरा आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आईआईटी रुड़की अपनी 176 साल की विरासत के साथ अकादमिक उत्कृष्टता एवं राष्ट्रीय सेवा का प्रतीक बना हुआ है। उन्होंने कहा, "आज यहाँ खड़े होना मेरे लिए बेहद गर्व की बात है-न केवल एक पूर्व छात्र के रूप में, बल्कि एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जिसे भारत की शिक्षा व कौशल परिवर्तन में योगदान करने का सौभाग्य मिला है। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभाने में सस्थान की भूमिका की प्रशंसा की व नवोन्मेषकों और समस्या समाधानकर्ताओं की पीढ़ियों को पोषित करने के लिए संकाय सदस्यों को धन्यवाद दिया। उन्होंने डिग्री धारकों को कहा, "आप केवल उपाधि प्राप्त कर रहे हैं आपको एक जिम्मेदारी विरासत में प्राप्त हो रही है। विनम्रता, उद्देश्य व साहस साथ आईआईटी रुड़की की विरासत को आगे बढ़ाएँ।" उन्होंने, छात्रों एवं उनके परिवारों को देते हुए, उन्हें भारत के साझा राष्ट्रीय दृष्टिकोण विकसित भारत/2047 की याद दिलाई। अभिशासक परिषद के अध्यक्ष बीडीआर मोहन रेड्डी ने कहा दीक्षांत समारोह गर्व एवं जिम्मेदारी का होता है। आईआईटी को ऐसे नवाचारों का निर्माण करके आत्मनिर्भर भारत को आगे बढ़ाना चाहिए किफायती मापनीय एवं प्रभावशाली हो। उन्होंने स्नातकों से आग्रह करते हुए कहा कि वे बड़े सपने देखें निडर होकर नवाचार करें व उद्देश्यपूर्ण नेतृत्व करें क्योंकि हम विकसित भारत 2047 की और बढ़ रहे हैं।"संस्थान निदेशक प्रो. केके पंत ने संस्थान की उपब्धियों के बारे में बताते हुए कहा क्यूएस वर्ल्ड किंग 339 और लगातार चौथे वर्ष वास्तुकला एवं नियोजन में शीर्ष एनआईआरएफ बैंक के साथ आईआईटी की ठीक प्रतिष्ठा एवं उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। वर्ष के दौरान, संस्थान ने 146 पैटेंट दायर किए, अनुस्याल निधि में 399 करोड़ प्राप्त किए, क्वांटम प्रौद्योगिकी, स्वच्छ ऊर्जा एवं हाइड्रोजन, रक्षा कलाधन प्रबंधन व स्थिरता में परियोजनाएं शुरू की।इस वर्ष एक प्रमुख उपलब्धि यह रही कि आईआईटी रुड़की को खान मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन (एनसीएमएम) के अंतर्गत उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) के रूप में नामित किया गया। दीक्षांत समारोह की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए निदेशक पी. के.के. पंत ने कहा, दीक्षांत समारोह उपलब्धि एवं आकांक्षा दोनों का उत्सव है। आईआईटी रुड़की में, हमारा मिशन विश्वस्तरीय शिक्षा व अनुसंधान प्रदान करना है और यह सुनिश्चित करना है कि नवाचार, स्थिरता और स्वच्छ ऊर्जा से लेकर महत्वपूर्ण खनिजों, रक्षा एवं आपदा प्रतिरोधक क्षमता तक, देश की रणनीतिक प्राथमिकताओं को सीधे संबोधित करें। उन्होंने कहा स्नातकों पर बहुत गर्व है, जो उत्कृष्टता की इस विरासत को आगे बढ़ाएंगे और 2047 तक एक विकसित भारत के निम्रर्माण में एक परिवर्तनकारी भूमिका निभाएंगे।

इस अवसर पर पांच छात्रों को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। जिसमें वंश सैनी को राष्ट्रपति स्वर्ण पदक,हार्दिक साहनी निदेशक स्वर्ण पदक, श्रेया मित्तल को पूर्व राष्ट्रपति डॉक्टर शंकर दयाल शर्मा स्वर्ण पदक,बालगा पवन साई को संस्थान रजत पदक एवं अनवद्य खरे को संस्थान कांस्य पदक मिला। शिक्षक दिवस 2025 पर, आईआईटी रुड़की ने अपने संकाय सदस्यों को शिक्षण एवं अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया। प्रोफेसर स्पर्श मित्तल (ईसीई), प्रोफेसर ए. स्वामीनाथन (गणित), एवं प्रोफेसर जितिन सिंगला (जैव विज्ञान एवं जैव अभियांत्रिकी) को उत्कृष्ट शिक्षण पुरस्कार (स्नातक श्रेणी) प्रदान किया गया।

सम्पादकीय

शनिवार, 6 सितम्बर 2025

ट्रम्प की हताशा

रूस से तेल खरीद को लेकर अमेरिका ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ तो लगा दिया, लेकिन देखने में आ रहा है कि इस फैसले से वह भारत से ज्यादा स्वयं परेशान दिखाई दे रहा है। यह आए दिन अमेरिकी प्रशासन से आए बयानों से भी झलकता है। शुक्रवार को भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोशल मीडिया ट्वीट पर पोस्ट में एक तस्वीर शेयर की है, इस तस्वीर में रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन, पीएम मोदी और चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग नजर आ रहे हैं।

यह तस्वीर चीन में हाल ही में संपन्न हुए शंघाई शिखर सम्मेलन के दौरान की है। जहां तीनों नेता मिले थे। ट्रम्प ने अपनी पोस्ट में लिखा है कि उन्हें लगता है कि हमने भारत और रूस को गहरे अंधकार में चीन के हाथों खो दिया है। पोस्ट में वह यह भी कहते नजर आ रहे हैं कि ईश्वर करे कि उनका भविष्य लंबा और स्मृद्ध हो। जाहिर है, पुतिन, जिनपिंग और पीएम मोदी की तिगड़ी से डोनाल्ड ट्रम्प काफी परेशान नजर आ रहे हैं। जहां तक बात भारत की है, जब साप्ताहिक प्रेस कान्फ्रेंस में शुक्रवार को इस पोस्ट को लेकर भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल से सवाल पूछा गया तो उन्होंने साफ कहा कि इस पोस्ट पर उनकी कोई टिप्पणी नहीं है। असल में भारत से टैरिफ को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति अपने घर में भी घिरते जा रहे हैं। कई अमेरिकी अधिकारियों ने राष्ट्रपति ट्रम्प को भारत के साथ संबंध सुधारने की नसीहत दी है। इसमें पूर्व अमेरिकी एनएसए जॉन बोल्टन, पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार सुलविन और पूर्व विदेश मंत्री कैम्बेल शामिल हैं। इन तमाम लोगों का कहना है कि भारत पर टैरिफ लगाकर अमेरिका ने जहां चीन को बड़ा मौका दिया है कि वह विश्व मंच पर अपनी पहचान बनाए, वहीं उसने अपने एक रणनीतिकार दोस्त को भी खोने का काम किया है, क्योंकि नेताओं की नजर में भारत ही एक ऐसा देश है जो चीन की मनमानी को रोक सकता है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने ट्रम्प के करीबी पीटर नवारो के बयान जिस तरह भारत के संबंध में आ रहे हैं, उनको सख्ती से खारिज किया है। विदेश मंत्रालय ने साफ किया है कि नवारो के बयान न केवल गलत हैं बल्कि भयावह भी हैं। विदेशी मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने प्रेस कान्फ्रेंस में कहा कि भारत-अमेरिका के रिश्ते गहरे हैं और इन्हें भ्रामक बयानों से प्रभावित नहीं किया जा सकता। भारत का यह भी कहना है कि भारत और अमेरिकी व्यापक रणनीतिक साझेदारी साझा करते हैं। यह लोगों के बीच मजबूत रिश्तों पर आधारित है। जायसवाल ने संबंधों को आगे बढ़ाने की बात भी कही और उन्होंने क्वाड को जिसमें भारत, अमेरिका, जापान और आस्ट्रेलिया शामिल हैं साझा हितों पर चर्चा के लिए महत्वपूर्ण मंच बताया। मतलब साफ है कि भारत अपने विकल्प तलाश कर रहा है, जोकि उसका अधिकार है, क्योंकि हर राष्ट्र को अपने हितों के अनुरूप आगे बढ़ने का हक है, लेकिन भारत किसी भी गुट में शामिल नहीं है, जैसीकि ट्रम्प कह रहे हैं। भारत की विदेश नीति स्वतंत्र और अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप है।

व्यक्ति को सक्षम बनाती है शिक्षा

भोजन, वस्त्र और आवास की तरह शिक्षा भी व्यक्ति के सम्मान और सुरक्षा के लिए आवश्यक है, समझदार शिक्षक बच्चों में सम्मान और सुरक्षा की भावना पैदा करते हैं, शिक्षा व्यक्ति को सक्षम बनाती है, शिक्षा की शक्ति से गरीब से गरीब पृष्ठभूमि के बच्चे भी उन्नति के आसमान को छू सकते हैं, बच्चों की उड़ान को बल देने में स्नेही और समर्पित शिक्षक सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, शिक्षकों का सबसे बड़ा पुरस्कार यही है कि उनके विद्यार्थी उन्हें जीवन भर याद रखें और परिवार, समाज और देश के लिए सराहनीय योगदान दें, विद्यार्थियों का चरित्र निर्माण एक शिक्षक का प्राथमिक कर्तव्य है, एक अच्छे शिक्षक में भावनाएं और बुद्धि दोनों होती हैं।

द्रौपदी मुर्मु, राष्ट्रपति

सरकारी स्कूलों को जिंदा रहने दें 'प्लीज'

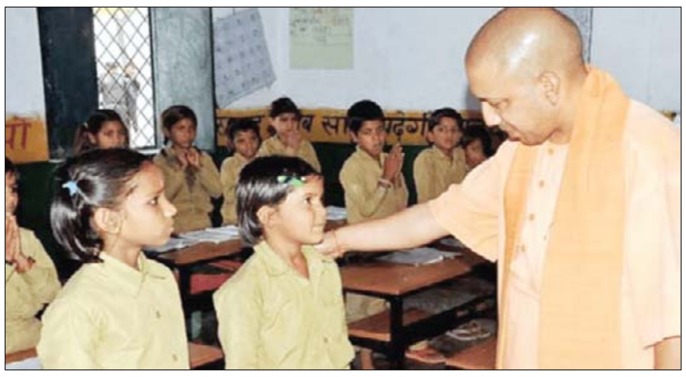

पवन सिंह

सरकारी स्कूलों को जिंदा रहने दीजिए प्लीज। न बंद करिए न ही किसी दूर के विद्यालयों में समाहित करिए। इन बच्चों को कोई स्कूल बस लेने नहीं आती। कोई स्कूल का रिक्शा लेने नहीं आता। इनके मां-बाप कार, स्कूटर, बाइक से छोड़ने नहीं आते। इन बच्चों से कांपती हुई छत मत छीनिए। टूटा हुआ बाथरूम चलेगा। पानी भी वे स्कूल के बाहर किसी हैंडपंप से पी लेंगे। आप सोने से धर्म स्थलों के गुंबद सजाएं और लाखों दीए जलाएं। कोई दिक्कत नहीं है। लेकिन ये टूटे हुए स्कूल, इन बच्चों के लिए छोड़ दीजिए। नेचर के न्याय से डरिए। आप क्रूरतम हो जाइए, यह भी चलेगा, लेकिन स्कूल चलने दीजिए। ये बच्चे आपसे कभी कुछ नहीं मांगते। आप चाहें तो ड्रेस और स्कूल बैग भी मत दीजिए। मत दीजिए स्वेटर। यह फटी कमीज और झोला लेकर भी चले जाएंगे। आप धार्मिक यात्रियों पर हेलीकॉप्टर से फूल बरसाइए या हाइवे के ऊपर हाईवे बनाइए, लेकिन इन बच्चों से स्कूल मत छीनिए सर।

इन बच्चों ने कभी आपसे कोई शिकवा-शिकायत नहीं की। कभी आपके खिलाफ सड़कों पर नहीं उतरे। कभी आपके खिलाफ नारे नहीं लगाए। बंद कर दीजिए मिड-डे-मील भी। यह अपने घर से रोटी, नमक और प्याज ले आएंगे। पहले भी लाते थे, लेकिन आप से खाना नहीं मांगेंगे। स्कूल क्यों बंद कर दिए साहेब। जिन अफसरों की सलाह पर यह पाप हुआ है। वे एक दिन इस अपराध का प्रकृतिजनित दंड जरूर भोगेंगे। बंद स्कूलों के गेटों पर रोते हुए बच्चों के वीडियो भी आप की आंखों को नम नहीं कर सके। स्कूलों में मास्टर नहीं जाते। या कम जाते हैं तो यह प्रशासनिक लापरवाही थी। कुछ इस तरह के मानक बनाते कि मास्टर का घर और स्कूल 20-25 किलोमीटर के क्षेत्रफल में होता। गांव के लोगों की समितियां बनाकर मास्टर की उपस्थिति पर नजर रखते, लेकिन सीधे स्कूल ही बंद कर दिए। अब तो उत्तर प्रदेश सरकार ने कम छात्र संख्या वाले परिषदीय विद्यालयों को बंद करने का आदेश जारी कर ही दिया है। स्कूलों को सम्बद्ध करने से 27,000 परिषदीय विद्यालय बंद होंगे या बंद हो गए हैं और करीब 1 लाख 35 हजार सहायक शिक्षक व 27 हजार प्रधानाध्यापक के पद खत्म। शिक्षामित्रों व रसोइयों की सेवाएं भी खत्म। कक्षा 8 तक के सरकारी स्कूलों को एक बेहद शर्मनाक निर्णय के तहत निपटाने का खेल पूरा हुआ। ऐसा नहीं है कि यह खेल उत्तर प्रदेश में ही खेला गया। देश में पिछले 10 सालों में तमाम स्कूल निपटा दिए गए। उत्तर प्रदेश में परिषदीय स्कूलों की कुल संख्या 1 लाख 32 हजार है। जिन स्कूलों में भी छात्रों की संख्या 50 से कम है वो किसी और स्कूल के साथ मर्ज हो जाएंगे मर्ज हो रहे हैं। अब अगर स्कूलों के रास्ते में कोई नदी, हाईवे, रेलवे ट्रैक, नाला। आ रहा है तो वे स्कूल भी मर्ज हो जाएंगे। केवल लखनऊ में ही ऐसे 445 प्राइमरी और अपर प्राइमरी स्कूलों की विलय प्रक्रिया शुरू हो रही है। ASER 2024 रिपोर्ट के अनुसार सरकारी स्कूलों में शिक्षा पर व्यय GDP का सिर्फ 4.6% है, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति NEP 2020 द्वारा निर्धारित 6% के लक्ष्य से काफी कम है। जबकि विश्व में शिक्षा पर सबसे ज्यादा जीडीपी खर्च करने वाले देशों में सोलोमन द्वीप समूह लगभग 12.6%, ग्रीनलैंड 10.5%, नामीबिया 9.64% व बोलीविया 9.84% के नाम सामने आते हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका ने वर्ष, 2020 में अपने सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 6.05 प्रतिशत शिक्षा पर खर्च किया था और आज भी उसका शिक्षा पर बजट जबरदस्त है। सऊदी अरब ने भी वर्ष, 2023 में शिक्षा पर अपने जीडीपी का 7.81 प्रतिशत खर्च किया, जो आज भी लगभग इसके आसपास ही है। चिली जैसा छोटा सा देश उच्च शिक्षा पर जीडीपी का 2.4 प्रतिशत खर्च करता है। स्वीडन व ऑस्ट्रेलिया भी उन देशों की फेहरिस्त में शामिल हैं जो शिक्षा पर अच्छा-खासा बजट खर्च करते हैं। अपने देश में विगत 10 सालों में (2014-15 से 2023-24 तक) सरकारी स्कूलों की संख्या में 8% की कमी आई है। जबकि इसके विपरीत निजी स्कूलों की संख्या इन्हीं 10 सालों में 14.9% बढ़ी है। यह डाट लोकसभा में खुद ही सरकार प्रस्तुत कर चुकी है। आंकड़ों के अनुसार वर्ष, 2014-15 और 2023-24 के बीच सरकारी स्कूलों की संख्या 11 लाख 7 हजार 101 से घटकर 10 लाख 17 हजार 660 रह गई। इसके विपरीत निजी स्कूलों की जो संख्या 2 लाख 88 हजार 164 थी वह इसी बीच बढ़कर 3 लाख 31 हजार 108 हो गई।

अब तो उत्तर प्रदेश सरकार ने कम छात्र संख्या वाले परिषदीय विद्यालयों को बंद करने का आदेश जारी कर ही दिया है। स्कूलों को सम्बद्ध करने से 27,000 परिषदीय विद्यालय बंद होंगे या बंद हो गए हैं और करीब 1 लाख 35 हजार सहायक शिक्षक व 27 हजार प्रधानाध्यापक के पद खत्म। शिक्षामित्रों व रसोइयों की सेवाएं भी खत्म। कक्षा 8 तक के सरकारी स्कूलों को एक बेहद शर्मनाक निर्णय के तहत निपटाने का खेल पूरा हुआ। ऐसा नहीं है कि यह खेल उत्तर प्रदेश में ही खेला गया। देश में पिछले 10 सालों में तमाम स्कूल निपटा दिए गए। उत्तर प्रदेश में परिषदीय स्कूलों की कुल संख्या 1 लाख 32 हजार है। जिन स्कूलों में भी छात्रों की संख्या 50 से कम है वो किसी और स्कूल के साथ मर्ज हो जाएंगे मर्ज हो रहे हैं। अब अगर स्कूलों के रास्ते में कोई नदी, हाईवे, रेलवे ट्रैक, नाला। आ रहा है तो वे स्कूल भी मर्ज हो जाएंगे। केवल लखनऊ में ही ऐसे 445 प्राइमरी और अपर प्राइमरी स्कूलों की विलय प्रक्रिया शुरू हो रही है। ASER 2024 रिपोर्ट के अनुसार सरकारी स्कूलों में शिक्षा पर व्यय GDP का सिर्फ 4.6% है, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति NEP 2020 द्वारा निर्धारित 6% के लक्ष्य से काफी कम है।

प्राप्त आंकड़ों के अनुसार हिंदूवादी प्रयोगशाला वाले दो सबसे महत्वपूर्ण राज्यों मध्य प्रदेश व उत्तर प्रदेश में क्रमशः 29 हजार 410 व 25 हजार 126 स्कूल निपट गए। अन्य राज्यों में क्रमशः जम्मू कश्मीर में 21.4%, ओडिशा में 17.1%, अरुणाचल प्रदेश में 16.4%, नागालैंड में 14.4%, झारखंड में 13.4%, गोवा में 12.9% और उत्तराखंड में 8.7% सरकारी स्कूल कम हो गए। मैंने कहीं एक लेख पढ़ा था जो आज भी याद है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद ब्रिटेन में क्लेमेंट एटली के नेतृत्व वाली लेबर पार्टी की सरकार बनी। एटली ने लगभग हर मद को घटा दिया लेकिन शिक्षा के बजट को कम नहीं किया। उल्टा शिक्षा के बजट को यह कह कर बढ़ा दिया कि युद्ध से जो नुकसान हुआ है वह एक दिन पूरा हो जाएगा लेकिन अगर एक पीढ़ी शिक्षा से वंचित हो गई तो इसका नुकसान कोई नहीं भर पाएगा। यही कारण है कि औद्योगिक क्रांति करने वाला पहला देश भी ब्रिटेन बना और वह ग्रेट ब्रिटेन इस लिए बना क्योंकि उसने शिक्षा के साथ समझौता नहीं किया।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

क्या आंतों में छिपा है अवसाद का राज

सबसे बड़ी रुकावट तो यह है कि कंपनियां इसमें भारी निवेश नहीं करना चाहतीं क्योंकि दवा कंपनियां दवाइयों पर तो पेटेंट ले सकती हैं, उन्हें आसानी से बेच सकती हैं और मुनाफा कमा सकती हैं। लेकिन प्रोबायोटिक्स या डाइट प्लान को इस तरह बेचना मुश्किल है। अवसाद या मानसिक समस्याओं से पीड़ित लोगों के सूक्ष्मजीव संसार पर आधारित इलाज एक नया नजरिया है। यह मानसिक बीमारियों को देखने की धारणाओं को भी बदल सकता है। अब मानसिक रोगों को सिर्फ दिमाग की गड़बड़ी नहीं, बल्कि शरीर, सूक्ष्मजीवों और मन के बीच जटिल संवाद का नतीजा माना जा सकता है।

अवसाद आज दुनिया की सबसे आम मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है, जो व्यक्ति के सोचने, महसूस करने और जीने के तरीके को प्रभावित करती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, दुनिया भर में लगभग 28 करोड़ लोग यानी करीब 5 प्रतिशत वयस्क अवसाद से पीड़ित हैं।

गौरतलब है कि लंबे समय से अवसाद और चिंता को दिमाग की रासायनिक प्रक्रिया, जीन या जीवन की परिस्थितियों से जोड़ा जाता रहा है। लेकिन अब शोध से यह पता चला है कि हमारी आंतों में मौजूद सूक्ष्मजीव संसार – यानी बैक्टीरिया, फफूंद और अन्य सूक्ष्मजीवों का विशाल संसार – हमारे मूड को नियंत्रित करने में बड़ी भूमिका निभाता है। शुरुआत में वैज्ञानिकों ने बस एक सह-सम्बंध देखा थारू जिन लोगों को अवसाद या चिंता थी, उनके आंतों में पाए जाने वाले सूक्ष्मजीव स्वस्थ लोगों से अलग थे। फिर 2016 के दो अलग-अलग अध्ययनों में जब अवसाद से पीड़ित मनुष्यों की विष्ठा चूहों की आंत में डाली गई, तो चूहों में भी अवसाद जैसे लक्षण दिखने लगे। वे आनंद या खुशी का अनुभव करने में रुचि खो बैठे, उनमें चिंता जैसी हरकतें दिखीं और उनके मस्तिष्क की रासायनिक प्रक्रियाएं भी बदल गईं। इस खोज से यह स्पष्ट हुआ कि मानसिक बीमारियां सिर्फ जीन या किसी सदमे से नहीं होतीं, बल्कि सूक्ष्मजीवों के जरिए भी 'स्थानांतरित' हो सकती हैं। इससे एक नया सवाल उठारू अगर अस्वास्थ्यकर सूक्ष्मजीव बीमारी फैला सकते हैं, तो क्या स्वस्थ सूक्ष्मजीव हमें फिर से स्वस्थ बना सकते हैं?

जवाबों की ओर पहला कदम

इससे प्रेरित होकर, युनिवर्सिटी ऑफ कैलगरी की मनोचिकित्सक वैलेरी टेलर ने मनुष्यों पर परीक्षण शुरू किए। उन्होंने बाइपोलर डिसऑर्डर जैसी बीमारियों से शुरुआत की जिन्हें ठीक करना सबसे मुश्किल माना जाता है। उनका सोचना था कि अगर उस मामले में विष्ठा सूक्ष्मजीव प्रत्यारोपण फीकल माइक्रोबायोटा ट्रांसप्लांट कारगर साबित होता है, तो यह अन्य बीमारियों में भी मदद कर सकता है। शुरुआती अध्ययनों में दिखा कि आंतों के सूक्ष्मजीव संसार में बदलाव से मूड बेहतर हो सकता है। हालांकि FMT हर व्यक्ति पर एक जैसा असर नहीं करता, लेकिन कुछ मरीजों के लिए यह जिंदगी बदल देने वाला साबित हुआ। लेकिन एक समस्या है FMT से यह स्पष्ट नहीं हो पाता कि कौन-से विशेष सूक्ष्मजीव इसके लिए जिम्मेदार हैं। यह किसी खास बैक्टीरिया को नहीं बल्कि पूरे सूक्ष्मजीव संसार का पुनर्गठन करता है। शुरुआत के लिए तो ठीक है, लेकिन बहुत सटीक नहीं। इसी कमी को दूर करने के लिए वैज्ञानिक अब साइकोबायोटिक्स पर काम कर रहे हैं – यानी ऐसे फायदेमंद बैक्टीरिया प्रोबायोटिक्स के रूप में जो मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर करते हैं। कुछ छोटे मानव परीक्षण बताते हैं कि इलाज के लिए अपने आप में इनकी क्षमता सीमित है, लेकिन साइकोबायोटिक्स अवसादरोधी दवाइयों का असर बढ़ा सकते हैं।

इस सम्बंध में वैज्ञानिकों का ध्यान आहार पर भी रहा है। हमारा आहार हमारी आंत के सूक्ष्मजीव संसार को गहराई से प्रभावित करता है। 2017 में ऑस्ट्रेलिया में हुए एक मशहूर अध्ययन में पाया गया था कि मेडिटेरेनियन डाइट जिसमें फल, सब्जियां, दालें, मछली और साबुत अनाज अधिक हों अपनाने से प्रतिभागियों में अवसाद के लक्षण काफी कम हुए। भोजन से शरीर को प्रोबायोटिक्स मिलते हैं। ए ऐसे तत्व हैं जिन पर अच्छे बैक्टीरिया पनपते हैं और इस तरह एक स्वस्थ सूक्ष्मजीव समुदाय विकसित होता है। शुरुआती नतीजे उत्साहजनक हैं, लेकिन यह क्षेत्र अभी नया है और इसमें कई सवाल बाकी हैं। जैसे, मानसिक स्वास्थ्य के लिए कौन-से खास सूक्ष्मजीव सबसे ज्यादा जरूरी हैं? फायदा सूक्ष्मजीवों की विविधता से होता है या कुछ खास सूक्ष्मजीवों की उपस्थिति या अनुपस्थिति से? कितने समय तक सूक्ष्मजीव संसार में बदलाव बने रहने चाहिए ताकि लक्षणों में सुधार दिखे? प्रोबायोटिक्स का असर इसलिए है कि वे अवसादरोधियों की क्षमता बढ़ाते हैं या वे एक बिल्कुल अलग प्रक्रिया से काम करते हैं? वैज्ञानिक भविष्य में मानसिक स्वास्थ्य की ऐसी चिकित्सा की कल्पना कर रहे हैं, जिसमें इलाज का तौर-तरीका मरीज की आंतों के सूक्ष्मजीवों के अनुसार तय किया जाएगा।

स्रोत फीचर्स

हाईटैक सिटी गुरुग्राम में जलभराव का दोषी कौन

रजनीश कपूर

आज केगुरुग्राम, जिसे 'मिलेनियम सिटी' और 'साइबर सिटी' जैसे गौरवशाली नामों से नवाजा जाता है, हर साल मानसून के आगमन के साथ एक जलमग्न नरक में तब्दील हो जाता है। महज दो घंटे की बारिश इस शहर को घुटनों तक पानी में डुबो देती है। सड़कों पर घंटों लंबा ट्रैफिक जाम लग जाता है। करोड़ों रूपए की कीमत वाले आलीशान घरों में रहने वाले लोग बुनियादी सुविधाओं के अभाव में त्रस्त हो उठते हैं। यह विडंबना है कि एक ओर गुरुग्राम भारत के सबसे महंगे रियल एस्टेट बाजारों में से एक है, जहां लोग भारी-भरकम टैक्स और किराए चुकाते हैं, वहीं दूसरी ओर सरकारी विभागों की लापरवाही और गैर-जिम्मेदारी के कारण यह शहर हर बारिश में डूब जाता है। इस संकट ने न केवल शहर की छवि को धूमिल किया है, बल्कि निवासियों के बीच गुस्सा और निराशा को भी बढ़ावा दिया है।

हाल ही में, प्रसिद्ध लेखक और उद्यमी सुहेल सेठ ने एक सार्वजनिक मंच पर हरियाणा सरकार और स्थानीय प्रशासन की कड़ी आलोचना की। उन्होंने गुरुग्राम की स्थिति को 'शर्मनाक' करार देते हुए कहा, ह्गुरुग्राम खत्म हो चुका है। आप कल्पना भी नहीं कर सकते। इसकी शुरुआत पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने की और वर्तमान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी इस स्थिति को संभाल नहीं पा रहे। बीजेपी को गंभीर आत्ममंथन की जरूरत है। वे 11 साल से इस राज्य को चला रहे हैं, अब नेहरू को दोष नहीं दे सकते। सेठ की यह टिप्पणी न केवल गुरुग्राम की बदहाल स्थिति को उजागर करती है, बल्कि सरकारी एजेंसियों की जवाबदेही की कमी को भी रेखांकित करती है।

सुहेल सेठ ने अपनी एक अन्य टिप्पणी में कहा, क्या नालों की सफाई के लिए रॉकेट साइंस चाहिए? नहीं, बिल्कुल नहीं। उनकी यह बात सटीक है। गुरुग्राम जैसे शहर, जो गूगल, मेटा और सैमसंग जैसे बड़े कॉरपोरेट्स का घर है, को बुनियादी ढांचे के मामले में इतना पिछड़ा होना न केवल शर्मनाक है, बल्कि यह एक गंभीर प्रशासनिक विफलता को भी दर्शाता है। निवासियों का गुस्सा जायज है, क्योंकि वे अपनी मेहनत की कमाई से भारी टैक्स और किराए चुकाते हैं, लेकिन बदले में उन्हें बारिश में डूबता शहर और घंटों का ट्रैफिक जाम मिलता है।

गुरुग्राम में जलभराव की समस्या कोई नई बात नहीं है। हर साल मानसून के दौरान शहर की सड़कें नदियों में बदल जाती हैं, और प्रमुख मार्ग जैसे गोल्फ कोर्स रोड, सोहना रोड, और दिल्ली-जयपुर हाईवे पर घंटों तक ट्रैफिक रेंगता रहता है। 1 सितंबर 2025 को, महज चार घंटे की बारिश में 100 मिलीमीटर से अधिक वर्षा दर्ज की गई, जिसने शहर को पूरी तरह ठप कर दिया। नेशनल हाईवे-48 पर 7 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। लोग घंटों तक सड़कों पर फंसे रहे। सोशल मीडिया पर निवासियों ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए तस्वीरें और वीडियो साझा किए, जिसमें गोल्फ कोर्स रोड जैसे पॉश इलाकों में गहरे पानी में डूबी गाड़ियां और फंसे हुए लोग दिखाई दिए।

गुरुग्राम में जन्में और वहीं पर बसे एक सफल उद्यमी और समाज सेवी शरद गोयल ने हाल ही में एक चौनल में दिए इंटरव्यू में कहा कि इस संकट का मूल कारण है शहर की अनियोजित शहरीकरण और सरकारी विभागों का आपसी तालमेल का अभाव। आज गुरुग्राम अनियंत्रित निर्माण और बुनियादी ढांचे की कमी का शिकार है।

गुरुग्राम की पुरानी भौगोलिक संरचना में कई प्राकृतिक जलाशय और नाले थे, जो बारिश के पानी को संचित करते थे। लेकिन तेजी से हुए निर्माण ने इन जल निकायों को नष्ट कर दिया। वे आगे कहते हैं कि जनता बारिश और जल भरवा से त्रस्त होती है लेकिन जनता द्वारा चुने गए जनप्रतिनिधि कभी भी ऐसे मौकों पर सड़क पर दिखाई नहीं देते। नेताओं को छोड़िए निगम के अधिकारी भी ईद का चांद बने हुए हैं जो केवल अनियमितताओं के चलते ही हरकत में आते हैं। अपने गैर जिम्मेदाराना रवैए के लिए कभी भी जनता के बीच नहीं दिखाई देते।

सरकारी विभागों के बीच जवाबदेही का अभाव इस समस्या को और गंभीर बनाता है। म्युनिसिपल कॉरपोरेशन ऑफ गुरुग्राम एमसीजी, हरियाणा अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी हुडा और गुरुग्राम मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी जीएमडीए जैसे विभिन्न निकाय एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालते हैं, लेकिन कोई भी पूर्ण रूप से समस्या का समाधान नहीं करता। गुरुग्राम हो या देश अन्य कोई शहर, सभी को इंदौर से सबक लेना चाहिए जहां के अधिकारी और जनता सभी अपनी-अपनी जिम्मेदारियां पूर्णतः निभाते हैं और सुखी रहते हैं। समाधान के लिए दीर्घकालिक और टिकाऊ शहरी नियोजन की जरूरत है। प्राकृतिक जल निकायों को पुनर्जनन, आधुनिक ड्रेनेज सिस्टम का निर्माण, रेन वाटर हार्वेस्टिंग के कुओं का निर्माण और अवैध निर्माण पर सख्त कार्रवाई जैसे कदम उठाए जाने चाहिए। साथ ही, सरकारी विभागों के बीच बेहतर तालमेल और जवाबदेही सुनिश्चित करने की भी आवश्यकता है। हर वो अधिकारी जो गुरुग्राम जैसे क्षेत्र में तैनाती पाने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाता है वो यहां आते ही काम करने से क्यों बचता है? यदि किसी भी अधिकारी पर काम न करने पर तबादले की तलवार लटका दी जाए या कुछ आलसी अधिकारियों का तबादला कर दिया जाए तो इससे बाकी अधिकारियों के बीच एक सही संदेश जाएगा।

गुरुग्राम को 'मिलेनियम सिटी' का दर्जा बनाए रखने के लिए केवल आलीशान इमारतें और कॉरपोरेट कार्यालय पर्याप्त नहीं हैं, इसे एक ऐसा शहर बनाना होगा जो अपनी जनता को बुनियादी सुविधाएं और सम्मानजनक जीवन प्रदान कर सके। जब तक ए कदम नहीं उठाए जाते, तब तक गुरुग्राम हर मानसून में डूबता रहेगा और निवासियों की निराशा बढ़ती रहेगी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संक्षिप्त समाचार

युगांडा में एमपॉक्स के मामले 8001 पहुंचे, 50 की मौत

कंपाला। युगांडा में पिछले चौबीस घंटों में खतरनाक बीमारी एमपॉक्स के कारण दो लोगों की और मौत होने से इससे मरने वालों का आंकड़ा 50 पर पहुंच गया। साथ ही 15 नए मामले दर्ज किए गए जिससे इस बीमारी से पीड़ित लोगों की संख्या बढ़कर 8001 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने बताया कि नए मामले भले ही सामने आए हों लेकिन इस बीमारी का संक्रमण ढलान पर है। सप्ताह के आधार पर सामने आए मामलों को देख कर यह कहा जा सकता है कि संक्रमण की घटनाओं में कुल मिलाकर कमी आई है।

श्रीलंका बस हादसे में कम से कम 15 मरे

कोलंबो। श्रीलंका के उवा प्रांत में एला-वेल्लावेया मार्ग पर गुरुवार रात एक बस दुर्घटना में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और 16 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने इस दुर्घटना की जानकारी देते हुए बताया कि यह हादसा तब हुआ जब एक बस सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिर गई। अस्पताल के एक प्रवक्ता ने बताया कि घायलों में कुछ की स्थिति बेहद गंभीर है। बस में सवार यात्री एक समूह में थे और वे छुट्टियां मना कर वापस लौट रहे थे। पुलिस ने बताया कि दुर्गम इलाके में पुलिस, सेना, अग्निशमन विभाग और स्थनीय लोगों के साथ बचाव कार्य चल रहा है।

इटली के मशहूर डिजाइनर जियोर्जियो अरमानी का निधन

रोम। इटली के मशहूर फैशन डिजाइनर और अरमानी ग्रुप के संस्थपक जियोर्जियो अरमानी का 91 वर्ष की आयु में निधन हो गया। बीबीसी के मुताबिक वह इतालवी शैली और लालित्य के आदर्श थे, जिन्होंने आधुनिक दर्शकों के लिए पुरुषों और महिलाओं के परिधानों को डिजाइन किया थ। अरमानी को दुनिया भर के फैशन में सबसे प्रभावशाली लोगों में से एक माना जाता थ। वह अपनी आखिरी सांस तक बिजनेस और डिजाइन के काम में सक्रिय रहे।

डिनर डिप्लोमेसी में 'ट्विस्ट': ट्रम्प की पार्टी में मस्क आउट

ट्रम्प की डिनर पार्टी में शामिल हुए दिग्गज टेक बिजनेसमैन

ट्रम्प के साथ डिनर में प्रथम महिला मेलानिया भी शामिल हुईं, उनके बगल में बिल गेट्स बैठे नजर आए

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार रात व्हाइट हाउस में टेक बिजनेसमैन के लिए डिनर रखा। इसमें गूगल सीईओ सुंदर पिंचाई, मेटा सीईओ मार्क जुकरबर्ग, ओपन एआई सीईओ सेम आल्टमैन, समेत कई दिग्गज उद्योगपति शामिल हुए।

हालांकि, टेस्ला सीईओ एलन मस्क को न्योता नहीं दिया गया। ट्रम्प ने कहा: ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था, जब इतने सारे बुद्धिजीवी एकसाथ मिले हों। उन्होंने इस टीम को 'हाई आईक्यू ग्रुप' कहकर संबोधित किया। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी के मुताबिक यह डिनर प्रेसिडेंट हाउस के रोज गार्डन में होना था, लेकिन मौसम खराब होने के कारण यह स्टेट डाइनिंग रूम में किया गया। ट्रम्प के साथ डिनर में प्रथम महिला मेलानिया भी शामिल हुईं। उनके बगल में बिल गेट्स बैठे नजर आए। वहीं ट्रम्प के बगल में मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग बैठे थे। बिल गेट्स ने मेलानिया की अध्यक्षता वाले आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एजुकेशन प्रोग्राम की सराहना की। बिल गेट्स ने मेलानिया की अध्यक्षता वाले आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एजुकेशन प्रोग्राम की सराहना की। मस्क कुछ महीने पहले तक ट्रम्प के सलाहकार थे, लेकिन अब दोनों के बीच दूरियां बढ़ गई हैं। इस डिनर में जेरेड इसाकमैन भी रहे। इसाकमैन ही वह शख्स हैं जिनकी वजह से मस्क और ट्रम्प के बीच दूरियां आनी शुरू हुईं। इसाकमैन मस्क के करीबी सहयोगी रहे हैं। उन्हें ट्रम्प ने स्पेस एजेंसी नासा की लीडरशिप के लिए चुना था। जब ट्रम्प और मस्क के बीच दूरी आ गई, तो इसाकमैन का नामिनेशन रद्द कर दिया गया। डिनर का आयोजन व्हाइट हाउस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) शिक्षा पर बनी नई टास्क फोर्स की बैठक के बाद हुई। टास्क फोर्स का मकसद अमेरिकी युवाओं के लिए एआई शिक्षा का विकास करना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता मेलानिया ट्रम्प ने की। मेलानिया ने कहा कि एआई अभी शुरुआती दौर में है, इसलिए इसके साथ वैसा ही व्यवहार करना होगा जैसा बच्चों के साथ किया जाता है। इसे सतर्कता के साथ जिम्मेदार बनाना होगा। मेलानिया ने कहा कि हम एक खास समय में जी रहे हैं। बच्चों को इस भविष्य के लिए तैयार करना हमारी जिम्मेदारी है। पिछले महीने, मेलानिया ने के-12 ग्रेड के छात्रों के लिए एक राष्ट्रीय प्रतियोगिता शुरू की, जिसमें एआई का उपयोग करके चुनौतियों का समाधान करने को कहा गया। हालांकि, उन्होंने एआई के नुकसान पर भी ध्यान दिया। मेलानिया ने इस साल एआई-जनरेटेड डीपफेक इमेज का इस्तेमाल कर आनलाइन यौन शोषण करने वालों के खिलाफ कानून बनाने की मांग की थी।

चेन्नई। अमेरिका द्वारा भारत पर हाल ही में लगाए गए टैरिफ बढ़ोतरी के विरोध में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ पोस्टर लेकर प्रदर्शन में भाग लेते वामपंथी दलों के कार्यकर्ता

इतिहास के पन्नों में दर्ज हो जाएगा 'पेंटागन'

ट्रम्प देंगे इसको नया नाम: युद्ध मंत्रालय

वाशिंगटन। अमेरिकी के पेंटागन को युद्ध मंत्रालय और रक्षा मंत्री को युद्ध मंत्री के नाम से जाना जाएगा। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प नया कानून बनाने जा रहे हैं जिसके अंतर्गत ये दोनों नाम बदल दिए जाएंगे।

नया नाम रक्षा मंत्रालय, एक द्वितीयक पद के रूप में इस्तेमाल होगा और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को युद्ध मंत्री के नाम से जाना जाएगा। सरकार को इस पर कानून बनाने के लिए पहले अमेरिकी कांग्रेस की मंजूरी चाहिए होगी। नाम बदलने के तर्क में कहा गया है कि 'युद्ध मंत्रालय' नाम 'रक्षा मंत्रालय' की तुलना में कहीं अधिक तत्परता और दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। रक्षा शब्द से केवल रक्षात्मक क्षमताओं पर ही ध्यान जाता है। विदित हो कि अमेरिकी सशस्त्र सेवाओं की देखरेख करने वाले पेंटागन को 1947 तक युद्ध मंत्रालय ही कहा जाता थ।

- **सरकार को इस पर कानून बनाने के लिए पहले अमेरिकी कांग्रेस की मंजूरी चाहिए होगी**
- **रक्षा शब्द से केवल रक्षात्मक क्षमताओं पर ही ध्यान जाता है**

रूस और यूक्रेन युद्ध पर भारत की यूएन में दो टूक

- **राजनयिक प्रयासों का समर्थन करने के लिए तैयार फिर दोहराई पीएम मोदी की बात: ये युग युद्ध का नहीं**

न्यूयार्क। भारत ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में कहा है कि वह रूस-यूक्रेन जंग को जल्द ही खत्म करने के लिए राजनयिक प्रयासों का समर्थन करने के लिए तैयार है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थई प्रतिनिधि पार्वथनेनी हरीश ने कहा कि भारत यूक्रेन की स्थिति को लेकर चिंतित है। हमारा मानना है कि निर्दोष लोगों की जान नहीं जानी चाहिए।

युद्ध के मैदान में इसका कोई समाधान नहीं निकाला जा सकता। भारत ने लगातार इस बात पर जोर दिया है कि जंग खत्म करने के लिए बातचीत और कूटनीति ही एकमात्र रास्ता है, चाहे यह रास्ता कितना भी कठिन क्यों न लगे। स्थई शांति के लिए दोनों देशों की भागीदारी और प्रतिबद्धता अहम है। जंग का जल्द ही अंत होना सभी के हित में है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई मौकों पर कहा है कि यह युद्ध का युग नहीं है। भारत इसके लिए कूटनीतिक प्रयासों का समर्थन करने के लिए तैयार है। भारत इस दिशा में हाल के सकारात्मक घटनाक्रमों का स्वागत करता है। हमने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच अलास्का में हुई समिट का समर्थन किया। हम अलास्का समिट में हुई प्रगति की सराहना करते हैं। हम वाशिंगटन डीसी में यूक्रेनी राष्ट्रपति और यूरोपीय नेताओं के साथ ट्रम्प के कूटनीतिक प्रयासों की भी सराहना करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फिलहाल की स्थिति को लेकर राष्ट्रपति पुतिन, राष्ट्रपति जेलेंस्की और यूरोपीय नेतृत्व के संपर्क में हैं।

इजरायल के हवाई हमले में हूती के 12 सदस्य मारे गए

यरूशलम। इजरायल सेना के पिछले हफ्ते सना में एक सैन्य ठिकाने पर किए गए हवाई हमलें में हूती समूह के 12 सदस्य मारे गए। सेना ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि पिछले गुरुवार को हुए हमलों में यमन की राजधानी में एक सैन्य ठिकाने को निशाना बनाया गया, जिसका इस्तेमाल हूती समूह के वरिष्ठ कमांडर करते थे, जहां सैन्य अधिकारी और सरकारी मंत्री मौजूद थे। बयान में इन अधिकारियों के नाम नहीं बताए गए, लेकिन हूती ने पिछले हफ्ते पुष्टि की थी कि हूती सरकार के प्रधानमंत्री अहमद गालिब अल-रहावी भी मारे गए लोगों में शामिल थे। रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने गुरुवार को इजरायल पर हुए हालिया हूती हमलों का कड़ा जवाब देने का संकल्प लिया।

वेनेजुएला ने अमेरिकी वॉरशिप के ऊपर उड़ाया एफ-16 फाइटर जेट

तनाव बढ़ा: ताकत दिखाने की कोशिश न करें, अंजाम बुरा होगा

अमेरिका ने किया खबरदार

कराकस। अमेरिका और वेनेजुएला के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। वेनेजुएला के दो एफ-16 लड़ाकू विमानों ने गुरुवार को कैरेबियन सागर में अमेरिकी वारशिप यूएसए जेसन डनहम के ऊपर से उड़ान भरी।

अमेरिका ने इस कदम की आलोचना की और कहा कि वेनेजुएला ताकत दिखाने की कोशिश कर रहा है। अमेरिकी रक्षा विभाग ने देर रात जारी बयान में वेनेजुएला को चेतावनी दी कि वे आगे ऐसी उकसावे वाली हरकत की तो अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहे। डनहम एक गाइडेड-मिसाइल डेस्ट्रायर वॉरशिप है, जिसे अमेरिका ने पिछले सप्ताह वेनेजुएला के पास तैनात किया था। अमेरिका के मुताबिक, यह जहाज ड्रग्स और आपराधिक संगठनों को निशाना बनाने के लिए तैनात किया गया है। 40 साल पहले अमेरिका और वेनेजुएला के बीच संबंध काफी अच्छे थे। साल 1982 में वेनेजुएला और अमेरिकी कंपनी लाकहीड मार्टिन के बीच 24 एफ-16 फाइटर जेट्स को लेकर करार हुआ था। इनकी डिलिवरी 1982 से 1985 के बीच हुई। यह पहली बार था जब किसी लैटिन अमेरिकी देश को एफ-16 दिए गए। शुरुआत में इन विमानों का रखरखाव और अपग्रेड भी अमेरिका ही करता था। 2000 के बाद जब ह्यूगो शावेज और फिर निकोलस मादुरो वेनेजुएला की सत्ता में आए, तब अमेरिका से इसके के रिश्ते बिगड़ गए। अमेरिका ने 2006 में वेनेजुएला पर हथियार प्रतिबंध लगा दिया, जिस कारण वेनेजुएला अब अपने एफ-16 के लिए अमेरिकी स्पेयर पार्ट्स नहीं खरीद सकता था। इसके चलते ज्यादातर एफ-16 जेट धीरे-धीरे खराब हो रहे हैं और इनका इस्तेमाल सीमित हो गया है। आधिकारिक तौर पर वेनेजुएला के पास अब 5 से 6 एफ-16 हैं जो उड़ने के काबिल हैं। बाकी या तो स्टोरेज में हैं या कबाड़ बन चुके हैं।

वेनेजुएला ने इन्हें अपग्रेड कराने के लिए रूस और ईरान से मदद लेने की कोशिश भी की, लेकिन एफ-16 अमेरिकी तकनीक है, इसलिए इसे पूरी तरह से अपग्रेड करना मुश्किल हो गया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ड्रग कार्टेल पर सख्ती के लिए यह नौसैनिक अभियान शुरू किया था। इसी वजह से दोनों देशों के रिश्तों में और तनाव बढ़ गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रशासन ने राष्ट्रपति मादुरो पर आरोप लगाया है कि वह ड्रग कार्टेलों से मिले हुए हैं और उनकी मदद से अमेरिका और उसके इलाको में नशीले पदार्थों की तस्करी करते हैं।

अफगान में नौ घंटे में पांच बार कांपी धरती

जमीन से 50 किमी की गहराई में लगे इन झटकों के बाद अफगानिस्तान में दशहत का माहौल

- **इससे करीब आधे घंटे पहले लगे भूकंप के झटकों की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.8 मापी गई**

काबुल। अफगानिस्तान में एक बार फिर भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। बीते नौ घंटे में यहा भूकंप के पांच झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने बताया कि भारतीय समयानुसार शुक्रवार सुबह 7.46 बजे 4.6 तीव्रता का भूकंप आया।

इससे कुछ ही देर पहले यहां 5.2 तीव्रता के झटके लगे थे। इससे पहले गुरुवार आधी रात के बाद करीब 3:16 बजे 4.9 तीव्रता का भूकंप आया। इससे पहले रात 11.58 बजे भूकंप के झटकों की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.1 मापी गई। नेशनल सेंटर फार सिस्मोलाजी (एनसीएस) के मुताबिक काबुल से 118 किलोमीटर दूर भूकंप आया। जमीन से 50 किमी की गहराई में लगे इन झटकों के बाद अफगानिस्तान में दहशत का माहौल है। बता दें कि 4.1 तीव्रता के भूकंप से चंद मिनट पहले भी धरती कांपी थी, जिसकी तीव्रता 5.8 मापी गई। इस तरह 24 घंटे से भी कम समय में चार झटके लगे और पांच घंटे के भीतर तीन बार धरती कांपी। इससे करीब आधे घंटे पहले लगे भूकंप के झटकों की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.8 मापी गई। भूकंप के झटके काबुल से पूर्वी दिशा में लगभग 133 किमी दूर आए। एनसीएस के मुताबिक भूकंप की गहराई 160 किमी रही। इससे पहले आज दिन में भी भूकंप के झटके महसूस किए थे। जिसकी तीव्रता 4.8 थी। भूकंप 135 किलोमीटर की गहराई में आया था। बता दें कि 4 सितम्बर की सुबह 10:40 बजे भी भूकंप आया था, जिसमें अब तक 2200 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, बुधवार देर रात भी यहां 10 किलोमीटर की गहराई में भूकंप दर्ज किया गया था, जिससे आफ्टरशाक का खतरा बढ़ गया था। 'एक्स' पर एक पोस्ट में एनसीएस ने बताया कि अफगानिस्तान में रात 23:53 बजे 10 किलोमीटर की गहराई में भूकंप के झटके महसूस किए गए। इस बीच खामा प्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) ने अफगानिस्तान के भूकंप प्रभावित कुनार और नंगरहार प्रांतों में आपातकालीन सहायता भेजी है, जहां 2205 से ज्यादा लोग मारे गए हैं और 3000 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं।

'बांग्लादेश दरिया-ए-नूर' हीरे वाली तिजोरी खालेगा

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने ढाका के एक स्टेट बैंक की लंबे समय से बंद पड़ी तिजोरी को खोलने का आदेश दिया है। इस तिजोरी को 117 साल पहले (1908 में) सील की गई थी। इस तिजोरी में दुनिया की सबसे कीमती रत्नों में से एक 'दरिया-ए-नूर' हीरा बंद होने की उम्मीद है। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि यह हीरा वहां है भी या नहीं, क्योंकि दशकों से इसे देखा नहीं गया है। दरिया-ए-नूर को 'कोहिनूर की बहन' कहा जाता है। कोहिनूर अभी ब्रिटेन में मौजूद है। दोनों हीरे भारत से ले जाए गए थे। वर्तमान में दरिया-ए-नूर की कीमत लगभग 13 मिलियन डालर (लगभग 114.5 करोड़ रुपये) आंकी गई है।

सितम्बर का महीना नेतन्याहू के लिए इम्तिहान जैसा

फलस्तीन स्वतंत्र राष्ट्र जैसे कई बड़े घटनाक्रम

- **इजरायल की राजनीति और कूटनीति को झकझोर सकते हैं**

तेल अवीव। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के लिए सितम्बर का महीना आसान नहीं होने वाला। वजह है कई बड़े घटनाक्रम, जो इजरायल की राजनीति और कूटनीति को झकझोर सकते हैं।

इसी महीने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा होने जा रही है, जहां फलस्तीन को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता देने की मांग उठेगी। दूसरी तरफ अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो यरुशलम पहुंच रहे हैं, यूएई ने लाल रेखा खींच दी है और इजरायली सेना गाजा में बड़े अभियान की तैयारी में जुटी है। यानी, सितम्बर नेतन्याहू के लिए सियासी और रणनीतिक इम्तिहान लेकर आया है। पेरिस, लंदन, ब्रसेल्स, ओटावा और कैनबरा जैसे अहम पश्चिमी शहर फलस्तीनी राज्य को मान्यता देने की तैयारी में हैं। इसके जवाब में इजरायल के भीतर यह बहस तेज हो गई है कि यहूदा और शमरोन (पश्चिमी तट) के बड़े हिस्से को अपने अधिकार क्षेत्र में शामिल कर लिया जाए। इसी बीच, वित्त मंत्री बेजलेल स्मोट्रिच ने यहूदा और शमरोन (वेस्ट बैंक) के बड़े हिस्से को इजरायल में मिलाने की योजना पेश कर दी है। इस योजना के मुताबिक बड़े फलस्तीनी शहर रामल्ला, नाबलुस, हेब्रोन, जेरिको, जेनिन और तुल्करम फलस्तीनी अथॉरिटी के अधीन रहेंगे, लेकिन बाकी जमीन इजरायल के अधीन जाएगी। संयुक्त अरब अमीरात ने साफ कहा है कि अगर इजरायल एनेक्सेशन करता है तो अब्राहम समझौता खतरे में पड़ जाएगा। याद रहे कि 2020 में यही समझौता इस शर्त पर हुआ थ कि इजरायल अधिग्रहण को रोक देगा।

यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी देंगे 26 देश

यूक्रेन बॉर्डर पर इंटरनेशनल फोर्स तैनात होगी, जेलेंस्की ने ट्रम्प से भी समर्थन मांगा

पेरिस। 26 यूरोपीय देशों ने यूक्रेन को पोस्ट वॉर सुरक्षा गारंटी देने का वादा किया है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में एक इंटरनेशनल फोर्स भी तैनात की जाएगी। मैक्रों ने 'कोएलिशन ऑफ विलिंग्स' समिट के बाद प्रेस मीट में ए जानकारी दी।

इस बैठक में ईयू समेत 35 देशों के नेता के शामिल हुए, यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने समिट के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प से भी बातचीत की और गारंटी के लिए समर्थन देने को कहा। मैक्रों ने कहा कि इससे भविष्य में किसी बड़े हमले को रोका जा सकेगा। कुछ देश यूक्रेन के बाहर से भी सहायता देंगे, जैसे कि यूक्रेनी सेना को ट्रेनिंग देना और हथियारों की आपूर्ति करना। हालांकि, मैक्रों ने यह साफ नहीं किया कि कितने सैनिक शामिल होंगे या कौन-कौन से देश इस गारंटी में हिस्सा लेंगे। मैक्रों ने बताया कि सहायता देने वाले देशों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि कई देश अभी फैसला लेने की प्रक्रिया में हैं। वहीं, अमेरिका की भागीदारी को लेकर अगले कुछ दिनों में अंतिम निर्णय होने की उम्मीद है। अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकाफ ने इस समिट में हिस्सा लिया। बैठक से पहले उन्होंने फ्रांसीसी, ब्रिटिश, जर्मन, इतालवी और यूक्रेनी वरिष्ठ राजनयिकों से मुलाकात की। यूरोपीय अधिकारियों का कहना है कि यूक्रेन में शांति अभी दूर की कौड़ी लगती है, लेकिन वे युद्ध खत्म होने के बाद भी किसी भी इमरजेंसी के लिए तैयार रहना चाहते हैं। वे मानते हैं कि, इस प्रयास से यूक्रेन को अपने समर्थन का भरोसा दिला सकते हैं।

प्रवेश सूचना-पैरामेडिकल/वोकेशनल एण्ड यूनिवर्सिटी कोर्स Admission Open

10th व 12th (OPEN Board) से करें (विषय-साइंस, आर्ट, कॉमर्स)

प्रवेश- 10th हेतु- 8th पास और 10th फेल, 12th-10th पास और 12th फेल

Fresh, Part Admission & TOC Facility Available) (Exam-Oct/Nov 2025)

NIOS(शिक्षा मंत्रालय) कोर्स- DNYS, Radiology(एक्स-रे टैक.), CCH(एलोपैथिक), CAT(आयुर्वेदिक-पंचकर्मा टैक), CHD(होम्योपैथिक), ECCE(प्री-प्राईमरी शिक्षक हेतु), Diploma in Yoga & YTTR, CCA(कम्पयूटर), ET (इलेक्ट्रिकल टैक.) ETC.

Contact for UGC Approved University Courses:-

Dip. in CMS&ED, DPT, DMLT, OPTOMETRY, OPHTHALMIC, OT TECH MPHW, DENTAL TECH. & HYGIENE, RADIOLOGY & BACHELOR (IN All Paramedical), (M.SC, B.SC, B.COM, M.COM) BA/MA/PGD YOGA ETC...

:- प्रवेश हेतु सम्पर्क करें:-

श्री कृष्ण वोकेशनल एण्ड पैरामैडिकल कॉलेज

गांधी कॉलोनी, मेन पचैण्डा रोड, निकट गऊशाला, मु.नगर

M.: 8505978850, 9634519104

अब खबरें आपके मोबाइल फोन पर...
www.shahtimesnews.com

ROOP® RAKSHAK

आप के रूप का रक्षक

क्या आप अपने चेहरे के मुहासों (Acnc) से परेशान हैं। अपनाएं ....

क्या आप अपने चेहरे के दाग, धब्बे व झाईयों से परेशान हैं, अपनाएं

(भारत सरकार द्वारा रजिस्ट्रर्ड ब्रांड)

Customer Care No. 9457717311

यौन समस्याएं

यौन समस्याओं के विशेषज्ञ

पुराने से पुराने यौन रोग के मरीज एक बार अवश्य मिलें

डा. सम्राट

नशामुक्ति, शराब, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा तम्बाकू, प्रोक्सीवॉन कैप्सूल अफीम, चरस, डोडे पोस्त इंजेक्शन व अन्य नशा छुड़ाने का स्थायी ईलाज।

नावल्टी सिनेमा चौक मुजफ्फरनगर (यू.पी.)

M-9412211108